WWW.NAVPRADESH.COM

दैनिक नवप्रदेश

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर... 4 | अभिव्यक्ति 5 | राजधानी 8 | छत्तीसगढ़ 11 | देश विदेश

रायपुर, सोमवार, 17 नवंबर 2025 शुक्ल पक्ष- द्वादशी, विक्रम संवत -2082 / वर्ष-14 अंक- 271 पृष्ठ-12 मूल्य-4 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

बिहार विधानसभा चुनाव में जनसुराज पार्टी ने अंडा दिया है। चर्चित चुनावी रणनीतिकार रहे प्रशांत किशोर समझ नहीं पा रहे हैं कि इस अंडे की भूर्जी बनाये या आमलेट बनाकर खायें। प्रशांत किशोर ने चुनाव के दौरान बढ़ चढ़कर कई दावे किये थे वो खोखले साबित हुए। जोश में अपना होश खोते हुए प्रशांत किशोर ने भविष्यवाणी की थी कि नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे और उनकी पार्टी जदयू को 25 से ज्यादा सीटें नहीं मिलेंगी। यदि ऐसा हुआ तो वे राजनीति छोड़ देंगे। अब उनसे नीतीश कुमार पूछेंगे कि - अब तेरा क्या होगा रे प्रशांत किशोरवा?

सीएम साय ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर दी बधाई एवं शुभकामनाएं

रायपुर /नवप्रदेश । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस 16 नवंबर के अवसर पर मीडिया जगत से जुड़े सभी लोगों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता हमारे लोकतंत्र की विशेषता और आधारशिला है। निष्पक्ष प्रेस और निर्भीक पत्रकारिता स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आवश्यक है। मीडिया नागरिकों को उनके अधिकार और दायित्व के प्रति सचेत कर देशहित व लोकहित के प्रति जागरूक करता है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भारतीय प्रेस दिवस भारत जैसे जीवंत लोकतंत्र में स्वतंत्र और निष्पक्ष प्रेस के महत्व और योगदान को याद करने का दिन है। मुख्यमंत्री साय ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर आशा व्यक्त करते हुए कहा कि मीडिया अपनी प्रखरता, संवेदनशीलता और सत्यनिष्ठा के साथ लोकतंत्र के पथ को और अधिक प्रकाशमान करता रहेगा।

जापान में सकुराजिमा ज्वालामुखी में विस्फोट

टोक्यो (वार्ता)। दक्षिण-पश्चिमी जापान के कागोशिमा प्रान्त में सकुराजिमा ज्वालामुखी में रविवार सुबह विस्फोट होने से 4,400 मीटर ऊपर तक धुएं का गुबार उठ रहा है। जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने बताया कि मिनामिडके क्रेटर में विस्फोट होने से 4,000 मीटर ऊपर तक राख और धुएं का गुबार उठा। इसमें किसी के घायल होने और इमारतों को नुकसान पहुंचने की तत्काल कोई खबर नहीं है।

दलगत राजनीति से दूर हूं, भावनाओं पर नियंत्रण बेहद जरूरी

नई दिल्ली (वार्ता)। उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को बिहार चुनाव-2025, कथित वोट चोरी और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, मैं पूरी तरह दलगत राजनीति से दूर हूं। मेरी अपने सभी मित्रों से अपील है कि जो भी सार्वजनिक जीवन में हैं, उन्हें हमेशा अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखना चाहिए। यह बेहद जरूरी है। लोग हमेशा उसी पेड़ पर पत्थर फेंकते हैं, जिस पर फल ज्यादा होते हैं। इसलिए सार्वजनिक जीवन में धैर्य जरूरी है। हमें हर सवाल का जवाब देने की जरूरत नहीं। उन्हें सवाल पूछने का अधिकार है और हमें जवाब देने या न देने का अधिकार है। बिहार चुनाव 2025 के नतीजों के बाद सांविधानिक संस्थाओं पर विपक्ष के हमले पर उपराष्ट्रपति ने कहा, मुझे नहीं लगता कि यह ठीक है। हर किसी की अपनी राय होती है, लेकिन लोग खुद जानते हैं कि सही क्या है। दिल्ली में हुए आतंकी हमले पर उन्होंने कहा, पुलिस और खुफिया एजेंसियों को हर बार सतर्क रहना पड़ता है।

गरमा-गरम

हर साल बढ़ रहा 'सुपर फूड' की खेती का रकबा

■ आमदनी धान से दोगुनी, विदेशों में भी है डिमांड

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में धान की खेती की बजाय दूसरी लाभकारी फसलों की खेती के लिये किसानों को प्रोत्साहित करने की दिशा में धीरे-धीरे सफलता मिल रही है। धान के विकल्प के रूप में सुपर फूड़ की खेती के लिये किसान आगे आ रहे हैं। रायपुर, धमतरी, बालोद सहित अन्य जिले में मखाने की आधुनिक खेती से किसानों को धान की तुलना में दोगुनी आमदनी हो रही है।

पोषक तत्वों से भरपूर स्वास्थ्यवर्धक मखाने की खेती से किसानों की आय बढऩे के कारण अब किसानों के साथ ही महिला समूह भी मखाने की खेती कर रही है। शुरुआती दौर में मखाना की खेती का रकबा करीब 30 एकड़ था। लेकिन अब रकबा बढ़कर तीन गुना से ज्यादा हो गया है। भारत के अलावा दुनिया के कई देशों में मखाना की डिमांड है। कम पानी में बेहतर उत्पादन और ज्यादा मुनाफा वाली फसल मखाना को तालाबों, जलीय क्षेत्रों, दलदली भूमि, बांधों के तराई और बारहमासी शेष पृष्ठ 6 पर

ऐसे होती है मखाना की खेती

तालाबों में केवल 2 से 3 फीट पानी में यह फसल आसानी से तैयार हो जाती है। लगभग छह महीने में कटाई योग्य हो जाती है। मखाने की नर्सरी 45 से 60 दिन में रोपाई के लिए तैयार हो जाती है। एक-एक मीटर की दूरी पर प्रति एकड़ 4000 पौधे रोपे जाते हैं। रोपाई के 2 महीने के बाद बैंगनी रंग का फूल खिलता है। 35-40 दिनों बाद फल पूरी तरह से विकसित हो जाता है। सितंबर आखिरी या अक्टूबर में कटाई होती है।

पोषक तत्वों का अनमोल खजाना

न्यूट्रिशन रिच फ़ूड मखाना में कैल्शियम, मैग्निशियम, आयरन, जिंक, विटामिन, प्रोटीन और फास्फोरस, फाइबर की काफी मात्रा होती है। डायबिटीज और हृदय रोगियों के लिए बेहद उपयोगी है। इसके सेवन से हड्डियों और जोड़ों का दर्द दूर करने में मदद मिलती है। तनाव कम करने में मददगार है। इम्युनिटी बढ़ाने के साथ-साथ कुपोषण दूर करता है। दूध के साथ मखाने का सेवन करने से नींद न आने की समस्या दूर होती है। नियमित सेवन से शरीर की कमजोरी दूर होती है।

बढ़ रहा है रकबा

विश्व बाजार में मखाना की बढ़ती लोकप्रियता और कमाई की वजह से अब धीरे-धीरे इसकी खेती का रकबा बढ़ रहा है। धमतरी ब्लाक के देमार गांव में शैलपुत्री महिला समूह और नई किरण महिला समूह ने मखाने की खेती और इसके प्रसंस्करण का प्रशिक्षण लेने के बाद उत्पादन शुरू कर दिया है। मखाने की खेती से महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होने के साथ ही आत्मनिर्भर हो रही हैं। कुरूद ब्लॉक के राखी, दरगहन और सरसोंपुरी जैसे गांवों के तालाबों में मखाने की खेती का पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। नगरी में ग्राम खुनंदनी के जय मां विंध्यवासिनी स्व सहायता समूह की महिलाओं ने मखाना की खेती का प्रशिक्षण प्राप्त किया। बालोद जिले में मखाना की खेती की शुरुआत हो रही है।

छत्तीसगढ़ में अंतिम सांसें ले रहा नक्सलवाद : सीएम साय

बोले- दो वर्षों में दो हजार नक्सलियों ने किया सरेंडर

जगदलपुर /नवप्रदेश । जगदलपुर में आदिवासी नेता भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित 'जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए साय ने कहा कि नक्सलवाद के जड़ से उखाड़ दिए जाने के बाद बस्तर क्षेत्र में तेजी से विकास होगा।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि पिछले दो वर्षों में 2,000 से अधिक नक्सलियों ने हथियार डाल दिए हैं और राज्य में नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसें ले रहा है। आगे सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 31 मार्च, 2026 तक भारत से नक्सलवाद को खत्म करने का संकल्प लिया है।

जगदलपुर में आदिवासी नेता भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित 'जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए साय ने कहा कि नक्सलवाद के जड़ से उखाड़ दिए जाने के बाद बस्तर क्षेत्र में तेजी से विकास होगा। उन्होंने कहा नक्सलवाद अपनी अंतिम साँसें ले रहा है। नक्सली बड़ी संख्या में आत्मसमर्पण कर रहे हैं। हमने एक प्रभावी आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति लागू की है और इसके अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। दिसंबर 2023 में भाजपा के सत्ता में आने के बाद से लगभग दो वर्षों में 2,000 से ज़्यादा नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है।

सीएम साय ने कहा कि नियाद नेल्लानार योजना के तहत बस्तर के 327 गांवों तक विकास पहुँचा है, जिससे सड़क संपर्क, बिजली, पानी की आपूर्ति, स्कूल, अस्पताल, राशन वितरण सुविधाएँ और दूरसंचार नेटवर्क उपलब्ध हुए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बस्तर में पर्यटन की अपार संभावनाओं को बढ़ावा दे रही है और अपनी नई औद्योगिक नीति के तहत पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष बस्तर ओलंपिक (खेल आयोजन) का आयोजन किया गया था जिसमें 1.65 लाख लोगों ने भाग लिया था, जो इस वर्ष बढ़कर 3 लाख हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि बस्तर पंडुम महोत्सव का भी आयोजन किया जाएगा। क्षेत्र के लोग विकास शेष पृष्ठ 6 पर

जवानों ने मुठभेड़ में तीन नक्सलियों को ढेर किया

■ स्नाइपर स्पेशलिस्ट माड़वी देवा और दो महिला नक्सली ढेर

■ 303 राइफल-बीजीएल लॉन्चर बरामद

सुकमा/नवप्रदेश। सुकमा जिले के तुमालपाड़ जंगल में नक्सलियों और जवानों के बीच रविवार सुबह मुठभेड़ । जवानों ने मुठभेड़ में तीन नक्सलियों को ढेर कर बड़ी सफलता हासिल की है। इनमें 5 लाख का इनामी नक्सली कमांडर माड़वी देवा शामिल है। साथ ही मुठभेड़ में पोडिय़म गंगी (सीएनएम कमांडर) और सोड़ी गंगी (एरिया कमेटी सदस्य) मारे गए हैं। मौके से कई हथियार और विस्फोटक बरामद किया गया है। जानकारी के मुताबिक, नक्सलियों के मौजूदगी की सूचना पर डीआरजी के जवानों ने सर्च ऑपरेशन लॉन्च किया था। रविवार सुबह जवानों के इलाके में पहुंचते ही नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवानों ने भी मोर्चा संभालते हुए गोलियों का जवाब दिया. दोनों तरफ से रुक-रुक कर फायरिंग जारी रही. मुठभेड़ में जनमिलिशिया कमांडर माड़वी देवा, सीएनएम कमांडर पोडिय़म गंगी और एरिया कमेटी सदस्य सोड़ी गंगी ढेर हुए हैं।

बिहार में मिला जनादेश

नीतीश कुमार के नेतृत्व में बन रही सरकार :डॉ. रमन सिंह

रायपुर /नवप्रदेश । बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को मिले जनादेश के बाद अब मुख्यमंत्री के शपथ और मंत्रिमंडल गठन की चर्चा तेज है। इस बीच छत्तीसगढ़ के विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्य योजना बनाकर काम किया है। बिहार में जंगल राज को खत्म कर लोगों के जीवन में परिवर्तन लाया है। बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार बनने जा रही है।

बिहार चुनाव में भूपेश बघेल की भूमिका पर टिप्पणी

बिहार चुनाव में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को सीनियर ऑब्ज़र्वर बनाया गया था। उनके चुनावी प्रभाव को लेकर पूछे गए सवाल पर विधानसभा स्पीकर डॉ. रमन सिंह ने कहा कि भूपेश बघेल को जब-जब जिम्मेदारी मिली है, तब सभी जानते हैं कि क्या होता है। नीतीश कुमार की ईमानदारी और उनके नीतियों की यह जीत है।

18 नवंबर को विधानसभा का विशेष सत्र

विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने छत्तीसगढ़ विधानसभा के 18 नवंबर को बुलाए गए विशेष सत्र को लेकर जानकारी दी कि पुराने विधानसभा में एक दिन का सत्र होगा। जहां 25 साल बिताए उसका यह सत्र है. पुराने विधानसभा में सभी की यादें है। पुराने विधानसभा में यह अंतिम सत्र रहेगा। उन्होंने यह भी बताया कि शीतकालीन सत्र नए विधानसभा में आयोजित होगा।

28 से 30 नवंबर तक डीजी कॉन्फ्रेंस

डीजी कॉन्फ्रें स को लेकर डॉ. रमन सिंह ने कहा कि डीजी कॉन्फ्रें स में पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के साथ अन्य राज्य के डीजी शामिल होंगे। नक्सल समस्या को लेकर एक निर्णायक दौर आया है. नक्सलवाद से देश आगे बढ़ चुका है. 2026 मार्च तक नक्सलवाद खात्मे की डेडलाइन तय हो चुकी है। शत प्रतिशत नक्सल समाप्ति करने में सफलता मिलेगी।

नौसेना की ताकत में होगा इजाफा, 24 को सेवा में शामिल होगा पनडुब्बी- रोधी युद्धपोत माहे

नई दिल्ली(वार्ता)। पनडुब्बी-रोधी युद्ध के लिए युद्धपोत 'माहेÓ 24 नवंबर को भारतीय नौसेना में शामिल किया जाएगा। यह एक शैलो-वॉटर क्राफ्ट है। यानी यह युद्धपोत समुद्र की बजाय तटीय जल क्षेत्र या नदी मुहाने जैसे उथले पानी वाले क्षेत्रों के लिए डिजाइन किया गया है। यह टॉरपीडो, कई भूमिका वाली पनडुब्बी-रोधी मिसाइल, उन्नत रडार और सोनार से सुसज्जित है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

कोचिन शिपयार्ड लिमिटेड पनडुब्बी रोधी युद्ध के लिए युद्धपोत बना रहा है, जिनमें यह पहला है, जिसका नाम माहे है। यह नाम पुडुचेरी के ऐतिहासिक बंदरगाह शहर माहे के नाम पर रखा गया है और भारत की समृद्ध समुद्री विरासत का प्रतीक है। नौसेना प्रवक्ता ने कहा, अपनी ताकत, छिपकर काम करने की क्षमता और गतिशीलता के साथ यह जहाज पनडुब्बियों का शिकार करने, तटीय गश्त करने और भारत के अहम समुद्री मार्गों की सुरक्षा करने के लिए डिजाइन किया गया है। टॉरपीडो और पनडुब्बी रोधी रॉकेट से सुसज्जित माहे-श्रेणी का पहला जहाज 23 अक्तूबर को नौसेना को सौंपा गया था।

नौसेना प्रवक्ता ने कहा कि 24 नवंबर को मुंबई के नौसेना डॉकयार्ड में 'माहेÓ को शामिल करने के साथ ही नौसेना की देशी जहाज निर्माण की यात्रा में एक और मील का पत्थर छूने वाला है।

कांग्रेस ने एसआईआर पर 18 को बुलाई बैठक

नई दिल्ली। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए कांग्रेस ने 18 नवंबर को 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की समीक्षा बैठक बुलाई है। इस बैठक में प्रभारी, राज्य इकाई प्रमुख, कांग्रेस विधायक दल के नेता और सचिव हिस्सा लेंगे। यह बैठक बिहार चुनाव में पार्टी की हार और वोट चोरी के आरोपों के बीच यह बैठक बुलाई गई है। बिहार के हालिया चुनाव में एनडीए को ऐतिहासिक जीत मिली। महागठबंधन को केवल 35 सीट पर जीत मिली। वहीं एनडीए ने 202 सीट पर जीत दर्ज की। कांग्रेस ने शनिवार को चुनाव आयोग (ईसी) की भूमिका पर सवाल उठाया। कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी और पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने चुनाव के नतीजों पर चर्चा की।

अंतरिक्षयान उत्पादन बढ़ाकर तीन गुना करेगा इसरो

■ इस वित्तीय वर्ष सात और प्रक्षेपण करने की तैयारी

बंगलूरू (आईएएनएस) । इसरो इस वित्तीय वर्ष में सात और प्रक्षेपण करने की योजना बना रहा है। साथ ही इसरो अपना पहला मानव अंतरिक्ष यान 2027 में भेजने की भी तैयारियों में जुटा है। इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन ने एक इंटरव्यू में बताया कि इसरो विज्ञान, प्रौद्योगिकी और उद्योग क्षमता बढ़ाने की दिशा में तेजी से विस्तार कर रहा है। नारायणन ने कहा कि इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) चालू वित्तीय वर्ष के अंत से पहले शेष पृष्ठ 6 पर

चंद्रयान-4 मिशन को 2028 में लॉन्च करने का लक्ष्य

इसरो चेयरमैन ने बताया कि भारत में निर्मित पहले पीएसएलवी का प्रक्षेपण भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए एक मील का पत्थर होगा। इसरो प्रमुख ने कहा कि सरकार ने चंद्रयान-4 मिशन को मंजूरी दे दी है। यह भारत का अब तक का सबसे मुश्किल चंद्र अभियान होगा। इसरो ने साल 2028 में चंद्रयान-4 मिशन लॉन्च करने का लक्ष्य रखा है। चंद्रयान-4 मिशन के जरिए इसरो चंद्रमा से नमूने वापस लाने का प्रयास करेगा। अभी तक यह उपलब्धि वर्तमान में केवल अमेरिका, रूस और चीन ही कर सकते हैं।

बिहार में जीत ने फिर साबित की वैश्विक राजनीतिक पकड़

पश्चिमी मीडिया की नजर में 'ब्रांड मोदी

नई दिल्ली (वार्ता)। बिहार विधानसभा चुनावों म प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए की दमदार जीत ने केवल घरेलू राजनीति को ही प्रभावित नहीं किया, बल्कि पश्चिमी मीडिया को भी सीधे केंद्रित कर लिया है। ठीक उसी तरह जैसे न्यूयॉर्क के मेयर चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सक्रिय भागीदारी ने अमेरिकी प्रेस का ध्यान खींचा था, बिहार में मोदी द्वारा चुनाव प्रचार का नेतृत्व किए जाने ने अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों को इस परिणाम की गहन व्याख्या करने के लिए प्रेरित किया।

द न्यूयॉर्क टाइम्स के दक्षिण एशिया संबंधी विश्लेषक जेफरी गेटलमैन ने लिखा कि बिहार का परिणाम स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि नरेंद्र मोदी की चुनावी

अपील किसी भी राज्य की राजनीतिक जटिलताओं से ऊपर जाकर मतदाताओं तक पहुंचती है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की दक्षिण एशिया रिपोर्टिंग प्रमुख हन्नाह बीच ने अपनी टिप्पणी में लिखा कि बिहार परिणाम दर्शाता है कि नरेंद्र मोदी की चुनावी पहचान राज्य-विशिष्ट राजनीतिक समीकरणों के ऊपर उठकर प्रभाव डालती है। उनके अनुसार इस चुनाव में स्थानीय मुद्दों के साथ राष्ट्रीय नेतृत्व और राजनीतिक ब्रांडिंग भी प्रभावी रही। द वॉशिंगटन पोस्ट की शेष पृष्ठ 6 पर

बुलेट ट्रेन परियोजना टीम के सदस्यों से बातचीत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सूरत में निर्माणाधीन भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना की टीम के सदस्यों से बातचीत की और उनसे समय-सारिणी के लक्ष्यों के पालन सहित परियोजना की प्रगति के बारे में जानकारी ली। प्रधानमंत्री ने देश की सबसे महत्वाकांक्षी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में से एक मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर (एमएएचएसआर) की प्रगति की समीक्षा शनिवार को की थी और सूरत में निर्माणाधीन बुलेट ट्रेन स्टेशन का दौरा किया था। यह परियोजना देश के हाई-स्पीड कनेक्टिविटी के युग में प्रवेश का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने समीक्षा के साथ ही बुलेट ट्रेन से जुड़े कई कर्मचारियों बातचीत की।

नीतीश ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर पत्रकारों को बधाई दी

पटना (वार्ता) बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर पत्रकारों को हार्दिक बधाई दी है। मुख्यमंत्री कुमार ने एक्स पर लिखा,भारतीय प्रेस परिषद की स्थापना के उपलक्ष्य में इस दिन को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के रूप में मनाया जाता है। कुमार ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुये कहा कि यह दिवस स्वतंत्र, निष्पक्ष और जिम्मेदार पत्रकारिता की उस समृद्ध परंपरा का प्रतीक है, जिसने हमारे लोकतंत्र को निरंतर सशक्त किया है।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, सात लोग मरे

इस्लामाबाद(वार्ता) । पाकिस्तान के दक्षिणी सिंध प्रांत में एक पटाखा फैक्ट्री में हुए शक्तिशाली विस्फोट में कम से कम सात लोगों की मौत हो गयी और सात अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। राहत एवं आपातकालीन बचाव टीम 1122 सिंध के प्रवक्ता हसन उल हसीब ने बताया कि यह विस्फोट शनिवार शाम हैदराबाद ज़िले के लगहारी गोठ में हुआ। उन्होंने कहा, विस्फोट के बाद भीषण आग ने देखते ही देखते पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया। बचाव दल ने मलबे से शव निकाले और घायलों को स्थानीय अस्पताल पहुँचाया। घायलों में से तीन की हालत गंभीर है।अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि विस्फोट के कारणों की जाँच की जा रही है। 'आप मुझ पर बुलडोजर चला दो': मकान तोड़ने पहुंचे अफसरों के सामने आई महिला वाराणसी(वार्ता)। शनिवार को पीडब्ल्यूडी और प्रशासन की टीम दालमंडी में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करने पहुंची। सुबह करीब 12 बजे पहुंची टीम ने भवन संख्या डी 50/207 पर कार्रवाई शुरू की तो भवन स्वामी मोहम्मद शाजिद और मोहम्मद वाजिद ने खाली करने के लिए समय मांगा। टीम ने 10 मिनट का समय दिया। इसके बाद ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी। हथौड़ा की मदद से तीन मंजिला मकान ध्वस्त किया गया और आठ दुकानें गिराई गईं। टीम ने मकान में ऊपरी मंजिल पर पांच मजदूर लगाकर तोड़फोड़ शुरू की गई। टीम ने ऊपर जाने के लिए ताला की चाबी मांगी लेकिन नहीं मिली। इसके बाद ताला तोड़कर कार्रवाई शुरू की गई। करीब आठ घंटे तक चली कार्रवाई में मकान और आठ दुकानें तोड़ दी गईं। इसी भवन के सामने चार मंजिला मकान सीके 67/27 भी अवैध घोषित है। टीम यहां तोड़ने गई तो यहां मकान मालिक नसीमा बनो ने विरोध करना शुरू कर दिया। कहा कि उनके साथ अन्याय किया जा रहा है। आरोप लगाया कि उन्हें कोई नोटिस नहीं मिला है। कहा कि उन्हें जब नोटिस मिल जाएगा, उसके बाद ही वह मकान तोड़ने देंगी। यह वही मकान है, जिसे वीडीए की टीम ने चिह्नित किया थे। वीडीए ने महिला मकान मालिक से कहा कि कार्यालय आकर संपर्क करिए। पिछले दिनों वीडीए ने 12 मकानों को चिह्नित किया था, उसी में से यह एक मकान था। कार्रवाई के दौरान दालमंडी में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी, दोनों तरफसे बैरिकेडिंग कर रास्ता बंद कर दिया गया था। इस दौरान आगे का मार्केट खुला हुआ था और दालमंडी जाने वाले सभी गलियों में जाम की स्थिति थी। वीडीए के अफसरों ने बताया कि शनिवार को तीन मकान गिराए जाने थे लेकिन एक पर ही कार्रवाई हो सकी है। बाकी के दो मकानों पर रविवार को ध्वस्तीकरण की कार्रवाई होगी। भवन सीके 67/1 सईद इल्ले अली का मकान है। इसमें दस दुकानें हैं। यहां भवन स्वामी ने थोड़ा समय मांगा है, टीम ने उन्हें खाली करने का समय दे दिया है। इस दौरान एसीपी दशाश्वमेध और एसीपी कोतवाली के साथ पीएससी भी मौजूद रही।

नवजात बच्चे को बेचने की कोशिश मां समेत पांच के खिलाफ मामला दर्ज

मुबंई (वार्ता)। बीडीडीएस (बम निरोधक दस्ता) और डॉग स्क्वायड मौके पर पहुंचे। जांच के बाद पुलिस ने बताया कि कोई भी संदिग्ध सामान बरामद नहीं हुआ। दरअसल, अंबड़ पुलिस को सूचना मिली कि गोविंद नगर इलाके में जॉगिंग ट्रैक के पास मुख्य सड़क पर एक अज्ञात व्यक्ति थर्मोकोल के डिब्बे में कुछ सामान छोड़कर चला गया है। शक था कि डिब्बे में कुछ विस्फोटक है, जिसके बाद तुरंत बम निरोधक दस्ते को मौके पर पहुंचा। हालांकि, जांच के बाद उसमें कुछ नहीं मिला, जिससे सभी ने राहत की सांस ली। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार शनिवार (15 नवंबर) रात लगभग 9:30 बजे अंबड़ पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर गोविंद नगर के मुख्य मार्ग पर एक अज्ञात व्यक्ति थर्मोकोल के डिब्बे में कुछ बिजली का सामान छोड़कर गया है और कहा है कि उसमें बम हो सकता है, अंबड़ थाने पुलिस कुछ ही मिनटों में टीम के साथ वहां पहुंची।

अकासा और इंडिगो 25 दिसंबर से शुरू करेंगी नवी मुंबई से उड़ानें

मुंबई। अकासा और इंडिगो मुंबई से सटे नवी मुंबई के नए हवाई अड्डे से 25 दिसंबर से उड़ानें शुरू करेंगी। इंडिगो ने कहा, शुरुआत में 10 शहरों के लिए सेवा शुरू होगी। 19,650 करोड़ रुपये की लागत से बने 1,160 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले इस हवाई अड्डे के पहले चरण के दौरान एक टर्मिनल को परिचालन में लाया जाएगा। इसकी सालाना 2 करोड़ यात्रियों को सेवा देने की क्षमता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8 अक्तूबर को नए हवाई अड्डे का उदघाटन किया था। इंडिगो ने कहा, शुरू में दिल्ली, बंगलूरू, हैदराबाद, अहमदाबाद, लखनऊ, गोवा, जयपुर, नागपुर, कोचिन और मंगलोर के लिए सेवा शुरू करेगी।

महाराष्ट्र : पांच साल बाद मॉब लिंचिंग के तीन दोषियों को उम्रकैद

मुंबई। महाराष्ट्र में ठाणे की एक अदालत ने चोरी के संदेह में एक शख्स की पीट-पीटकर हत्या करने वाले तीन दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश वीजी मोहिते ने शुक्रवार को दोषी पाए गए रामतेज उर्फ गव्य राम यादव (29), अमरजीत उर्फ छब्बी बिंद्राप्रसाद गुप्ता (29) और चिराग उर्फ कल्या शोभनाथ ठाकुर (31) पर 10-10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया।तीनों को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या), 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना) और 504 (जानबूझकर अपमान करना) के तहत दोषी पाया। अदालत ने एक अन्य आरोपी शिवकुमार उर्फलाला बिंदर लोध को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया। दरअसल, छह मार्च 2021 के इस मामले में भाईंदर पूर्व के इंदिरा नगर इलाके में भीड़ ने चोरी के शक में 23 साल के सूरजभान ओमप्रकाश सोनी और विक्की उर्फअभिषेक सिंह पर हमला किया था। इस हमले में सोनी की मौत हो गई थी।

उद्धव ठाकरे 'बाल ठाकरे स्मारक ट्रस्ट' के अध्यक्ष नियुक्त

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने बालासाहेब ठाकरे राष्ट्रीय स्मारक सार्वजनिक ट्रस्ट का पुनर्गठन किया है। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को इस ट्रस्ट का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। शिवसेना के संस्थापक दिवंगत बाल ठाकरे का स्मारक मुंबई के दादर इलाके में शिवाजी पार्क स्थित महापौर बंगले में बनाया जा रहा है। सरकार ने शनिवार को एक अधिसूचना जारी कर बाल ठाकरे के बेटे उद्धव ठाकरे को चार अन्य सदस्यों के साथ ट्रस्ट में नियुक्त किया, जो स्मारक के निर्माण की देखरेख कर रहा है।सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी सरकारी प्रस्ताव (जीआर) के अनुसार, पूर्व मंत्री सुभाष देसाई को ट्रस्ट का सचिव नियुक्त किया गया है ।

अनिल चौहान बोले- नई तकनीक से भविष्य के युद्ध स्मार्ट होंगे

'तीनों सेनाओं के बीच बेहतरीन तालमेल'

नई दिल्ली (वार्ता)। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कहा कि सेना, नौसेना और वायुसेना में संयुक्तता बढ़ रही है, लेकिन सेवाओं की अलग पहचान बनी रहेगी। ऑपरेशन सिंदूर में तीनों सेनाओं ने शानदार तालमेल दिखाया। एमआरएसएएम और ब्रह्मोस जैसी तकनीक और साझा संसाधनों से भारत भविष्य के युद्धों में तेज और स्मार्ट रणनीतियों से बढ़त बनाएगा।

भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा कि सेना, नौसेना और वायुसेना में तेजी से बढ़ रही संयुक्तता के बावजूद तीनों सेवाओं की अलग पहचान बनी रहेगी। पहलगाम हमले के बाद हुए ऑपरेशन सिंदूर में दिखी बेहतरीन तालमेल का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि नई क्षमताएं, साझा संसाधन और तकनीक-आधारित तैयारी भारत को भविष्य के युद्धों में बढ़त दिलाएंगी, जहां जीत स्मार्ट और तेज रणनीतियों से तय होगी। बता दें कि सीडीएस चौहान ने ये बातें नई दिल्ली में 14-15 नवंबर को आयोजित इंडियन मिलिटरी हेरिटेज फेस्टिवल के एक सत्र के दौरान कही।

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर जनरल चौहान ने कहा कि हाल ही में हुई ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तीनों सेनाओं के बीच बेहतरीन तालमेल देखने को मिला। उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल से 7 मई के बीच कई महत्वपूर्ण सैन्य संसाधनों को पश्चिमी सीमा की ओर शिफ्ट करना पड़ा और यह काम बेहद सहज तरीके से, सिर्फएक स्टार रैंक के अधिकारी स्तर पर ही पूरा हो गया।

भविष्य की तैयारी पर क्या बोले जनरल चौहान

भविष्य की तैयारी पर चर्चा करते हुए सीडीएस ने कहा कि थियेटर कमांड्स बनने पर संयुक्त हेडक्वॉर्टर में स्टाफभी संयुक्त रूप से प्रशिक्षित किया जाएगा, ताकि एक 'जॉइंट कल्चर' विकसित हो सके। उन्होंने युद्ध के बदलते स्वरूप पर भी बात की और कहा कि मानव भूगोल को समझना उतना ही आवश्यक है जितना भौगोलिक भूगोल, खासकर आतंकवाद और उग्रवाद से निपटने में।सीडीएस के मुताबिक भावी युद्ध में जीत उन्हीं की होगी जो नए क्षेत्रों, जैसे अंतरिक्ष और तकनीकी डोमेन में असमानताएं पैदा कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि पारंपरिक युद्ध हमेशा कठिन और ज्यादा नुकसान वाला होगा, जबकि नए क्षेत्रों में युद्ध तेज, स्मार्ट और तकनीक आधारित होगा।

जनरल चौहान ने इस बात का किया खुलासा

सीडीएस ने बताया कि तीनों सेनाओं में समान उपकरणों, जैसे एमआरएसएएम और ब्रह्मोस का इस्तेमाल बढ़ रहा है, जिससे इंटीग्रेशन आसान होता जा रहा है। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि इन हालिया हमलों में भारतीय नौसेना ने भी हिस्सा लिया और अपने पीएएलएम-400 व पीएएलएम-120 जैसे लंबी दूरी वाले घूमते हुए गोला-बारूद का इस्तेमाल किया। दिलचस्प बात यह रही कि यह क्षमता सेना और वायुसेना को पहले पता नहीं थी, लेकिन इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ(आईडीएस) के पास यह जानकारी थी।

100 करोड़ में प्रतिबंधित कफसिरप की 89 लाख शीशी खरीदी-बेची

■ **काशी के 28 दवा कारोबारियों पर मामला दर्ज**

वाराणसी।(वार्ता)। वाराणसी के कोतवाली में दो दर्जन से ज्यादा लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के साथ ही कार्रवाई शुरू कर दी गई है। फर्जी बिल का उपयोग कर नशे वाली कफ सिरप की खरीद-बिक्री की गई है।

उत्तर प्रदेश खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने शनिवार को कोडीन युक्त प्रतिबंधित कफ सिरप और नॉरकोटिक्स (एनआरएक्स) की श्रेणी में शामिल औषधियों के अवैध कारोबार का भंडाफोड़ किया है। अंतरराज्यीय गिरोह के सरगना शुभम जायसवाल और उसके पिता भोला जायसवाल सहित काशी के 28 दवा कारोबारियों के खिलाफकोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया गया।

आरोप है कि 100 करोड़ की 89 लाख शीशी प्रतिबंधित कफसिरप खरीदी और बेची गई। काशी के ही 93 मेडिकल स्टोर के

नाम पर 84 लाख शीशी प्रतिबंधित कप सिरफखरीदी-बेची गई है। जिस मेडिकल स्टोर के नाम पर कारोबार दिखाया गया उनमें से ज्यादातर मौके पर नहीं मिले। इससे फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त की तरफ से संगठित अपराध में संलिप्त ऐबट हेल्थकेयर के सुपर स्टॉकिस्ट मेसर्स शैली ट्रेडर्स, रांची (झारखंड) के खिलाफभी मामला दर्ज कराया है। यह कंपनी काशी की है लेकिन फर्जी नाम और पते के सहारे अलग-अलग राज्य-शहरों में चलाई जा रही है।

पुलिस ने की कार्रवाई

थाने में दर्ज केस के मुताबिक, शैली ट्रेडर्स ने 2023 से 2025 के बीच ऐबट हेल्थकेयर से प्रतिबंधित कफसिरप खरीदा और बेचा है। इस गिरोह की कमान शैली ट्रेडर्स के प्रोपराइटर मैदागिन निवासी भोला जायसवाल के बेटे शुभम जायसवाल के हाथ में थी। शुभम के खिलाफ गाजियाबाद में केस दर्ज कराया गया था। वह विदेश भाग चुका है। अब गाजियाबाद की पुलिस लुकआउट नोटिस जारी कराने की तैयारी में है।

दो कंपनी में काम करते मिला शुभमप्रदेश भर में कफ सिरप की खेप बरामदगी के बाद खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की आयुक्त रोशन जैकब ने वाराणसी में कार्रवाई की। उनके नेतृत्व में गठित सहायक आयुक्त (औषधि) अखिलेश कुमार जैन, औषधि निरीक्षक सीमा सिंह, वैभव बब्बर और पूर्वी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों के 10 अन्य औषधि निरीक्षकों की टीम ने 12 से 14 नवंबर के बीच जांच की। आयुक्त के मुताबिक, शुभम जायसवाल एक ही अवधि में मेसर्स शैली ट्रेडर्स रांची और मेसर्स न्यू वृद्धि फार्मा वाराणसी में काम करते मिला जो लाइसेंसिंग नियमों का गंभीर उल्लंघन है। स्थानीय लोगों की मिलीभगत से शैली ट्रेडर्स के प्रोपराइटर भोला प्रसाद और शुभम जायसवाल वाराणसी के मैदागिन निवासी हैं।

बंद फर्मों को बेचा कफसिरप

जांच में सामने आया कि नौ बंद फर्मों को कफ सिरप बेचा गया। इनमें मेसर्स सृष्टि फार्मा, जीटी इंटरप्राइजेज, शिवम फार्मा, हर्ष फार्मा, डीएसए फार्मा, महाकाल मेडिकल स्टोर, निशांत फार्मा, वीपीएम. मेडिकल एजेंसी और श्री बालाजी मेडिकल के नाम शामिल हैं।

बच्चियों ने वर्कशॉप की कमाई बाढ़ पीड़ितों को दान की

■ **सीएम भगवंत मान ने की सराहना**

चंडीगढ़ (वार्ता)। एक ऐसी उम्र जिसमें जहां बच्चे खिलौनों और मिठाइयों के सपने देखते है, अमृतसर की दो छोटी बच्चियों ने अलग सपने देखने का फैसला किया। सिर्फ7 साल की मोक्ष सोई और 6 साल की श्रीनिका शर्मा ने जन्मदिन के तोहफे या नई गुड़िया नहीं मांगीं। इसके बजाय, उनके छोटे-छोटे हाथों ने क्रोशिया की सुइयों से अथक मेहनत की, धागे ही नहीं बल्कि उम्मीद बुनी। उनकी प्रदर्शनी का नाम था क्रोशिए ऑफ काइंडनेस (दयालुता की बुनाई)। यह कला दिखाने के लिए नहीं थी, बल्कि इंसानियत दिखाने के लिए थी। उनके द्वारा बनाई गई हर रंगीन चीज में उनके मासूम दिलों की गर्माहट थी। और जब प्रदर्शनी खत्म हुई, तो इन दोनों फरिश्तों ने कुछ ऐसा किया जो बड़ों को भी एहसास करवा गया के समाज को ऐसी संवेदना की बहुत जरूरत है। उन्होंने पंजाब की बाढ़ पीड़ितों के लिए अपनी कमाई का एक-एक पैसा दान कर दिया। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इन अद्भुत बच्चियों से मुलाकात की और उनकी आंखों में वो खुशी दिखी की जो वो अपने लोगों को समझाना चाहते है लोग उसे समझ रहे है। उन्होंने इनके निस्वार्थ कदम की सराहना करते हुए कहा कि ये पंजाब की असली भावना की दूत है। उन्होंने कहा, जब इतने छोटे बच्चे दूसरों का दर्द समझते है और कुछ करते है, तो वे हमें सिखाते है कि इंसान होने का मतलब क्या है। उन्होंने कहा और दोनों बच्चियों को आशीर्वाद दिया। यह दिल छू लेने वाला काम मिशन चढ़दीकला का हिस्सा है। पंजाब का फिर से उठने का संकल्प, भयंकर बाढ़ के बाद जिसने हजारों लोगों को बेघर और दुखी कर दिया। जब बड़े लोग बहस और देरी में लगे थे, मोक्ष और श्रीनिका ने बस काम किया। उन्होंने दुख देखा और प्यार से जवाब दिया। जिस उम्र में ज्यादातर बच्चे नुकसान को समझ भी नहीं पाते, इन दोनों ने वह सब समझ लिया जो मायने रखता है।

ईडी ने ड्रग तस्करी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में 110 'म्यूल' बैंक खाते किए फ्रीज

नई दिल्ली (वार्ता)। प्रवर्तन निदेशालय की तरफ से दिल्ली में ड्रग तस्करी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में बड़ी कार्रवाई करते हुए 110 'म्यूल' बैंक खातों को फ्रीज किया है और करीब 70 लाख रुपये नकद जब्त किए हैं। ईडी ने यह कदम एनसीबी की उस शिकायत के आधार पर उठाया, जिसमें नवंबर 2024 में 82.53 किलो 'हाई-ग्रेड' कोकीन की बरामदगी का मामला दर्ज किया गया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली में ड्रग तस्करी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में बड़ी कार्रवाई करते हुए 110 'म्यूल' बैंक खातों को फ्रीज कर दिया है और करीब 70 लाख रुपये नकद जब्त किए हैं। एजेंसी को तलाशी के दौरान दुबई-आधारित क्रिप्टोकरंसी वॉलेट के उपयोग के सबूत भी मिले।

क्या होते हैं 'म्यूल' खाते?

ये वे बैंक खाते होते हैं जिनका इस्तेमाल अवैध पैसों को इधर-उधर करने के लिए किया जाता है। अक्सर इन्हें असली कस्टमर आईडी का दुरुपयोग करके या नकली पहचान के सहारे खोला जाता है।

किस मामले में हुई कार्रवाई?

ईडी ने यह कदम नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की उस शिकायत के आधार पर उठाया, जिसमें नवंबर 2024 में 82.53 किलो 'हाई-ग्रेड' कोकीन की बरामदगी का मामला दर्ज किया गया था। इस ड्रग की अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब 900 करोड़ रुपये आंकी गई थी। एनसीबी ने इस मामले में पहले ही पांच लोगों को गिरफ्तार कर रखा है।

कहां-कहां छापेमारी और क्या मिला छापों में?

ईडी ने 14 नवंबर को दिल्ली-एनसीआर और जयपुर में कुल पांच जगहों पर तलाशी ली। इस दौरान 110 'म्यूल' बैंक खाते फ्रीज (इनमें 73 [illegible] और डिजिटल वॉलेट से जुड़े खाते शामिल), 70 लाख रुपये नकद, कई डिजिटल डिवाइस और दस्तावेज, दुबई आधारित क्रिप्टो वॉलेट के जरिए धन भेजने के सबूत हैं। इसके साथ ही ऑनलाइन बेटिंग और जुआ नेटवर्क का खुलासा, जो मोबाइल ऐप के जरिये चल रहा था।

इस कार्रवाई पर प्रवर्तन निदेशालय का कहना है कि इन खातों और डिजिटल वॉलेट का इस्तेमाल ऑनलाइन सट्टेबाजी से जुड़े लेन-देन और ड्रग नेटवर्क की कमाई को छिपाने के लिए किया जा रहा था।

'जलवायु जिम्मेदारी निभातेहुए विकास कर रहा भारत'

नई दिल्ली (वार्ता)। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि भारत ने ये दिखाया है कि आर्थिक विकास और सामाजिक समावेश एक साथ आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि समतापूर्ण विश्व बनाने के लिए दुनिया को भारत से सीखने की जरूरत है। यूएनडीपी के कार्यवाहक प्रशासक हाओलियांग शू ने कहा कि भारत के विकास की कहानी न केवल आर्थिक प्रगति के बारे में नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करने के लिए भी है कि प्रौद्योगिकी और सहभागी शासन साथ-साथ चल सकते हैं।

'दुनिया को भारत से सीखने की जरूरत'-शू ने कहा कि जलवायु अनुकूलन, नवीकरणीय ऊर्जा और समावेशी डिजिटल वित्त के प्रति भारत की प्रतिबद्धता विकास और स्थिरता के बीच संतुलन बनाने का एक उदाहरण पेश करती है। उन्होंने कहा कि भारत इस तरह विकास कर रहा है जो आर्थिक रूप से मजबूद्य और जलवायु-उत्तरदायी दोनों हों। डिजिटलीकरण और जलवायु कार्रवाई सहित सहयोग के नए क्षेत्रों को मजबूत करने और उनकी पहचान करने के लिए हाओलियांग शू भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर आए हुए हैं।

भारत ने तेज विकास को गरीब वर्ग से जोड़ा-

यूएनडीपी के नवीनतम मानव विकास सूचकांक से पता चलता है कि मानव विकास में वैश्विक प्रगति 35 वर्षों के निचले स्तर पर आ गई है और पिछले दो वर्षों से यह लगभग स्थिर है। शू ने जलवायु परिवर्तन और गरीबी सहित विभिन्न चुनौतियों से निपटने के लिए भारत के विकास मॉडल की सराहना की। यूएनडीपी प्रमुख ने कहा कि भारत ने दिखाया है कि तेज विकास को लोगों, विशेष रूप से ऐतिहासिक रूप से पिछड़े लोगों में सोच-समझकर किए गए निवेश से जोड़ा जा सकता है।

भारत सरकार की इन योजनाओं को सराहा-

शू ने खासकर भारत के प्रमुख कार्यक्रमों जैसे मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) और आयुष्मान भारत का उल्लेख किया और कहा कि ये कार्यक्रम आजीविका सुरक्षा को सामाजिक सुरक्षा के साथ जोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और वित्तीय समावेशन प्लेटफार्मों, जिनमें जन धन, आधार, मोबाइल ([illegible]) ट्रिनिटी और [illegible] (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) शामिल हैं, ने करोड़ों लोगों तक पारदर्शी और सीधे लाभ पहुंचाने में मदद की है, और ऐसे उदाहरण पेश किए हैं जिनका अब कई देश अनुसरण कर रहे हैं।

सोनभद्र में ड्रिलिंग...धंसी पत्थर खदान, एक मजदूर की मौत

■ **15 के दबे होने की आशंका; सपाजनों को पुलिस ने रोका**

सोनभद्र(वार्ता)। सीएम योगी एक कार्यक्रम से निकले। उनके जाने के आधे घंटे बाद बिल्ली मारकुंडी खनन क्षेत्र में ड्रिलिंग से मलबा धसक गया। यहां रविवार की सुबह आने वाले सपा नेताओं को पुलिस ने आगे जाने से रोक दिया। ओबरा थाना क्षेत्र के बिल्ली मारकुंडी खनन क्षेत्र में शनिवार की दोपहर बाद ड्रिलिंग के दौरान पत्थर खदान धसक गई। इस हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई और 15 श्रमिकों के फंसे होने की खबर है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफकी टीमें मौके पर हैं। एक शव बरामद कर लिया गया है। बचाव कार्य जारी है।

परसाई ग्राम पंचायत के टोला अमिरिनिया निवासी राजू सिंह गोंड (28) पुत्र त्रिवेणी सिंह गोंड का शव रात दो बजे बरामद हुआ। बाकी तलाश जारी है। उसके जेब से मिले मोबाइल से संपर्क किया गया तो भाई सोनू सिंह ने मृतक की पहचान की। ओबरा थाने में केस दर्ज कर लिया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक 15 से अधिक लोग मौके पर काम कर रहे थे। हादसे के वक्त खदान में नौ कंप्रेशर मशीनों से ब्लास्टिंग के लिए होल किया जा रहा था।

घटना तब हुई, जब चंद किमी दूरी पर ही मुख्यमंत्री का कार्यक्रम आयोजित था। उनके लौटने के महज आधे घंटे बाद ही हादसे से खलबली मच गई। सूचना पर डीएम, एसपी सहित अन्य अफसर मौके पर पहुंचे। मलबे में दबे लोगों को बाहर निकालने के लिए एसडीआरएफ की टीम बुलाई गई है। हादसे में दो मजदूरों के मौत की भी चर्चा रही। हालांकि, इसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई। मुख्यमंत्री के आगमन के मद्देनजर हुए खनन क्षेत्र में शनिवार को ब्लास्टिंग बंद था। इसे देखते हुए राजकीय पीजी कॉलेज ओबरा के पास मेसर्स कृष्णा माइनिंग के नाम से आवंटित खदान में ब्लास्टिंग के लिए होल बनाने का कार्य जारी था।

दौड़े-दौड़े पहुंचे परिजन

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, इस काम में नौ कंप्रेशर मशीनें और 18 से अधिक मजदूर लगे हुए थे। बताया जा रहा है कि दोपहर ढाई बजे के करीब अचानक से एक तरफ की दीवार धसक गई। इससे मलबा करीब डेढ़ सौ फीट नीचे गिरा। कई मजदूर इसकी चपेट में आ गए। घटना से अफरा-तफरी मच गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे। आनन-फानन पास की अल्ट्राटेक, ओबरा व अन्य परियोजनाओं के राहत दल की मदद से बचाव कार्य शुरू किया।

25 लाख रुपये की जबरन वसूली की कोशिश में दो गिरफ्तार

मुंबई। पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन पर कथित तौर पर पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता बनकर महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक संयुक्त उप-पंजीयक को धमकाने और उनसे 25 लाख रुपये की जबरन वसूली की कोशिश करने का आरोप है। पीड़ित के अनुसार, तीन लोगों ने उसके वरिष्ठ अधिकारियों से उसके खिलाफ अपमानजनक शिकायतें कीं, मीडिया में उसके बारे में गलत जानकारी फैलाई और 25 लाख रुपये न देने पर उसे निलंबित करवाने की धमकी दी। पीड़ित की शिकायत के आधार पर, पुलिस के जबरन वसूली विरोधी दस्ते ने जाल बिछाया और शुक्रवार को कलवा इलाके में एक रेस्टोरेंट के पास से एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पत्नी का पति को शारीरिक संबंध बनाने से रोकना मानसिक क्रूरता

■ **बिलासपुर हाईकोर्ट ने मंजूर की तलाक की अपील**

रायपुर/ नवप्रदेश। हाईकोर्ट ने तलाक से जुड़े अपने महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि पत्नी का पति को शारीरिक संबंध बनाने से रोकना मानसिक क्रूरता है। मामले में हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के आदेश को खारिज करते हुए पति की अपील पर तलाक मंजूर कर लिया है। जस्टिस रजनी दुबे और जस्टिस ए के प्रसाद के डिवीजन बेंच ने अपने फैसले में कहा कि 11 साल लंबे अलगाव और पत्नी की शारीरिक संबंध के लिए अनिच्छा मानसिक क्रूरता मानी जाएगी। मामले में पति को अपनी पत्नी को दो महीने के अंदर 20 लाख रुपए स्थायी गुजारा भत्ता देना होगा।

दरअसल, अंबिकापुर के रहने वाले 45 साल वर्षीय व्यक्ति की शादी 30 मई 2009 को रायपुर की रहने वाली महिला के साथ हिंदू रीति- रिवाजों से हुई थी। पति का आरोप है कि उसकी पत्नी शादी के एक महीने बाद ही उसे छोड़कर मायके चली गई। जिस पर उन्होंने फैमिली कोर्ट में हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13(1)(आई-ए) के तहत तलाक की मांग करते हुए आवेदन प्रस्तुत किया।

पति ने बताया कि 2013 में अंबिकापुर में उसकी पत्नी कुछ दिन साथ रही। लेकिन शारीरिक संबंध बनाने से मना करती रही। महिला ने अपने पति को यह भी धमकी दी कि वो शारीरिक संबंध बनाएगा तो सुसाइड कर लेगी। पत्नी मई 2014 से मायके में रह रही है, और पति के लगातार प्रयासों के बावजूद वापस नहीं लौटी। केस दर्ज होने के बाद भी उसने कभी अपने पति से संपर्क नहीं किया। इसके साथ ही परिवार के किसी खुशी या दुख के अवसर पर शामिल नहीं हुई।

वहीं पत्नी ने अपने पति के आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि उसके पति एक साध्वी के भक्त हैं, और योग साधना में लीन रहने के कारण वैवाहिक संबंधों में रुचि नहीं रखते थे। उसने आरोप लगाया कि पति बच्चे नहीं चाहते थे। उन्होंने पति पर मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। पत्नी ने पहले वैवाहिक अधिकारों की बहाली के लिए अर्जी भी लगाई, लेकिन बाद में उसे वापस ले लिया।

दोनों पक्षों को सुनने के बाद फैमिली कोर्ट ने पति की अर्जी को खारिज कर दी। जिसके बाद पति ने फैमिली कोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में अपील की, जिसमें उन्होंने बताया कि फैमिली कोर्ट ने उनके तर्कों को सुने बगैर ही तलाक की अर्जी को खारिज किया है। साथ ही कहा कि वैवाहिक जीवन जीने के लिए पत्नी का साथ होना जरूरी है।मामले में हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों के बयान और रिकॉर्ड को देखते हुए पाया कि पति-पत्नी 11 साल से अलग रह रहे हैं। पत्नी ने क्रॉस एग्जामिनेशन में खुद स्वीकार किया कि वह अब पति के साथ वैवाहिक जीवन जारी नहीं रखना चाहती। कोर्ट ने कहा कि इतने लंबे अलगाव और संबंधों में लौटने से स्पष्ट इनकार को मानसिक क्रूरता माना जाएगा। मामले में दोनों पक्षों को सुनने के बाद डिवीजन बेंच ने पति की तलाक की अपील को स्वीकार कर ली है।

आरी डोंगरी में गोदवरी इस्पात को माइंस दिए जाने पर विवाद

■ **ग्रामीणों ने किया था चक्काजाम**

रायपुर/नवप्रदेश। आरी डोंगरी स्थित गोदावरी आयरन माइंस को अब विवाद शुरू हो गया है। यहां पिछले दिनों चक्काजाम के बाद प्रशासन और ग्रामीणों के बीच छह बिंदुओं पर सहमति बनी है। ग्रामीणों ने गोदावरी इस्पात लिमिटेड की प्रस्तावित जनसुनवाई को रद्द करने और स्थानीय हितों को प्राथमिकता देने की मांग को लेकर आंदोलन छेड़ दिया है। इसमें ग्रामीणों की प्रमुख मांग थी कि जनसुनवाई में स्थानीय लोगों की राय को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए और खदान संचालन से जुड़ी नीतियों में पारदर्शिता रखी जाए।

प्रशासन ने दिया लिखित भरोसा

सहमति पत्र में प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि- एक सप्ताह के भीतर 15 किमी दायरे के सभी प्रभावित गांवों की सूची जारी की जाएगी। पिछले 16 वर्षों में डीएमएफऔर सीएसआर मद से किए गए कार्यों की विस्तृत जानकारी ग्रामीणों को उपलब्ध कराई जाएगी। जनसुनवाई में स्थानीय हितों और राय को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। इसके अलावा खदान संचालन से जुड़ी नीतियों में पूर्ण पारदर्शिता रखी जाएगी। इस मामले में प्रदेश कांग्रेस के संयुक्त सचिव पं उमाशंकर शुक्ला, बस्तर जिला पत्रकार संघ के पूर्व सचिव सतीश तिवारी के अलावा आंदोलन स्थल पर जनपद अध्यक्ष सुना राम तेता, आदिवासी नेता कोमल हुपेंडी, शिवसेना के प्रदेश महासचिव चंद्रमौली मिश्रा, सरपंच रमल कोर्राम, हरेश चक्रधारी, जनपद सदस्य विष्णु कचलाम, शेखर यदु, अनु नरेटी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

छह बिंदुओं पर बनी सहमति

1. जनसुनवाई में स्थानीय हित सर्वोपरि
2. पर्यावरण सुरक्षा के ठोस प्रावधान
3. स्थानीय युवाओं को रोजगार
4. न्यायसंगत विस्थापन नीति
5. डीएमएफ और सीएसआर फंड का पारदर्शी उपयोग
6. प्रभावित गांवों की स्पष्ट सूची जारी करना

अब वादों के पालन पर निगाह

16 नवंबर को हाईवे पूरी तरह खुल गया है और क्षेत्र में शांति लौट आई है। हालांकि ग्रामीणों का कहना है कि वे प्रशासनिक आश्वासनों के पालन पर नजर रखेंगे और आवश्यकता पड़ी तो फिर आंदोलन किया जाएगा।

अमित जोगी ने 1.5 लाख करोड़ के वित्तीय घोटाले का लगाया आरोप

■ **अडानी-मित्तल की एंट्री, नगरनर प्लांट के निजीकरण की तैयारी**

रायपुर/नवप्रदेश। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी ने कर छत्तीसगढ़ में 1.5 लाख करोड़ रुपये के कथित वित्तीय घोटाले का आरोप लगाते हुए खुलासा किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के संसाधनों को लूटने के लिए तीन राज्यों, तीन केंद्रीय मंत्रालयों और कॉर्पोरेट कंपनी अर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील के बीच एक बड़ी साजिश रची गई है।

जोगी ने कहा कि यह छत्तीसगढ़ के इतिहास का सबसे बड़ा वित्तीय घोटाला है, जिसके तहत 1.5 लाख करोड़ रुपये की सार्वजनिक संपत्ति को निजी हाथों में सौंपने की तैयारी की जा रही है।

अमित जोगी के अनुसार, इस साजिश की शुरुआत 7 फरवरी 2020 को हुई, जब छत्तीसगढ़ सरकार ने एनएमडीसी को महज 27.69 करोड़ रुपये में 1,845.80 एकड़ जमीन बेच दी। इसके बाद 2022 में बैलाडिला-4 और बैलाडिला-5 लौह अयस्क खदानें अर्सेलरमित्तल को आवंटित की गईं।उन्होंने बताया कि 3 अक्टूबर 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नगरनार में सार्वजनिक मंच से कहा था कि प्लांट का निजीकरण नहीं होगा, लेकिन 29 अक्टूबर 2025 की एनएमडीसी स्टील की वार्षिक रिपोर्ट में विनिवेश जारी की पुष्टि कर दी गई। जोगी ने कहा कि 7 नवंबर 2025 को इस्पात मंत्रालय ने किरंदुल-अनकापल्ली स्लरी पाइपलाइन को मंजूरी दी और 9 नवंबर को तीन राज्यों में भूमि अधिग्रहण की अधिसूचना जारी कर दी गई।

वित्तीय हेराफेरी के आरोप

अमित जोगी ने दावा किया कि वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में नगरनार स्टील प्लांट को 26 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था, लेकिन अर्सेलरमित्तल डील के बाद दूसरी तिमाही में रहस्यमय घाटा दिखाया गया। उन्होंने 120 करोड़ रुपये के कोयला आयात घोटाले का भी आरोप लगाया, जिसमें छत्तीसगढ़ में पर्याप्त कोयला भंडार होने के बावजूद एक गैर-मौजूद अमेरिकी कंपनी को अनुबंध दिया गया।

हिस्सेदारी में हेराफेरी का आरोप

एनएमडीसी की वर्तमान हिस्सेदारी 60.79त्न और अन्य संस्थानों की 39.21 प्रतिशत बताई गई है।

गांजा तस्करों को 10 साल का कारावास

रायपुर/नवप्रदेश। 21 किलो मादक पदार्थ गांजा के साथ गिरफ्तार तीन गांजा तस्करों को आरोप सिद्ध होने पर रायपुर के विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट ने 10-10 साल कठोर कारावास और एक-एक लाख रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड भुगतान न करने पर दो-दो साल अतिरिक्त कठोर सजा का प्रावधान है। यह मामला आमानाका थाना क्षेत्र का है। इस मामले में 15 नवंबर, शनिवार को अंतिम सुनवाई विशेष न्यायाधीश पंकज कुमार सिन्हा की कोर्ट में पूर्ण हुई। विशेष लोक अभियोजक केके चन्द्राकर ने कोर्ट को बताया कि 17 दिसंबर 2020 को पुलिस ने टाटीबंध स्थित मुर्गन ट्रांसपोर्ट के सामने तीन अभियुक्तों सूर्यकांत नाग को 11 किलो, उमेश मनहीरा और धीरेन्द्र मिश्रा को 5-5 किलो मादक पदार्थ गांजा के साथ गिरफ्तार किया था। तीनों लंबे समय से गांजा तस्करी में सक्रिय थे। वे सरायपाली से गांजा लेकर दुर्ग की ओर जा रहे थे। एक दिन पूर्व ही मुखबिर ने पुलिस को सूचित कर दिया था। अभियोजक ने कोर्ट से निवेदन किया कि गांजा से युवाओं में नशा के प्रति लत बढ़ेगी। आरोपियों ने गंभीर अपराध किया है, उनको अधिकतम दंड से दंडित किया जाए। बचाव पक्ष के वकील ने पहली गलती और 29 और 36 वर्ष उम्र का जिक्र करते हुए उदारता बरतने का निवेदन किया।

एसआईआर की निगरानी करने भाजपा ने भी बनाई समिति

रायपुर/नवप्रदेश। एसआईआर पर निगरानी के लिए रायपुर शहर भाजपा ने समिति गठित कर दी है। राजधानी के चारों विधानसभा क्षेत्र में प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। साथ ही मंडल स्तर पर भी पदाधिकारी नियुक्त किये गये हैं। प्रदेश संगठन की अनुमति के बाद रायपुर शहर जिला भाजपा अध्यक्ष रमेश ठाकुर ने नियुक्ति आदेश जारी कर दिए हैं। इसके तहत रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में नलनीश ठोकने, गुंजन प्रजापति एवं सतीश छुगानी। रायपुर दक्षिण विधानसभा में बृजेशनाथ पांडे एवं ललित जैसिंध। रायपुर पश्चिम विधानसभा में ओंकार बैस, अमित मैशेरी। रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में लीलाधर चंद्राकर एवं जितेन्द्र धुरंधर को प्रभारी बनाया गया है।राजधानी के सभी मंडलों में पदाधिकारी नियुक्त किए गए हैं। इनमें गुढ़ियारी में गोपी साहू, श्रीनिवास राव, ताल्यापारा में सत्यम दुआ, रोहित द्विवेदी, रामनगर में पवन शर्मा, नवीन केशरवानी, टाटीबंध में बजरंग खंडेलवाल, नवीन सिंह, डीडी नगर में श्रद्धा मिश्रा, अनिल सोनकर शामिल हैं। शंकर नगर में अर्चना हुकरे, अनिल बाग, जवाहर नगर में सुभाष अग्रवाल, अनूप खेलकर, फाफाडीह में तुषार चोपड़ा, गोरेलाल नायक, तेलीबांधा में चैतराम अग्रवाल, सौरभ मिश्रा शामिल हैं। लाखे नगर में महेश शर्मा, अनिता देवांगन, पुरानी बस्ती में चूनामणि, आशीष धनगर, सिविल लाइन में मुकेश पंजवानी, राजेश जैन, भाठागांव में पिंटा यादव, लक्ष्मण चौहान, सदर बाजार में विनय ओझा, भूपेन्द्र डागा शामिल हैं। माना में रविन्द्र ठाकुर, श्यामा चक्रवर्ती, मोवा में सरोज साहू, ओमप्रकाश साहू, भनपुरी में विकास मिश्रा, सुरेश पटेल, मां बंजारी में गौतम साहू, संजय तिवारी, ग्रामीण में हरिओम साहू, खेमराज बाकरे शामिल हैं।

एनआरआई कोटे से बची सीटें अब कहलाएगी 'मैनेजमैंट कोटा'

रायपुर/नवप्रदेश। मॉप राउंड के पश्चात एन आर आई कोटा की केवल 107 सीटें भरी गई। एन आर आई कोटे की रिक्त 26 सीटों का परिवर्तन स्ट्रे राउंड के सीट मैट्रिक्स बनाने के समय ही प्रवेश नियमों के अनुसार (प्रवेश की अंतिम तिथि से दस दिन पूर्व) ओपन सीटों (मैनेजमेंट) में किया गया अतः इन सीटों पर मैनेजमेंट कोटा के छात्रों को स्ट्रे राउंड में आवंटन दिया गया। जिससे मैनेजमेंट कोटा के छात्रों को 26 सीटों का लाभ हुआ। हाल ही में राज्य के नियमों एवं एमसीसी द्वारा निर्धारित समय सारणी के अनुसार स्ट्रे राउंड का आवंटन दिनांक 14 नवम्बर को जारी किया गया। दिनांक 15 नवम्बर को जैसे ही एमसीसी ने ऑल इंडिया से आवंटित छात्रों को स्टेट की लिस्ट में से हटाने का नोटिस जारी किया,तुरंत ही इसके परिपालन में आवंटन निरस्त करते हुए नई सूची शीघ्र जारी करने की सूचना प्रकाशित की गई एवं कुछ ही घंटों के पश्चात रात दस बजे नई मेरिट सूची एवं आवंटन सूची जारी की गई जिससे कि ऑल इंडिया एवं एवं राज्य के आवंटन में ओवरलैप न हो एवं राज्य की सीटों का नुकसान न हो।

इंदौर मॉडल पर होगी राजधानी की सफाई, खर्च होंगे 7.90 करोड़

■ **लगभग 300 कर्मियों की होगी नियुक्ति**

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी की सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए नगर निगम ने बड़ा कदम उठाया है। महापौर श्रीमती मीनल चौबे द्वारा सफाई व्यवस्था के भौतिक सत्यापन के बाद ही एजेंसी को भुगतान के निर्देश दिए जाने के बाद अब इंदौर मॉडल पर आधारित सफाई मॉनिटरिंग सिस्टम को लागू करने की प्रक्रिया तेज हो गई है। हाल ही में सामान्य सभा ने इसके लिए 7 करोड़ 90 लाख रुपये के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

इस मॉडल को पहले एक वर्ष के पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया जाएगा, जिसके तहत लगभग 300 अधिकारी-कर्मचारियों की नियुक्ति की जाएगी। महापौर ने पिछले सप्ताह से जोनवार समीक्षा बैठकें भी शुरू कर दी हैं, जिनमें पार्षदों ने डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण को लेकर कई शिकायतें दर्ज कराईं। इसके बाद महापौर ने कचरा संग्रहण और प्रोसेसिंग के लिए अनुबंधित कंपनी को व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं।

इंदौर की तर्ज पर होगी नई टीम की तैनाती

पायलट प्रोजेक्ट के अंतर्गत 244 कचरा संग्रहण वाहनों के साथ उतने ही निरीक्षण प्रभारी नियुक्त होंगे। इसके अलावा दो वार्डों पर एक प्रभारी के मान से 35 वार्ड प्रभारी, 10 जोनल प्रभारी, पूरे शहर के लिए एक सिटी मैनेजर तथा 12 दस्तावेज़ीकरण कर्मचारी एनजीओ के माध्यम से नियुक्त किए जाएंगे। इन सभी का वेतन जिला प्रशासन द्वारा तय कलेक्टर दर पर दिया जाएगा।महापौर ने यह भी निर्देश दिए हैं कि कचरा संग्रहण करने वाली कंपनी नागरिकों के लिए टोल-फ्री नंबर जारी करे, ताकि वाहन समय पर नहीं आने जैसी समस्याओं की शिकायत सीधे दर्ज हो सके।

घर-घर निगरानी से मजबूत होगा कचरा प्रबंधन सिस्टम

इंदौर मॉडल के तहत डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन की मॉनिटरिंग एनजीओ के द्वारा की जाएगी। इसके तहत एनजीओ के सदस्य घरों तक जाकर यह जांच करेंगे कि कचरा गाड़ियां निर्धारित समय पर पहुंच रही हैं या नहीं, तय मार्ग पर कलेक्शन हो रहा है या नहीं, और क्या नागरिकों से गीला तथा सूखा कचरा अलग-अलग लेकर देने का आग्रह किया जा रहा है। इन सभी बिंदुओं की रिपोर्ट तैयार कर निगम को सौंपी जाएगी ताकि कचरा प्रबंधन तंत्र और मजबूत हो सके।चूंकि काम एनजीओ के माध्यम से होगा, इसलिए उन्हें 15 प्रतिशत लाभांश के रूप में 8 लाख 59 हजार रुपये प्रदान किए जाएंगे। महापौर ने स्पष्ट कहा कि इस व्यवस्था के सफल होने के लिए नागरिकों का सहयोग बेहद जरूरी है।

अमित बघेल और उनके करीबियों के घर फिर पुलिस ने दी दबिश

■ **क्रांति सेना प्रमुख की तलाश हुई तेज**

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के अध्यक्ष और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के प्रमुख अमित बघेल की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। विवादित बयानों के चलते फरार चल रहे अमित बघेल की गिरफ्तारी के लिए रायपुर पुलिस ने कमर कस ली है। पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। वहीं एक बार फिर अमित बघेल के घर और उनके करीबियों के घर में पुलिस ने रात में दबिश दी है।

अमित बघेल के करीबियों के घर पुलिस की दबिश

पुलिस ने छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना प्रमुख अमित बघेल के करीबियों के घर पर दबिश दी। वहीं क्रांति सेना के प्रमुख अमित बघेल की तलाशी के लिए पुलिस की कई टीम लगी हुई है। इतना ही नहीं पुलिस ने अमित बघेल को भगोड़ा घोषित करते हुए जानकारी देने वाले पर 5000 रुपए का इनाम घोषित कर दिया है।

क्या है पूरा विवाद?

हाल ही में छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति टूटने की घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए 20 अक्टूबर को छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के प्रमुख अमित बघेल ने एक बयान दिया था। अमित बघेल ने सिंधी हिंदू समाज के आराध्य देवता भगवान झूलेलाल के प्रति अत्यंत असंवेदनशील और अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया था। इसके साथ ह उन्होंने अग्रवाल समाज के संस्थापक महाराजा अग्रसेन, स्वर्गीय डॉ। श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जैसे देश के महान राष्ट्रनायकों के प्रति भी अनुचित टिप्पणी की थी।

देश भर में विरोध प्रदर्शन

अमित बघेल की इस टिप्पणी के बाद अग्रवाल समाज और सिंधी समाज ने पूरे छत्तीसगढ़ सहित देशभर में जोरदार प्रदर्शन किए। रायपुर के अलावा दुर्ग, रायगढ़ समेत कई जिलों और अन्य राज्यों के थानों में अमित बघेल के खिलाफएफआईआर दर्ज हुईं।

ननकीराम के दस्तावेज के चक्कर में अटकी कोरबा कलेक्टर के खिलाफ जांच रिपोर्ट

■ **संभागायुक्त ने कहा- शासन को जल्द सौंपेंगे रिपोर्ट**

रायपुर/नवप्रदेश। कोरबा कलेक्टर अजीत वसंत को हटाने के संबंध में पूर्व गृहमंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता ननकीराम कंवर के शिकायती पत्र की जांच पूरी होने के बाद भी रिपोर्ट शासन को नहीं सौंपी जा सकी है। दरअसल, पूर्व मंत्री की ओर से शिकायत के संबंध में कुछ और दस्तावेज व प्रमाण दिए जाने की बात कही गई है। बिलासपुर संभागायुक्त सुनील कुमार जैन ने बताया कि पूर्व मंत्री की ओर से नए दस्तावेज प्राप्त होने के बाद जांच रिपोर्ट शासन को सौंप दी जाएगी।

राज्य शासन ने बिलासपुर संभागायुक्त से पूर्व गृहमंत्री श्री कंवर द्वारा 14 बिंदुओं पर सौंपे गए शिकायती पत्र पर जांच कर रिपोर्ट मांगी थी। शासन के आदेश पर जांच कमेटी ने पहले भी दोनों पक्षों से लिखित में जवाब व शिकायती पत्र के बिंदुवार प्रमाण व दस्तावेज मांगे थे। दोनों पक्ष लिखित जवाब व दस्तावेज समिति को सौंप चुके थे दस्तावेजों के परीक्षण बाद अंतिम रिपोर्ट तैयार की जा रही थी। इस बीच, पूर्व मंत्री की ओर से संभागायुक्त को संदेश भेजा गया कि इस मामले में वे कुछ और प्रमाण व दस्तावेज प्रस्तुत करना चाहते हैं। पूर्व मंत्री के दस्तावेजों का इंतजार किया जा रहा है। रिपोर्ट के आधार पर ही कलेक्टर पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि पूर्व मंत्री ने अपने शिकायती पत्र में कोरबा कलेक्टर के विरुद्ध 14 बिंदुओं में गंभीर शिकायत शासन को भेजकर उसके स्थानांतरण की मांग की थी। इस शिकायत पर उचित कार्रवाई न होने के कारण श्री कंवर ने बीते 4 अक्टूबर को रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास के समक्ष कार्यकर्ताओं के साथ शांतिपूर्ण धरना देने के लिए शासन को सूचना दी थी। वे धरना देने रायपुर पहुंचे थे, मगर उन्हें पुलिस द्वारा नजरबंद कर दिया गया था।

सुविचार

कोई सर्वगुण संपन्न नहीं होता, इसलिए जो जैसा है उसे स्वीकार कीजिये जिंदगी जीना आसान हो जाएगा। - अज्ञात

जनादेश का सम्मान करें महागठबंधन

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को मिली एकतरफा जीत से महागठबंधन में मातम फैल गया है।महागठबंधन में शामिल राजनीतिक पार्टियों के नेता हार के सदमें से उबर नहीं पा रहे हैं और अपनी करारी पराजय के कारण की समीक्षा करने की जगह बहाने बाजी पर उतर आयें हैं। यद्यपि अभी तक महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री का चेहरा बनने वाले तेजस्वी यादव ने बिहार के चुनावी नतीजों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है लेकिन राष्ट्रीय जनता दल के कई नेताओं ने इस हार के लिए चुनाव आयोग के सिर पर ठिकरा फोड़ना शुरू कर दिया है। यही हाल कांग्रेस का है जिसके नेता भी बिहार में अपनी पार्टी के शर्मनाक प्रर्दशन के लिए चुनाव आयोग पर ही सवालिया निशान लगा रहे हैं। इसकी शुरूआत लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने की है जिन्होंने बिहार में शुरू से ही चुनाव आयोग की भूमिका को लेकर सवाल खड़ा किया है। इसके बाद से कांग्रेस के अन्य नेताओं ने भी बिहार विधानसभा चुनाव के परिणामों को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर आरोपों की बौछार कर दी है। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि बिहार में चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार सहित तीनों चुनाव आयुक्तों को चेतावनी दी है कि वे रिटायरमेन्ट के बाद भी अपने किये की सजा भुगतने के लिए तैयार रहें क्योंकि उन्होंने एनडीए सरकार के इशारे पर बिहार में वोट चोरी कराने का गुनाह किया है। उसी समय से चुनाव आयोग के खिलाफ महागठबंधन के नेता लगातार टिका टिप्पणी करते रहे और वोट चोरी का बेशुरा राग अलापते रहे। लेकिन इससे महागठबंधन को फायदा मिलने की जगह भारी नुकसान उठाना पड़ गया। इसके बाद भी महागठबंधन के नेता बिहार की जनता के निर्णय को स्वीकारने की जगह चुनाव आयोग पर ही तोहमत लगा रहे हैं। यह बिहार के मतदाताओं का अपमान ही कहा जाएगा। यदि यह मान की विपक्ष के आरोप सही है तो उन्हें इसके सबूत पेश करने चाहिए और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना चाहिए। चुनाव में धांधली के आरोप लगाने भर से कुछ नहीं होगा। वैसे भी चुनाव में धांधली यदि होती भी तो कुछ ही सीटों पर ऐसा होना संभव था। किन्तु जिस हिसाब से महागठबंधन का सूपड़ा साफ हुआ है उससे स्पष्ट है कि बिहार के लोगों ने उसे खारिज किया है। इसलिए बेहतर होगा कि महागठबंधन के नेता जनादेश का सम्मान करें।

बिहार में ओवैसी ने फिर किया कमाल

बिहार विधानसभा चुनाव में असद्दुदीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने फिर एक बार कमाल करके दिखा दिया। पिछले विधानसभा चुनाव में ओवैसी पार्टी ने मुस्लिम बहुल सीमांचल क्षेत्र की पांच सीटों पर शानदार जीत दर्ज की थी। यह बात अलग है कि बाद में एआईएमआईएम के ये विधायक बिक गये और राष्ट्रीय जनता दल में शामिल हो गये थे। इसके बावजूद सीमांचल की उन्ही पांच सीटों बहादुरगंज, बैसी, अमौर, जोखीहार और कोचा धमन से ओवैसी की पार्टी ने फिर से जीत हासिल की और इस बार तो उसने पिछले चुनाव के मुकाबले ज्यादा बड़े अंतर से विरोधी को हराया। एक अन्य सीट पर एआईएमआईएम का प्रत्याशी सिर्फ 700 सीटों से हार गया। अन्यथा ओवैसी की पार्टी छह सीटों पर जीत दर्ज कर नया इतिहास रच देती। यही नहीं बल्कि जिन अन्य बीस सीटों पर एआईएमआईएम ने चुनाव लडा था वहां भी उसने सम्मानजनक वोट पायें और महागठबंधन के प्रत्याशी को पराजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान ओवैसी ने महागठबंधन में शामिल होने की पेशकश की थी और यह भी कहा था कि उन्हें सिर्फ पांच सीटें दी जाये और यदि महागठबंधन की सरकार बनती है तो एआईएमआईएम को कोई मंत्री पद भी न दिया जाये लेकिन इसके बाद भी कांग्रेस के विरोध के चलते ओवैसी की पार्टी को महगठबंधन में शामिल नहीं किया गया और ओवैसी ने एकला चलो रे की नीति अपनाई जो सफल रही और इस बार भी उनकी पार्टी पांच विधानसभा सीटें भारी बहुमत से जितने में सफल हो गई। ओवैसी की ताकत को कम करके आंकना भी महागठबंधन की करारी शिकस्त का एक बड़ा कारण बना है।

सदगुरू बोधामृतम

सदगुरू ऋतेश्वर जी

- हम भी जानते है कि जिंदगी तो बेवफा है एक दिन ठुकराएगी मौत महबूबा है अपनी, सबाके गले लगाएगी।
- सावधान का अर्थ कभी भी डर नहीं होता, डरपोक आदमी कभी सावधान नहीं हो सकता।
- ज्ञान का अर्थ ही है समग्रता को जानना।
- कपट का कपाट कभी भी नंदलाल से मिलने नहीं देता। जीवन में ये बात क्लियर करो कि धोखा मिलता है? या खाया जाता है?

आज का इतिहास

नई दिल्ली(वार्ता)। 1526 : मुगल शासक बाबर ने सिंध के रास्ते पांचवीं बार भारत में प्रवेश किया और इस बार यहां अपना शासन कायम करने में सफल रहा। 1869 : भूमध्यसागर को लाल सागर से जोड़ने वाली सोएज नहर को दस साल के निर्माण कार्य के बाद नौवहन के लिए खोला गया। 1915 : विष्णु गोपाल पिंगले को पुणे के निकट तालेगांव जेल में फांसी पर लटकाया गया। 1928 : लाला लाजपत राय का निधन। 1932 : तीसरा गोल मेज सम्मेलन शुरू हुआ। 1966 : भारत की रीता फरिया ने मिस वर्ल्ड खिताब जीता। वह यह खिताब जीतने वाली एशिया की पहली महिला बनीं। 1966 : सोवियत संघ ने अपना एक मानवरहित सुदूर नियंत्रित यान चंद्रमा की सतह पर उतारा। 1989 : चेकोस्लोवाकिया में सरकार विरोधी प्रदर्शनों को पुलिस ने बेदर्दी से कुचला। हालांकि विरोध की इस आग ने उग्र रूप धारण कर लिया और अंततः देश की कम्युनिस्ट सरकार को इस्तीफा देना पड़ा। 1997: मिस्त्र के उग्रवादियों ने लक्सर में टेंपल ऑफहत्शेप्सुत देखने आए विदेशी पर्यटकों पर हमला किया जिसमें 60 से ज्यादा लोगों की मौत हुई।

जातीय राजनीति बिहार में ध्वस्त होने की नव क्रांति का जय घोष

आलोक मेहता

लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने बिहार से राजनीतिक व्यवस्था के लिए ' सम्पूर्ण क्रांति ' का आव्हान किया था। इसके 50 साल बाद प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने जातीय राजनीति की कलंकित सत्ता व्यवस्था को बदलने में सफलता पाकर नव क्रांति कर दी है। विशेष रूप से भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों में जेल याफ्ता लालू यादव के यादव मुस्लिम वोट बैंक को फेल करने और कांग्रेस द्वारा दलित मुस्लिम मतदाताओं को बंधक गुलाम समझने की दादागिरी को भी विफल किया जाना दूरगामी हितों का परिचायक है। बिहार विधानसभा चुनावों ने एक स्पष्ट संकेत दिया है – जातिगत और सामुदायिक राजनीति की सीमाएँ हैं, और सिर्फ पहचान-राजनीति अब उतनी मजबूत शक्ति नहीं रही जितनी पहले मानी जाती थी। महागठबंधन की हार इस तथ्य को दर्शाती है कि पुराने समीकरण, पुराने वोट बैंक अब बिना आधुनिक और विकास-उन्मुख रणनीति के काम नहीं कर सकते। इसी तरह कम्युनिस्ट माओवादी पार्टियों का लाल किला भी टूट फूट गया। नक्सल प्रभावित इलाका भी हिंसा से मुक्त हो गया है।

युवा मतदाता, आशावादी सामाजिक परिवर्तन, और बेहतर शासन की मांग ने बिहार की राजनीति को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। भविष्य के लिए, जो दल इन बदलते रुझानों को समझेगा और उसे अपनी राजनीति में आत्मसात करेगा, वह अधिक सफल होगा।मोदी के ' सबका साथ सबका विकास ' का फार्मूला जनता ने स्वीकार कर लिया। प्रधान मंत्रीं नरेंद्र मोदी के सत्ता के 25 वर्ष और नीतीश कुमार की सत्ता के 20 वर्ष के कार्यकाल में दोनों पर व्यक्तिगत भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लग सका। यह इस बात का भी प्रमाण है कि जनता भ्रष्ट , अपराधी और बेईमान नेतृत्व के बजाय ईमानदार और जनता के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित नेतृत्व को पसंद करती है।

बिहार की सामाजिक संरचना जटिल समझी जाती रही है। 2023 की जाति-गणना के मुताबिक, अत्यंत पिछड़ी जातियाँ राज्य की लगभग 36% हैं। पिछड़ी जातियाँ, अनुसूचित जातियाँ , उच्च जातियाँ – सभी का यहाँ महत्वपूर्ण प्रतिशत है। इस प्रकार, बिहार में जातिगत विभाजन राजनीतिक समीकरणों का मूल आधार रहा है। यह वह जमीन है जिस पर दल हमेशा वोट बैंक विकास की रणनीति तैयार करते रहे। लेकिन हाल के समय में, बिहार के मतदाता 'पुराने जातिगत समीकरण' के अलावा नई आशाओं और मुद्दों की ओर भी झुके हैं। यह युवा मतदाता वर्ग, पहली बार वोट देने वाले, विकास, रोज़गार और शासन-परदर्शिता जैसे एजेंडों को महत्व दे रहा है। ङ्क इस बदलाव का मतलब यह है कि सिर्फ जाति-गणित) अब चुनाव जीतने का पर्याप्त आधार नहीं रहा। लालू यादव की पारंपरिक ताकत मुसलमान + यादव वोट बैंक माना जाता रहा।, यह वोट बैंक लगभग 30त्न तक पहुंचता है। यह वही वोट बैंक है जिस पर लालू-राज की राजनीति लंबे समय से आधारित रही। लेकिन 2025 में, यह पुराना समीकरण पूरी तरह नाकाम रहा ।

तेजस्वी यादव अन्य पिछड़ी जातियों में गहराई तक पैठ नहीं बना सके। इसके साथ ही, गठबंधन के आंतरिक मतभेद और सीट आवंटन की लड़ाइयों ने भी सुनिश्चित सहयोग को कमजोर कर दिया। महागठबंधन के विभिन्न घटक (राजद , कांग्रेस, लेफ्ट) के पास एक राजनीतिक

संदेश नहीं था। इस तरह, आम मतदाताओं के लिए गठबंधन की 'कहानी' स्पष्ट नहीं थी और यह एक बड़ी कमजोर कड़ी साबित हुई।

महागठबंधन में नेतृत्व का अस्थिर ढांचा था। राजद और कांग्रेस के बीच मुख्यूमंत्री चेहरे को लेकर विवाद, और रणनीति पर तालमेल की कमी सार्वजनिक रूप से दिखी।तेजस्वी यादव ने जो राजनीतिक आक्रामकता दिखाई, वह विशाल वोट बैंक तक नहीं पहुंच पाई क्योंकि उनकी रणनीति कहीं-कहीं अहस्तक्षेपपूर्ण रही। गठबंधन में ' कथित फ्रेंडली ' मित्रवत मुकाबले भी हुए। कुछ सीटों पर राजद , कांग्रेस, वी आई पी आदि के उम्मीदवार एक-दूसरे के खिलाफ खड़े हुए। महागठबंधन की स्थानीय संगठन उतनी मजबूत नहीं थी जितनी कि मोदी शाह नीतीश गठबंधन की थी।बूथ मैनेजमेंट में कमजोरी, उम्मीदवारों की पहचान की कमी और गठबंधन के अंदरूनी मतभेदों ने उनकी चुनावी लड़ाई को कमजोर कर दिया।इसमें यह भी देखा गया कि कांग्रेस द्वारा कुछ उम्मीदवारों का चयन गलत रहा । स्थानीय समीकरणों की अनदेखी हुई, जिससे मतदाता नाराज हुए। युवा मतदाता, विशेष रूप से नौकरी, आर्थिक भविष्य और विकास-विकास एजेंडा पर अधिक ध्यान देने लगे हैं। पहले वोट देने वाले बहुतों ने जातिगत कार्ड की सीमाओं को पहचान लिया है । भाजपा-जदयू गठबंधन ने विकास, सुशासन, कानून-व्यवस्था पर एक स्पष्ट एजेंडा पेश किया , जिसे कई मतदाताओं ने पसंद किया। इसके विपरीत, महागठबंधन का एजेंडा धुंधला रहा – जाति-समर्थित रणनीतियाँ, लेकिन ठोस विकास व शासन की पहल कम दिखाई दी। यही 'नवीन राजनैतिक चेतना' कुछ इलाकों में जाति-संकेतों की ताकत को कम कर रही है।

बिहार में 'सांप्रदायिक राजनीति' का उपयोग राजनीतिक दलों द्वारा किया गया, लेकिन 2025 में यह उतना निर्णायक नहीं रहा जितना पहले माना जाता था।

राजद हमेशा मुसलमान-समर्थित दावेदार समझता रहा , लेकिन महागठबंधन ने मुसलमान वोट को अकेले मुद्दे तक सीमित नहीं रखा – वे बड़े सामाजिक न्याय, गरीबी राहत और आर्थिक मुद्दों पर भी बात करना चाहते थे। लेकिन उनकी पहुँच मात्र पहचान-आधारित राजनीति तक सीमित रही। इसके अलावा, भाजपा और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने सबका साथ के रास्ते को प्राथमिकता दी। गठबंधन में सीटों की टकराहट और बूथ मैनेजमेंट की कमजोरी ने नुकसान पहुंचाया।

महागठबंधन में नेतृत्व की वैचारिक अस्पष्टता, भरोसे की कमी और चयन प्रक्रिया सुधारने में असमर्थता ने मतदाताओं के मन में अनिश्चितता पैदा की। इस बीच एन डी ए ने एक अधिक केंद्रित, विकास-उन्मुख और संगठनात्मक रूप से मजबूत अभियान चलाया जिसने मतदाताओं को भरोसा हुआ । 2025 का बिहार चुनाव इस मायने में महत्वपूर्ण साबित हुआ कि पारंपरिक जातिगत और पहचान-राजनीति अब 'अपर्याप्त' हो गई है। नए मुद्दे – जैसे रोज़गार, युवा आकांक्षाएँ, आर्थिक समावेश, महिला सशक्तिकरण मतदाताओं के लिए पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गए हैं। इसके साथ ही, मतदाता अब केवल जातिगत पहचान से संतुष्ट नहीं हैं; वे ÷नियंत्रण एवं जवाबदेही ÷, ÷प्रभावी शासन÷ और ÷दूरगामी विकास÷ की मांग कर रहे हैं।

भारतीय सेना की उपबल्धि मोनो रेल सिस्टम

प्रेम शर्मा

जहां सांस लेना भी मुश्किल, वहीं भारतीय सेना ने मोनोरेल चलाकर इतिहास रचा है। यह सिस्टम अरुणाचल के कमेंग सेक्टर में गजराज/4 कॉर्प्स द्वारा विकसित किया गया है। यह मोनोरेल एक ट्रिप में 300 किलो से ज्यादा भार ढो सकती है। वह भी उन स्थानों पर जहॉ पैदल चलना दुभर और जो सड़क विहीन और हेलिकॉप्टर की पहुच से दूर है। मोनोरेल सिस्टम जो भोजन, दवा, गोला-बारूद और जरूरी उपकरणों को बेहद कठिन स्थानों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएगा। मोनोरेल एक परिवहन प्रणाली है जिसमें ट्रेनें एक ही पटरी या रेल पर चलती हैं, जो आमतौर पर जमीन से काफी ऊपर होती है। यह दोहरी पटरियों वाली पारंपरिक रेलवे के विपरीत है। मोनोरेल या तो एक बीम पर ऊपर से चलती है या उसके नीचे से लटकती है। शहर में भीड़भाड़ वाले इलाकों में यातायात को सुगम बनाने के लिए इस्तेमाल की जाती है। मोनोरेल को ज़मीन से न्यूनतम 5.5 मीटर की ऊँचाई पर खंभों पर खड़ा किया जाता है। यह मैग्लेव (चुंबकीय उत्तोलन) प्रणाली के सिद्धांत पर काम करता है। ये अत्यधिक स्थिर होते हैं और तेज़ गति से भी तेज़ी से गति कम करने में मदद करते हैं। पहला मोनोरेल प्रोटोटाइप 1820 में इवान एल्मानोव द्वारा रूस में बनाया गया था। पारंपरिक रेलवे के विकल्प के रूप में मोनोरेल बनाने के प्रयास 19वीं सदी के शुरुआती दौर से ही किए जा रहे हैं।

सेंटेनियल मोनोरेल को 1876 में फिलाडेल्फिया में सेंटेनियल प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया गया था। इसके डिजाइन के आधार पर ब्रैडफोर्ड और फोस्टर ब्रुक रेलवे का निर्माण 1877 में किया गया था और यह जनवरी 1878 से जनवरी 1879 तक एक वर्ष तक चला था। 1879 के आसपास हैडन और स्ट्रिंगफेलो द्वारा स्वतंत्र रूप से एक वन-रेल प्रणाली प्रस्तावित की गई थी। इसका उद्देश्य सैन्य उपयोग के लिए था, लेकिन इसे सस्ते रेलवे के रूप में नागरिक उपयोग के लिए भी देखा गया था। इसी तरह, व्यावहारिक रूप से उपयोग में लाई गई पहली प्रणालियों में से एक

फ्रांसीसी इंजीनियर चार्ल्स लार्टिग की थी, जिन्होंने आयरलैंड में बैलीबूनियन और लिस्टोवेल के बीच एक लाइन बनाई थी, जो 1888 में खुली और 36 साल तक चली, जिसे 1924 में बंद कर दिया गया वह इसलिए कि आयरलैंड के गृहयुद्ध से हुए नुकसान के कारण। इसमें भार वहन करने वाली एक रेल और संतुलन के लिए दो निचली, बाहरी रेल का इस्तेमाल किया गया।बॉयंटन साइकिल रेलमार्ग, न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड स्थित ब्रुकलिन में एक भाप से चलने वाली मोनोरेल थी । यह ज़मीनी स्तर पर एक ही भार वहन करने वाली रेल पर चलती थी, लेकिन इसके ऊपर एक लकड़ी की स्थिर रेल लगी होती थी जो क्षैतिज रूप से विपरीत पहियों की एक जोड़ी से जुड़ी होती थी। यह रेलमार्ग 1890 से शुरू होकर केवल दो वर्षों तक ही चला। यही नही हॉचकिस साइकिल रेलमार्ग एक मोनोरेल था जिस पर मैचिंग पैडल वाली साइकिल चलाई जा सकती थी। इसका पहला उदाहरण 1892 में स्मिथविले और माउंट होली, न्यू जर्सी के बीच बनाया गया था। यह 1897 में बंद हो गया। इसके अन्य उदाहरण 1895 से 1909 तक नॉरफ़ॉक,ग्रेट यारमाउथ और 1896 से ब्लैकपूल यूके में बनाए गए।

अरुणाचल के कमेंग सेक्टर में भारतीय सेना की गजराज कॉर्प्स ने 16 हजार फीट की ऊंचाई पर स्वदेशी मोनोरेल सिस्टम को लेकर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भारतीय सेना की तारीफकरते हुए लिखा कि ये स्वदेशी प्रतिभा का प्रमाण है। अरुणाचल प्रदेश के दुर्गम हिमालयी इलाकों में तैनात भारतीय सैनिकों के लिए बड़ी राहत देने वाला नवाचार सामने आया है। 16 हजार फीट की ऊंचाई पर सेना ने ऐसा स्वदेशी मोनोरेल सिस्टम तैयार किया है, जो बर्फ से ढके, खतरनाक और बिना सड़क वाले इलाकों में सप्लाई पहुंचाने के काम को पहले से कहीं तेज और सुरक्षित बनाएगा। यह सिस्टम किसी तकनीकी प्रयोगशाला में नहीं, बल्कि सीधे मैदान में सैनिकों की जरूरतों को देखते हुए विकसित किया गया है।यह सिस्टम अब सेना की नई ताकत बन गया है। अरुणाचल प्रदेश के कई दूरस्थ क्षेत्रों में न तो सड़कें हैं और न ही पारंपरिक वाहन चलाने की कोई सुविधा। संकरे पहाड़ी रास्ते, टूटते पत्थर, अचानक बदलता मौसम और कम ऑक्सीजन स्तर सैनिकों के लिए बड़ी समस्या रहे हैं। कई बार उन्हें भारी सामान अपनी पीठ पर लादकर लंबे-लंबे रास्ते तय करने पड़ते थे। ऐसे इलाकों में एक छोटा सफर भी काफी जोखिम भरा और समय लेने वाला साबित होता था। मोनोरेल सिस्टम अब इन सभी चुनौतियों को काफी हद तक कम कर देगा। यह तेज, सुरक्षित और ऊर्जा-किफायती तरीका है, जिससे आगे की पोस्टों तक आपूर्ति पहुंचाना बेहद आसान होगा। सेना का मानना है कि इससे न सिर्फसमय की बचत होगी, बल्कि सैनिकों पर बोझ भी कम होगा और ऑपरेशन के दौरान जोखिम भी घटेगा। जरूरत पड़ने पर यह सिस्टम घायल जवानों को निकालने यानी कैजुअल्टी इवैक्यूएशन में भी मदद करेगा। गजराज कॉर्प्स, जिसे भारतीय सेना का 4 कॉर्प्स भी कहा जाता है, पूर्वी सेक्टर में तैनात एक महत्वपूर्ण फॉर्मेशन है। इसका गठन 4 अक्टूबर 1962 को भारत-चीन युद्ध के दौरान किया गया था। इसका मुख्यालय असम के तेजपुर में स्थित है। यह कॉर्प्स पारंपरिक लड़ाकू ऑपरेशनों के साथ-साथ काउंटर-इंसर्जेंसी मिशनों की भी जिम्मेदारी संभालती है। इसमें 71 माउंटेन डिविजन, 5 'बॉल ऑफफायर' डिविजन और 21 'रियल हॉर्न' डिविजन शामिल हैं। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सैनिकों के रहने के लिए यह कॉर्प्स विशेष ग्लेशियर हट भी विकसित कर चुकी है।सेना द्वारा तैयार किया गया यह मोनोरेल सिस्टम से न सिर्फआत्मनिर्भर भारत अभियान को मजबूत करता है, बल्कि यह साबित करता है कि कठिनतम परिस्थितियों में भी देश की सुरक्षा व्यवस्था नए समाधान खोज सकती है। अरुणाचल प्रदेश के कमेंग क्षेत्र में इसकी तैनाती से पूर्वी सीमाओं पर लॉजिस्टिक क्षमताएं कई गुना बढ़ जाएंगी।

पाठकों की बात — पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

मैं प्रेम में हूँ

मैं प्रेम में हूँ सुन सको तो सुनो मैं चित्रकार के प्रेम में हूँ तुम चाहो तो लौट भी सकती हूं तुम्हारे पास क्या तुम निखार सकोगे स्वरूप मेरा, जैसे निखारता है चित्रकार रंगों के दरमियान भी वह – नहीं रहता वहजो तुम हमेशा बने रहते हो चित्रकार रचता है बार-बार, बिना थके करता है परमार्जन ब्रश और रंग नाचते हैं उसके इशारे पर फिर भी नहीं जताता अधिकार मेरी आत्मा में हो जाता है विलय – उसका मैं तुम छोड़ सकोगे स्वामित्व? अगर हाँ, तो कहो नहीं तो सुनो... प्रेम, देह का नहीं, शून्यता का सफ़र है शून्य होना स्वीकार होगा तुम्हें? - **कल्पना मनोरमा**

गुंडागर्दी भ्रष्टाचार

गुंडागर्दी भ्रष्टाचार पर पड़ी जनता की मार इतने वोट पड़े मगध में जातिवाद गया हार जातिवाद गया हार, पप्पू भी तीनों हारे 'लालटेन' और 'हाथ' फिरे अब मारे मारे देश विकास में जनता का मिलता है आभार परिवार की राजनीति हुई भारत में बेकार भारत में बेकार, बढ़ाओ मिलकर देश को आगे एक दिन अम्मा-पप्पू भी जाएं ननीहाल को भागे। - **मित्र ग़ाज़ियाबादी**

बिहार का जनादेश परिवार और वंशवाद

बिहार का जनादेश परिवार और वंशवाद के खिलाफ है लोकतंत्र मे उत्तराधिकार नही चलेगा । लोकतंत्र आम जनमानस का है किसी के बाप की जागीर नही कि परिवार तय करेगा कौन मंत्री /मुख्यमंत्री होगा। यह जनादेश नेता परिवार के द्वारा पोषित और प्रशासन द्वारा समर्थित माफियाराज के भी खिलाफहै । - **एडवोकेट अरूण कुमार गुप्ता**

आतंकी हमलों के कारण ,लहू देश

आतंकी हमलों के कारण ,लहू देश का खोल रहा है पापी के पापों के कारण , भू मंडल भी डोल रहा है सत्य सनातन के परचम को अपने हाथों में लेकर अब भारत का हर बच्चा -बच्चा, हर हर बम बम बोल रहा है। - **संजय कुमार गिरि**

एक रास्ता, जिसपर चलते है होसलो के

एक रास्ता, जिसपर चलते है होसलो के कदम। एक इरादा, जो पार करता है अंधेरे की नदी। एक उम्मीद,जहाँ खिलती है खुशी की सुबह। हौसले और यकीन की जादुई पोटली से, निकलेंगे वो शब्द। जो मिलाएंगे जिन्दगीकी, बतायेंगे- बहुत छोटे है दुःख और मजबूत है हमारी। दृढ़ता और हमारी इच्छाशक्ती। सच,बहुत सुंदर है जीवन, सकारात्मकता से।। - **हेमा पांडेय**

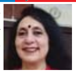

कमोवेश को जीते जाओ ज्याद

कमोवेश को जीते जाओ ज्यादा में कुछ कम हो जाता पाना मुश्किल नहीं है कुछ भी बूंद बूंद से घर भर जाता सुख सुहावन रहता कुछ पल धीर धैर्य मानव सुख पाता कर्म प्रफुल्लित पलक-फलक पर मेरुदंड सागर मथ जाता मर्म समझ कर नहीं जिया जो पथ-पांव कंटक बिछ जाता जीवन सुधा घृत धर मथनी मथे जो नर घृत मिल जाता - **पूनिता ओझा**

नेता जी हैं चिर युवा, पर थोड़े

नेता जी हैं चिर युवा, पर थोड़े नादान। जरा जरा सी बात पर, फिसले सदा ज़बान।। फिसले सदा ज़बान, बे'लगामी सा घोड़ा।। छठ माई का नाम, बे वजह ही था जोड़ा। वोटर हुआ अशांत,भविष्यत लेकर चेता। करे पर्व पर चोट, न होगा अपना नेता।। - **रजनी रामदेव**

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेषः आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। इस राशि के जो लोग बिजनेसमैन है आज कहीं अच्छी जगह निवेश कर सकते है।

वृषभः आज का दिन बेहतरीन रहेगा। किसी नयी जमीन से संबंधित कोई लेन-देन करने जा रहे हैं तो पहले उसकी अच्छे से जांच-पड़ताल जरूर कर लें।

मिथुनः आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। बिजनेस में आपको फायदा मिलने वाला है।इस राशि के लोग आज अपने जीवनसाथी के साथ घर पर ही साथ मूवी देखने का प्लान कर सकते हैं।

कर्कः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आप अपने संपर्क में आने आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करेंगे। साथ ही आपको अपने सब कामों को निपटाने की गति जरा धीमी करनी होगी।

सिंह : आज उन चीजों को महत्व दें जो सच में आपके लिए महत्वपूर्ण हैं तो आपके लिए अच्छी साबित हो सकती हैं। आपको अपने दोस्तों और काम के बीच संतुलन बनाकर रखना होगा।

कन्याः आज किसी दोस्त से अपनी कोई पुरानी बातें भी शेयर करेंगे, जिससे आप बनावटी और सच्चे प्यार में अंतर समझ पाएं। आज पूराने विचारों को छोड़कर नए विचारों को अपनाऐंगे। आपके इस विचार को देखकर परिवार का मन उत्साह से भर जाऐगा।

तुलाः आज का दिन आपके लिए बहुत बढ़िया रहेगा। आज पैसों के लेन-देन से बचें। कहीं निवेश कर रहें है तो आज का दिन आपके लिए शुभ है। आज अपने गुस्से पर कंट्रोल करें इससे आपके बिगड़ते हुए काम पूरे हो जाएंगे।

वृश्चिकः आज आपका दिन खुशनुमा रहने वाला है। इस राशि के प्रोफेशर्स के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। किसी अच्छे कॉलेज से लेक्चरार के लिए ऑफर आ सकता है।

धनुः आज आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे। जीवनसाथी के सहयोग से आपको किसी बड़े काम में सफलता मिलेगी। आज आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी।

मकरः आज आपका दिन खास रहेगा। इस राशि के अविवाहितों को आज विवाह के लिए शादी का प्रस्ताव आ सकता है। जिससे आपके घर का माहौल अच्छा रहेगा।

कुंभः आज का दिन आपके लिए सामान्य रहेगा। इस राशि के लोगों को आज के दिन कम्प्यूटर से रिलेटेड सामान खरीदना शुभ है। आज आपको माता-पिता से स्नेह मिलेगा। किसी कार्य को करने में आज आपके सामने कई बड़ी चुनौतियां आएंगी।

मीनः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। संचार सेवा और इंटरनेट से जुड़े लोगों के लिए भी आज का दिन अच्छा रहेगा। किसी विदेशी कम्पनी से जॉब के लिए कॉल आ सकती है। इस राशि के बिजनेस वाले लोग अपने जरूरी कागजों को संभालकर रखें।

QUIZ TIME

1) किसने लाहौर के शालीमार बाग को पूर्ण किया था?
2) किस राज्य सरकार को शासन आपल्या दारी पहल के लिए प्रतिष्ठित स्कॉच पुरस्कार मिला?
3) समाचारों में देखी गई पेरिगम्मला पंचायत किस राज्य में स्थित है?
4) जूपिटर मनी को प्रीपेड वॉलेट बिजनेस शुरू करने के लिए किससे मंजूरी मिली है?
5) आई हैव द स्ट्रीट्सः ए कुट्टी क्रिकेट स्टोरी किसकी आत्मकथा का नाम है?

Ramaquiz

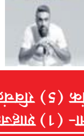

उत्तरमाला- (1) शाहजहाँ (2) महाराष्ट्र (3) केरल (4) भारतीय रिज़र्व बैंक (5) रविचंद्रन अश्विन

शब्द सागर

न्यूज गैलरी

सामान्य सभा की बैठक 20 को

दुर्ग। जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक 20 नवंबर को जिला पंचायत के सभाकक्ष में अपरान्ह 12 बजे आयोजित की गई है। बैठक में आदिवासी विकास विभाग, वन विभाग, पर्यावरण विभाग, खाद्य विभाग, उद्यानिकी विभाग के कार्यों तथा धान खरीदी की तैयारियों की समीक्षा की जाएगी। संबंधित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारीगणों को समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने कहा गया है।

नशा मुक्त भारत अभियान का शपथ समारोह 18 को

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने नशा मुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) के पाँच वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में राष्ट्रव्यापी अभियान की सफलता सुनिश्चित करने 18 नवंबर को जिले में व्यापक स्तर पर शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जिले के सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया है कि वे अपने विभाग के साथ-साथ अधीनस्थ कार्यालयों, आम जनता, जनप्रतिनिधियों, जिलों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं (स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा और कृषि शिक्षा), गणमान्य नागरिकों, सामाजिक संस्थाओं, महिला समूहों, स्वयंसेवकों, आध्यात्मिक गुरुओं, व्यापारिक संघों, पंचायती राज संस्थाओं, यूएलबी, पीएसयू, एसएचजी, एनएसएस, एनसीसी, पुलिस जवानों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, श्रमिकों व अन्य सभी वर्गों को सम्मिलित करते हुए व्यापक स्तर पर नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत शपथ कराने कहा है।

कैरियर काउंसिलिंग कार्यशाला कल

दुर्ग। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग में कैरियर काउंसिलिंग संबंधी कार्यशाला का आयोजन 18 नवम्बर को सुबह 11 बजे से 1 बजे तक किया जाएगा। ज़ी इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव आर्ट (ज़िका) द्वारा कार्यशाला का संचालन किया जाएगा। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य क्रिएटिव एवं डिजिटल उद्योगों के वीएफएक्स, एनीमेशन, ग्राफिक्स डिज़ाइन, गेमिंग और डिजिटल मीडिया आदि क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों के संबंध में जागरूकता फैलाना है। कार्यशाला में विशेषज्ञों द्वारा इन उद्योगों से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में समय-समय पर उत्पन्न होने वाले रोजगार के अवसर, उनकी व्यापकता और आवश्यक कुशलता के संबंध में विशेष महत्वपूर्ण जानकारी देकर युवाओं का मार्गदर्शन किया जाएगा। वर्तमान समय में रोजगार बाजार के क्षेत्र में उत्पन्न होने वाले विभिन्न प्रकार के रोजगार के अवसरों से इस पीढ़ी के युवा लाभान्वित हो सकेंगे। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र से प्राप्त जानकारी अनुसार ज़ी इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव आर्ट (ज़िका) ऐसी संस्था है जो मीडिया और मनोरंजन उद्योग के क्षेत्र में कुशल व्यवसायियों को प्रशिक्षण देती है।

निगम में एनर्जी ऑडिट अभियान : स्थायी रूप से काटा गया 8 अनुपयोगी मीटरों का कनेक्शन

निगम कमिश्नर के सख्त निर्देश पर बघेरा जोन व सिटी जोन में विद्युत मीटर काटे गए

दुर्ग/नवप्रदेश। निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर नगर निगम दुर्ग क्षेत्र में विद्युत खपत की वास्तविकता जानने और ऊर्जा प्रबंधन को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से व्यापक ईएनर्जी ऑडिट कराया जा रहा है। आयुक्त ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया है कि निगम क्षेत्र में लगे सभी विद्युत मीटरों की गहन जांच कर अनियमितता, दुरुपयोग या अनुपयोगी मीटर मिलने पर तुरंत मौके पर कनेक्शन विच्छेद करने की कार्यवाही की जाए। आयुक्त ने कहा कि निगम द्वारा लगाए गए किसी भी विद्युत मीटर का दुरुपयोग या अनियमित उपयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। राजस्व हानि रोकना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। विद्युत विभाग व निगम की संयुक्त कार्रवाई लगातार जारी है। कार्रवाई के दौरान सहायक अभियंता सुरेश केवलानी, उपअभियंता मोहित मरकाम सहित अन्य स्टाफ मेंबर मौजूद रहे। एनर्जी ऑडिट के दौरान कई स्थानों पर अनुपयोगी/बंद मीटर, संदिग्ध खपत और रिकॉर्ड से मेल न खाने वाले मीटर पाए गए। ये मीटर वर्षों से उपयोग में नहीं थे, लेकिन रिकॉर्ड में सक्रिय बने हुए थे। आयुक्त ने इसे निगम के राजस्व पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला बड़ा कारक बताया और तत्काल स्थायी विच्छेदन के निर्देश दिए। आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर बघेरा जोन और सिटी जोन में विशेष ऑडिट और निरीक्षण चलाया गया।

निगम टीम ने कुल 8 अनुपयोगी मीटरों का स्थायी विच्छेदन किया। इनमें कस्तूरबा बाल मंदिर के अनुपयोगी मीटर, पोलसाय पारा में उपयोग बंद लेकिन रिकॉर्ड में सक्रिय, शहीद चौक के पास संदिग्ध खपत, लुचकी तालाब के पास काफी समय से निष्क्रिय मीटर पाए गए। बघेरा हाउसिंग बोर्ड अनुपयोगी मीटर, पुलगांव में बंद मीटर का कनेक्शन भी बंद किया गया। आयुक्त ने सभी जोनल अधिकारियों और निरीक्षण टीमों को निर्देश जारी करते हुए कहा कि निगम द्वारा लगाए गए किसी भी मीटर में टेंपरिंग, अवैध कनेक्शन या दुरुपयोग पाए जाने पर तुरंत कनेक्शन काटा जाए। दोषियों पर जुर्माना, राजस्व वसूली व आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए। प्रत्येक जोन में प्रतिदिन निरीक्षण रिपोर्ट अनिवार्य रूप से होनी चाहिये। आने वाले दिनों में पूरे शहर में यह अभियान और अधिक तेज होगा। इस कार्रवाई से शहर में ऊर्जा उपभोग की वास्तविकता सामने आएगी और निगम को अनावश्यक राजस्व हानि से बचाया जा सकेगा। प्रत्येक मोहल्ले, वार्ड और जोन में लगातार निरीक्षण होगा और जहां भी अनियमितताएं मिलेंगी, वहाँ तुरंत कार्रवाई होगी।

मोबाइल टॉवर संचालकों को थमाया नोटिस, 7 दिनों के भीतर कराएं नवीनीकरण

नवीनकरण के बिना चल रहे टॉवरों को निगम करेगा जप्त

निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल ने डाटा सेंटर दुर्ग में राजस्व विभाग, लायसेंस विभाग की समीक्षा करते हुए वसूली तेज करने के निर्देश दिये। बैठक में राजस्व वसूली लक्ष्य के अनुरूप न होने पर आयुक्त ने नाराजगी जताई। उन्होंने नगर निगम की सीमा के अंतर्गत स्थापित मोबाइल टॉवरों की जानकारी ली। कई साल से टॉवरों का नवीनीकरण न होने पर आयुक्त ने सख्त निर्देश दिये। मोबाइल टॉवर संचालकों द्वारा अवैध रूप से बिना नवीनीकरण कराए संचालन किया जा रहा है। यह नियमों के विपरीत है। कुछ मोबाइल टॉवर अवैध रूप से बिना निगम से अनुमति प्राप्त किये संचालित किये जा रहे हैं। आयुक्त ने सभी प्रकार के मोबाइल टॉवर संचालकों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। आयुक्त ने कहा कि अवैध मोबाइल टॉवर को वैध कराने / नवीनीकरण कराने के लिये निगम के लायसेंस शाखा में संपूर्ण दस्तावेज 7 दिनों के भीतर जमा करें। अवैध टॉवरों को वैध कराने की कार्यवाही न कराने पर मोबाइल टॉवरों को चिन्हांकित कर बिजली कनेक्शन विच्छेद करने की कार्यवाही की जाएगी। भूमि स्वामी / भवन स्वामी के विरुद्ध भी कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी। कार्यवाही होने पर मोबाइल टावर संचालक स्वयं जिम्मेदार होंगे। आयुक्त ने सभी मोबाइल टॉवर संचालकों से अपील की है कि निर्धारित समय पर निगम से अनुमति प्राप्त करें। बैठक में राजस्व अधिकारी आरके बोरकर, सहायक राजस्व अधिकारी थानसिंह यादव, उपनिरीक्षक निशांत यादव, संजय मिश्रा और सभी सहायक राजस्व निरीक्षक उपस्थित थे।

राष्ट्रीय सुरक्षा अलर्ट : पुलिस ने शुरू किया वाहनों की जांच का अभियान

मेन रोड में रखे 173 वाहन हटाए गए, दूसरे दिन 577 चालान कटे

भिलाई/नवप्रदेश। यातायात पुलिस ने राष्ट्रीय सुरक्षा अलर्ट के मद्देनजर 15 नवंबर को दूसरे दिन भी जिले में सघन सुरक्षा और यातायात जांच अभियान चलाया। इस दौरान बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वाड की विशेष टीमें तैनात की गईं। पुलिस ने हाईवे से लेकर शहर के मुख्य मार्गों तक गाड़ियों की जांच की।

अभियान के तहत पूरे दिन कुल 577 चालानी प्रकरण दर्ज किए गए। मेन रोड पर बिना उपयोग, संदिग्ध या अवैध रूप से खड़े 18 भारी वाहनों और 155 छोटी गाड़ियों सहित कुल 173 वाहनों को हटाया गया। पुलिस टीमों ने अंजोरा से नेहरू नगर, नेहरू नगर से भिलाई-3 और कुम्हारी टोल प्लाजा तक लगातार गश्त कर जांच की। इन मार्गों पर वाहनों की अनियंत्रित पार्किंग और असुरक्षित वाहनों की मौजूदगी एक बड़ी समस्या थी। कई स्थानों पर सर्विस लेन और मुख्य मार्ग पर खड़े वाहन सुरक्षा जोखिम पैदा कर रहे थे। पुलिस ने ऐसे वाहनों को हटाकर मार्ग को सुचारू किया, जिससे आम नागरिकों की यात्रा अधिक सुरक्षित हो सके।

हाई-अलर्ट अवधि में सुरक्षा के दृष्टिकोण से दुश्वता बढ़ाने पर भी पुलिस का विशेष जोर रहा। यातायात पुलिस ने संबंधित विभागों और नगर निगम की सहायता से सड़क किनारे उगी झाड़ियों और अवरुद्ध हिस्सों की सफाई का कार्य शुरू किया गया। अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्ती से कार्रवाई की गई।

बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले, ओवरलोड वाहन, बिना कागजात के वाहन चलाने वाले और नो-पार्किंग में गाड़ियां खड़ी करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। यह जानकारी दुर्ग पुलिस प्रवक्ता पद्मश्री तंवर ने दी। दुर्ग यातायात पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध वाहन, बैग या गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस नियंत्रण कक्ष को दें।

5 वार्डों में सीसी रोड बनाने 1.73 करोड़ मंजूर, गजेन्द्र ने किया भूमिपूजन

दुर्ग/नवप्रदेश। शहर के पांच वार्डों में आवागमन को बेहतर बनाने नागरिकों की मांग पर सीमेंट रोड बनाने के कार्य स्वीकृत किये गए हैं। आज केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने निगम के जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं के साथ भूमिपूजन किया। इस अवसर पर विकास कार्यों के वादे पूरा करने पर नागरिकों ने विधायक गजेंद्र यादव के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम में नागरिकों की मांग पर मंत्री यादव ने घोषणा भी की। भूमिपूजन के अवसर पर महापौर अलका बाघमार भी मौजूद रहीं। शिक्षा, ग्रामोद्योग और विधि विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव ने बताया कि दुर्ग विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 51-52 बोरसी, 53-54 कौशल्य और व 55 पुलगांव में 1 करोड़ 73 लाख की लागत से 9 स्थानों पर सीसी रोड का निर्माण किया जाएगा। इससे नागरिकों को आवागमन में परेशानी नहीं होगी। यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में दुर्ग में विकास कार्यों को नई गति मिल रही है। 100 से अधिक स्थानों पर सीमेंटीकरण सड़क, 1000 से अधिक नये बिजली पोल का विस्तार, स्कूलों का संधारण सहित दुर्ग का सर्वांगीण विकास करने निरंतर विकास कार्यों की नींव रखी जा रही है। कार्यक्रम में निगम सभापति श्याम शर्मा, गुलशन साहू, साजन जोसफ, हीरोंदी चंद्राकर, सविता साहू, पार्षद अश्वनी निषाद, कुलेश्वर साहू, कमल देवांगन, लोकेश्वरी ठाकुर, विनायक नातू, मंडल अध्यक्ष कौशल साहू, महेन्द्र लोढ़ा, लक्ष्मीकांत दुबे, पोषण साहू व नागरिकगण उपस्थित रहे।

सेल इंटर-प्लांट क्रिकेट चैम्पियनशिप 2025 में बीएसपी ने जीता खिताब

भिलाई/नवप्रदेश। भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग, एससी एंड सीए द्वारा आयोजित सेल इंटर प्लांट क्रिकेट चैम्पियनशिप 2025 का समापन 15 नवम्बर को सेक्टर 1 स्थित बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड में रोमांचक मुकाबले के साथ हुआ। सेल इकाइयों के बीच उच्च स्तरीय खेल-प्रतिस्पर्धा और उत्साहपूर्ण सहभागिता के लिए प्रसिद्ध चैम्पियनशिप के फाइनल मुकाबले में भिलाई इस्पात संयंत्र बीएसपी और ईस्को इस्पात संयंत्र बर्नपुर की टीमें आमने-सामने थीं। फाइनल में पहले बल्लेबाजी करते हुए बर्नपुर की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में सभी 10 विकेट खोकर 143 रन बना कर बीएसपी की टीम के लिए 144 रनों का लक्ष्य खड़ा किया। भिलाई की टीम ने संयमित बल्लेबाजी और प्रभावी साझेदारियों के दम पर

18.4 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 144 रन बनाकर 5 विकेट से जीत दर्ज करते हुए चैम्पियन का ताज अपने नाम किया। पुरस्कार वितरण समारोह में महाप्रबंधक एचआर नॉन वर्क्स ले एन ठाकुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विजेता टीम को बधाई देते हुए पूरे टूर्नामेंट में खिलाड़ियों द्वारा प्रदर्शित उत्कृष्ट खेल भावना की प्रशंसा की। व्यक्तिगत पुरस्कारों की श्रेणी में बीएसपी के वेंकटेश को शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द सीरीज़ घोषित किया गया।

उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में 125 रन बनाए और 10 विकेट हासिल किए। बेस्ट बैट्समैन का पुरस्कार कपिल नायडू को मिलाए, जिन्होंने पांच मैचों में कुल 208 रन जुटाए। बेस्ट बॉलर का खिताब राउरकेला इस्पात संयंत्र के सुवर्ण को दिया गया, जिन्होंने 10 विकेट चटकाए।

फाइनल मैच में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर मैन ऑफ द मैच का सम्मान बीएसपी के सुवेंदु कुमार को मिला, जिन्होंने 37 गेंदों में तेज़तर्रार 54 रनों की प्रभावशाली पारी खेली। फाइनल मुकाबले में अंपायरिंग राणा प्रताप सिंह और पीयूष साहू ने निभाई।

कच्चे मकान की दीवार ढहने से 2 की मौत

दुर्ग। जिले में एक कच्चे मकान की दीवार ढहने से 2 मजदूरों की मौत हो गई। 2 अन्य मजदूर घायल हुए है। घटना धमधा से 12 किलोमीटर दूर पेंड्रावन गांव में गुरुदेव नामक डॉक्टर के मकान में नींव खुदाई का काम चल रहा था। मिट्टी की खुदाई के दौरान साइड की कमजोर दीवार अचानक ढह गई। मलबे के नीचे दबने से दो की मौत हो गई।

चरोदा में एटीएम कार्ड बदलकर ठगी

बुजुर्ग के अकाउंट से चार बार में निकाले 43 हजार

भिलाई/नवप्रदेश। बीएमवाय चरोदा में एटीएम कार्ड बदलकर एक बुजुर्ग के अकाउंट से 43 हजार रुपए निकाल लिये गए। दो अज्ञात युवकों ने 65 वर्षीय बुजुर्ग का एसबीआई एटीएम कार्ड बदलकर ठगी की। पीड़ित बुजुर्ग की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार एलआईजी 236 हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी अशोक कुमार निक्षेय चरोदा स्थित एसबीआई बैंक से लगे एटीएम में पैसे निकालने पहुंचे थे। उन्होंने एटीएम से 10 हजार रुपए निकाले। इसी दौरान आसमानी रंग की शर्ट पहने दो युवक एटीएम के अंदर आए। उनमें से एक युवक ने उन्हें रोकते हुए कहा कि अंकल एटीएम बीप कर रहा है, आपका ट्रांजैक्शन पूरा नहीं हुआ है, आप फिर से कार्ड डालिए।

बुजुर्ग ने एटीएम मशीन की ओर देखा तो उसमें बीप की आवाज आ रही थी। इस पर उन्होंने दोबारा कार्ड डालकर पिन डालने की कोशिश की। इसी दौरान दोनों युवक पीछे खड़े होकर पासवर्ड देख लिया। इसके बाद बुजुर्ग ने अपना ट्रांजैक्शन कैंसिल कर दिया। इसी दौरान एक युवक ने मशीन से कार्ड निकालकर उन्हें वापस देते हुए कहा कि अंकल ये रहा आपका कार्ड। कार्ड देने के बाद दोनों युवक एटीएम से बाहर निकलकर वहां से चले गए। कुछ देर बाद जब अशोक कुमार निक्षेय ने कार्ड को ध्यान से देखा तो कार्ड सेवकराम कौशल के नाम पर था। संदेह होने पर अकाउंट बैलेंस चेक किया। उन्हें पता चला कि चार अलग-अलग ट्रांजैक्शन में कुल 43 हजार रुपए खाते से निकाल लिए गए हैं। ठगी का एहसास होते ही बुजुर्ग ने पुरानी भिलाई थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने दोनों अज्ञात युवकों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं।

शिविर में निपटारा

भिलाई। भारत सरकार द्वारा 100 जिलों में दावा रहित जमा राशियों हेतु जिला स्तरीय मेगा शिविर आज आयोजित किये गए। छत्तीसगढ़ राज्य से दुर्ग जिले को चयनित किया गया था। जिले में कुल 172174 खातों में कुल राशि 65.59 करोड़ है। इनके लिए निगम भिलाई सभागार में शिविर आयोजित किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि भारतीय रिजर्व बैंक से रीनी अजीत (क्षेत्रीय निदेशक) उपस्थित रहे। राजीव कुमार पांडे आयुक्त नगर निगम भिलाई, भरत चावड़ा उप अंचल प्रबंधक, बैंक ऑफ बड़ौदा, मनोज सिंग सहायक महाप्रबंधक छ.ग. राज्य स्तरीय बैंकर्स कमेटी भी उपस्थित रहे।

प्रसिद्ध गायिका पूर्वा को 50 हजार की प्रोत्साहन राशि

मंच ने समाजसेवी विजय अग्रवाल व कैलाश जैन बरमेचा के योगदान पर जताया आभार

दुर्ग/नवप्रदेश। विश्व सैक्सोफोन दिवस के अवसर पर कला मंदिर, सिविक सेंटर भिलाई में आयोजित साज की आवाज एवं संगीतमय संध्या में देर रात तक सुरों का जादू बिखरा। मध्यभारत के बेहतरीन म्यूजिकल इवेंट में छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध गायिका पूर्वा श्रीवास्तव ने अपनी सुरीली, मधुर और दिल को स्पर्श करने वाली प्रस्तुति से सभागार को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूर्वा के अद्भुत प्रदर्शन से प्रभावित होकर भिलाई-दुर्ग के प्रतिष्ठित उद्यमी व समाजसेवी

विजय अग्रवाल ने मंच पर ही 50,000 की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की थी। उन्होंने आज पूर्वा श्रीवास्तव को 50 हजार की नगद राशि प्रदान की। विजय अग्रवाल की घोषणा पर उपस्थितजनों ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच पूर्वा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कैलाश जैन बरमेचा ने किया कलाकारों का सम्मान

कार्यक्रम के आयोजक, समाजसेवी व मंच के प्रधान संरक्षक कैलाश जैन बरमेचा ने भी छत्तीसगढ़ के विख्यात सैक्सोफोनिस्ट अनिल केमे को 11,000 रुपये और नागपुर के प्रतिभावान गायक शकील भाई को 5,000 रुपये की सम्मान राशि प्रदान की। कलाकारों ने इस सम्मान को अमूल्य प्रेरणा बताते हुए प्रसन्नता व्यक्त की।

कार्यक्रम में पूर्वा श्रीवास्तव की माता प्रीति श्रीवास्तव, एसआई यशवंत श्रीवास्तव, मंच के सचिव व मंच संचालक तुलसी सोनी छत्तीसगढ़ मंच के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत सहित अनेक संगीतप्रेमी नागरिक उपस्थित थे। छत्तीसगढ़ मंच, दुर्ग सांस्कृतिक मंच एवं ऑफिसर्स एसोसिएशन, बीएसपी ने कलाकारों को बढ़ावा देने की इस अनूठी पहल के लिए विजय अग्रवाल व कैलाश जैन बरमेचा को धन्यवाद ज्ञापित किया।

आज छत्तीसगढ़ कांग्रेस की उच्च-स्तरीय जांच समिति दुर्ग पहुंचेगी

जिला अस्पताल में हुई मौतों से आक्रोश : शोक में डूबे परिवारजनों से मिले वोरा

दुर्ग/नवप्रदेश। जिला अस्पताल में नसबंदी के ऑपरेशन के फौरन बाद दो महिलाओं पूजा यादव (27) और किरण यादव (30) की दर्दनाक मौत के बाद शहर में आक्रोश की स्थिति है। आज वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण वोरा शोक में डूबे दोनों परिवारों के घर पहुँचकर परिजनों से दुख की घड़ी में ढाढ़स बंधाया।

सिकोला भाटा पहुँचे वोरा ने किरण यादव के परिवार से मुलाकात की। परिजनों ने रो-रोकर बताया कि किरण बिल्कुल स्वस्थ थी।

अस्पताल की लापरवाही ने पूजा को हमसे छीन लिया। वोरा ने परिवार को ढाढ़स बंधाते हुए कहा कि यह बेहद गंभीर मामला है।

अरुण वोरा ने दोनों परिवारों को बताया कि छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने पूरे मामले की गहन जांच के लिए छह-सदस्यीय उच्च-स्तरीय समिति गठित की है। पूर्व मंत्री अनिला भेंडिया को जांच समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनके अलावा अरुण वोरा पूर्व विधायक, संगीता सिन्हा विधायक, बालोद, हर्षिता बघेल विधायक, डोंगरगढ़, छन्नी साहू पूर्व विधायक, नीता लोधी पूर्व महापौर 17 नवंबर को दुर्ग आएंगे और मृत महिलाओं के परिजनों से मुलाकात करने के बाद जिला अस्पताल का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद ऑपरेशन प्रक्रिया और दवाओं की जाँच के साथ ही लापरवाही के वास्तविक कारणों की पड़ताल करते हुए अपना प्रतिवेदन प्रदेश कांग्रेस कमेटी को सौंपेंगे।

ऑपरेशन के दौरान स्वस्थ मां ने दम तोड़ दिया। यह सामान्य घटना नहीं हो सकती। इस मामले की गहन जाँच जरूरी है। ताकि, सच सामने आए।

इस मामले में दोषी व्यक्ति या संस्था के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिये। वोरा बजरंग नगर पहुँचे और पूजा यादव के पति और परिजनों से मिले। पूजा दो बच्चों की माँ थी।

परिजन बार-बार यही कह रहे थे कि पूजा पूरी तरह नॉर्मल थी, लेकिन ऑपरेशन टेबल पर अचानक झटके आए और कुछ ही मिनटों में उसकी जान चली गई। वोरा ने कहा कि दुर्ग जिला अस्पताल में यह घटना सिस्टम की खतरनाक नाकामी है।

जॉब फेयर 18 को

दुर्ग। आदर्श शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था जीई रोड पावर हाउस भिलाई में 18 नवम्बर को कंपनी/उद्योग द्वारा जॉब फेयर का आयोजन किया गया है। इच्छुक अभ्यर्थी 10 वीं, 12 वीं, आईटीआई से प्राप्त मार्कशीट, सर्टिफिकेट व रिज्यूम के साथ उपस्थित हो सकते हैं। आदर्श औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था भिलाई के प्राचार्य टी.के. सतपुते से मिली जानकारी के अनुसार जॉब फेयर में वास्लोह बीके कास्टिंग लिमिटेड भिलाई द्वारा मशीनिष्ट, विद्युतकार, फिटर, वेल्डर, फाउंड्रीमेन। पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट प्राइवेट लिमिटेड अहमदनगर द्वारा समस्त मैकेनिकल व्यवसाय, बैकसी एलटीडी भिवाड़ी द्वारा फिटर, टर्नर, विद्युतकार, टर्नर व समस्त मैकेनिकल व्यवसाय सहित अन्य पर भर्ती की जाएगी।

स्व. बिंदेश्वरी बघेल महाविद्यालय में नशामुक्ति पर कार्यक्रम

कुम्हारी/नवप्रदेश। स्व बिंदेश्वरी बघेल शासकीय महाविद्यालय कुम्हारी में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य सोनिता सत्संग सहित सभी कर्मचारी, छात्र-छात्राओं व सहायक अध्यापकों ने नशा मुक्त भारत अभियान के एनमबीए की पोर्टल पर जाकर शपथ ग्रहण किया और शपथ प्रमाण पत्र प्राप्त किया।

इस दौरान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। क्विज प्रतियोगिता में धीरज साहू प्रथम, डाली यादव द्वितीय व श्रुति बंदे तृतीय को पुरस्कृत किया गया। भाषण प्रतियोगिता में योगेश्वरी सोनकर (बीएससी प्रथम वर्ष), लिसा साहू (बीएससी प्रथम वर्ष) और जया देवांगन (बीएससी तृतीय सेमेस्टर) क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी कर्मचारी, सहायक प्राध्यापक व छात्र-छात्राओं का सहयोग सराहनीय रहा। संपूर्ण कार्यक्रम यूथ रेड क्रॉस सोसाइटी व एंटी ड्रग कमेटी के संयुक्त तत्वाधान में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। डॉ एन जयश्री सहायक प्राध्यापक द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया।

निधन : लोकेंद्र साहू

दुर्ग। केलाबाड़ी निवासी लोकेन्द्र साहू का रविवार की सुबह निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 17 नवंबर सोमवार को दोपहर 12:30 बजे उनके निवास स्थान से शिवनाथ नदी मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे डॉ. ज्ञानेश कुमार साहू के पिता थे।

न्यूज गैलरी

लाइवलीहुड कॉलेज में मिलेगी नीट एवं जेईई की कोचिंग

बालोद। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के पहल पर जिला प्रशासन बालोद द्वारा जिले के 11वीं एवं 12वीं कक्षाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए शीघ्र ही प्रशिक्षित शिक्षकों के माध्यम से नीट एवं जेईई की सुविधा प्रदान की जाएगी। कलेक्टर ने संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में शिक्षा एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर पाकुरभाट स्थित लाईवलीहुड कॉलेज में शीघ्र जेईई और नीट की कोचिंग की कक्षाएं प्रारंभ करने हेतु की जा रही तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को लाईवलीहुड कॉलेज में अध्ययन कक्ष, छात्रावास, मेस आदि संचालन की समुचित व्यवस्था के अलावा सभी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर शीघ्र ही कोचिंग कक्षाएं प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी, जिला शिक्षा अधिकारी मधुलिका तिवारी सहित विषय विशेषज्ञ, शिक्षक एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक में डीईओ ने बताया कि कोचिंग हेतु कुल 100 बच्चों के चयन हेतु प्रथम चरण में बच्चों का स्क्रीनिंग टेस्ट कर लिया गया है। 17 एवं 18 नवंबर को बच्चों एवं उनके पालकों से सहमति पत्र लेकर उनका काउंसलिंग भी किया जाएगा। 19 को कोचिंग के लिए चयनित बच्चों की सूची भी जारी कर दी जाएगी।

छात्राओं को मिली सरस्वती साइकिल

खैरागढ़। हाइस्कूल दिलीपपुर की कक्षा नौ की छात्राओं को सरस्वती सायकल योजना के तहत निशुल्क सायकल का वितरण जिपं के पूर्व सभापति घम्मन साहू के मुख्य आतिथ्य में किया गया। कार्यक्रम में जिपं सभापति दिनेश वर्मा, डा शैलेन्द्र त्रिपाठी, जनपद उपाध्यक्ष लखन साहू, सभापति शैलेन्द्र मिश्रा, गोरेलाल वर्मा व सरपंच देवकी वर्मा मौजूद रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि घम्मन साहू ने छात्राओं को योजना की जानकारी देते कहा कि शासन की महती योजना में छात्राओं को स्कूल शिक्षा के लिए आवाजाही आसान करने सायकल प्रदान किया जा रहा है। इससे ग्रामीण और दूरस्थ इलाकों से स्कूल आने वाली छात्राओं को आसानी होगी।

भारत की प्रगति में जनजातीय समाज का योगदान सदैव प्रेरणास्रोत रहा : भावना

उपमुख्यमंत्री ने रेंगाखार, कवर्धा में भगवान बिरसा मुण्डा की प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा की

कवर्धा/नवप्रदेश। धरती आबा भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती के अवसर पर गत दिवस पीजी कॉलेज डोम में जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह में वर्चुअल माध्यम से जुड़कर देशभर के जनजातीय समुदाय को संबोधित किया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने की। प्रधानमंत्री मोदी ने वर्चुअल माध्यम से उद्बोधन में जनजातीय समाज के समृद्ध इतिहास, शौर्य, संस्कृति, लोक कला और राष्ट्र निर्माण में उनकी अद्वितीय व अभूतपूर्व भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारत की प्रगति में जनजातीय समाज का योगदान सदैव प्रेरणास्त्रोत रहा है। भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती को भारत सरकार द्वारा जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जाता है, ताकि देश उनकी वीरता, बलिदान और समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को याद रखे और जनजातीय समाज की विकास यात्रा को सशक्त दिशा मिले।

इस दौरान उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल एवं प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने स्टॉलों में प्रदर्शित योजनाओं, उत्पादों और गतिविधियों की विस्तृत जानकारी ली और विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इस

अवसर पर जनजातीय समाज द्वारा उल्लेखनीय कार्य करने वाले प्रतिष्ठित व्यक्ति, नागरिकों, विद्यार्थियों, युवाओं और महिलाओं का सम्मान किया गया। उप मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को आवास की चाबी सौंपी। कृषकों को मसूर मिनी किट प्रदान किया गया। जनजातीय गौरव दिवस पर बढ़ी संख्या में जनजाति समाज के लोग शामिल हुए और उन्होंने अपनी सांस्कृतिक धरोहर को गर्व के साथ प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर जिपं अध्यक्ष ईश्वरी साहू, जिपं के पूर्व अध्यक्ष विदेशी राम धुर्वे, सहसपुर लोहारा जनपद अध्यक्ष दुर्गा सिंह, जनपद पंचायत कवर्धा के अध्यक्ष सुषमा गणपत बघेल, जनपद पंचायत बोड़ला अध्यक्ष बालका वर्मा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चद्रवंशी, कलेक्टर गोपाल वर्मा, जिला पंचायत सीईओ अजय त्रिपाठी, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग एलपीपटेल सहित समाज के वरिष्ठ नागरिक उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने समाज के कल्याण के लिए असाधारण कार्य किए। आज 15 नवंबर के दिन पूरे देश में जनजातीय गौरव दिवस मनाया जा रहा है। यह दिन जनजाति समाज की वीरता, त्याग, संस्कृति और योगदान को समर्पित है। जनजातीय गौरव दिवस, धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जन्म जयंती के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने अन्याय, शोषण और अत्याचार के विरुद्ध खड़े होकर अपने समाज और देश के लिए भगवान समान कार्य किए। आज का दिन जनजाति समुदाय के लिए अत्यंत गर्व का दिन है। भारत की संस्कृति, सभ्यता और इतिहास में जनजाति समाज का योगदान अतुलनीय है।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने जनजातीय गौरव दिवस पर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा ने अंग्रेजी शासन के अत्याचारों के खिलाफ आदिवासी समाज को एकजुट कर एक ऐतिहासिक आंदोलन की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री आदिवासी समाज सहित छत्तीसगढ़ के हर वर्ग के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं।

मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में कांग्रेस का टैलेंट हंट

विधायक व जिलाध्यक्ष की मौजूदगी में जिले के प्रभारी सहित सह प्रभारियों ने किया पोस्टर का विमोचन

राजनांदगांव/नवप्रदेश। कांग्रेस पार्टी द्वारा पूरे देश में नेशनल टैलेंट हंट कार्यक्रम आयोजित कर पार्टी के प्रवक्ताओं का चयन किया जा रहा है। प्रतिभाओं का चयन पार्टी जिला, प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर प्रवक्ता बनने का अवसर दिया जाएगा। छत्तीसगढ़ में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने 7 नवंबर को टेलेंट हंट कार्यक्रम की शुरूआत की थी। आज मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी जिले में विधायक इंद्रशाह मांडवी, जिलाध्यक्ष सुरजीत सिंह ठाकुर, प्रभारी अभिमन्यु उदय मिश्रा सहित नेताओं द्वारा पोस्टर विमोचन किया गया।

जिले के प्रभारी अभिमन्यु उदय मिश्रा ने बताया कि पूरे देश में कांग्रेस पार्टी नेशनल टैलेंट हंट कार्यक्रम आयोजित कर रही है, इस कार्यक्रम के माध्यम से पार्टी देश के युवाओं व सभी ओजस्वी वक्ताओं को जो कांग्रेस की रीति नीति विचारधारा में भरोसा रखते हैं उनको मंच प्रदान करेगी। उनमें क्षमता होगी तो जिले से लेकर प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर प्रवक्ता बनने का मौका मिलेगा। मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी जिले में भी प्रतिभाशाली युवाओं, महिलाओं और सभी अच्छा बोलने व लिखने वालों को आवेदन करने के लिए आमंत्रित करते हैं। 21 नवंबर तक ऑन लाइन आवेदन कर इस अवसर का लाभ लिया जा सकता है। आवेदनों की स्कूटनी के बाद चयनित अभ्यर्थियों का ऑनलाइन इंटरव्यू लिया जाएगा। चयनित अभ्यर्थी तीसरे चरण में जाएंगे, जहां उनका साक्षात्कार होगा और पेनल डिसक्शन होगा। उसके बाद जिला, प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर नियुक्तियां की जायेगी। राजनांदगांव नगर निगम पार्षद दल के पूर्व प्रवक्ता ऋषि शास्त्री ने बताया कि कांग्रेस ऐसी पार्टी है जो युवाओं की आवाज को मंच देने का कार्य करती है।

पोस्टर विमोचन के बाद जिला कांग्रेस कार्यालय और विधायक आवास पर क्यूआर कोड सहित कार्यक्रम के पोस्टर लगाए गए। लोगों को फॉर्म भरने प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में विधायक इंद्रशाह मांडवी, जिलाध्यक्ष सुरजीत सिंह ठाकुर, प्रभारी अभिमन्यु मिश्रा सहित ऋषि शास्त्री, मनीष साहू, विशु अजमानी, विनोद बमभोले, अब्दुल खालिक, देवानंद, ओंकार दीक्षित आदि नेता कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मेले में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

खैरागढ़/नवप्रदेश। ब्लाक के ग्राम मदराकुही स्थित प्राथमिक शाला में बाल दिवस के अवसर पर एफएनएल मेला का आयोजन किया गया। मेले में छात्र स्वयं खेल-खेल में गतिविधि करते हुए अवधारणाओं को सीखते है। मेले में छात्रछात्राओं ने स्वयं द्वारा की गई गतिविधि में हिस्सा लेकर उसका संचालन और आकलन भी किया। अपनी रुचि और पसंद के अनुसार स्वयं गतिविधि का निर्माण किया और अपने तरीके पर सीखते गए। शाला के 132 विद्यार्थियों ने मेले में भाग लिया, जिसमें हिंदी के 5, गणित के 5 और अंग्रेजी के 3 सहायक शिक्षण सामग्री को छात्रों ने स्वयं बनाया और शिक्षक मार्गदर्शन देते रहे।। मेला बच्चों को क्रियात्मक और रचनात्मक गतिविधियों से जोडने वाला था। मेले में दीपिका चंद्रवंशी, तेजस्विनी निषाद, मोरजध्वज देवांगन, राकेश वर्मा द्वारा निरीक्षण किया गया। इस दौरान प्रधान पाठक निर्मला वर्मा, कमलेश भारद्वाज, गायत्री दीक्षित, पूजा शान्दुल उपस्थित थे।

एक हजार स्कूली बच्चों को कराया न्यौता भोज

कवर्धा/नवप्रदेश। स्वामी आत्मानंद स्कूल पोड़ी में को न्यौता भोज कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें पहली बार जिले में एक साथ 1 हजार स्कूली बच्चों ने न्यौता भोज किया। कार्यक्रम का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल, विश्व हिंदू परिषद के प्रांत प्रमुख चंद्रशेखर वर्मा, शाला विकास संबंधन समिति के अध्यक्ष वेद साहू और प्राचार्य एन.के. चंद्रवंशी द्वारा मां सरस्वती की पूजा-अर्चना से किया गया। पूजा के बाद सभी बच्चों ने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ भोजन मंत्र के साथ जमीन पर बैठकर भोजन ग्रहण किया। बच्चों को दाल, चावल, सब्जी, खीर और पूड़ी का भोजन परोसा गया।

इस अवसर पर अतिथियों के साथ कबीरधाम सांसद प्रतिनिधि जयराम साहू, सांसद के निज सहायक संदीप ठाकुर, दिलीप श्रीवास्तव, विजय साहू, संतोष साहू, रवि निषाद, सौरभ सिंह सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी बच्चों के साथ भोजन किया। शाला विकास संबंधन समिति के अध्यक्ष वेद साहू ने बताया कि कबीरधाम जिले में पहली बार इतने बड़े स्तर पर 1 हजार बच्चों को सामूहिक रूप से न्यौता भोज कराया गया। कार्यक्रम में ग्राम के गणमान्य नागरिकों, शाला विकास समिति और स्कूल स्टाफ के सहयोग से भव्य आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

गातापार जंगल स्कूल में लगा बाल मेला

खैरागढ़/नवप्रदेश। वनांचल ग्राम गातापार जंगल स्थित हाईस्कूल परिसर में संकुल स्तरीय बाल मेला का आयोजन किया गया। मेला की शुरूआत करते हुए अतिथियों ने स्टाल में छात्रों के पकवानो और व्यंजनों की खरीदारी की। मुख्य अतिथि अभिषेक देवांगन ने बाल दिवस की महत्ता बताते हुए छात्रों को पढ़ाई के साथ अन्य गतिविधियों में भी हिस्सा लेने, बेहतर पढ़ाई करने की प्रेरणा दी। अतिथियों ने छात्र-छात्राओं द्वारा लगाए गए स्टालों में पकवान और व्यंजन की खरीदी कर उनका स्वाद लिया और छात्रों को पकवान बनाने पर शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में नरोत्तम सिन्हा ने वंदे मातरम गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के बारे में जानकारी देते हुए चाचा नेहरू द्वारा उपयोग किए गए सामानों से सवाल पूछे। छात्र-छात्राओं ने जवाब दिए। बाल मेले मे छात्र-छात्राओं ने सब्जी, रोटी, भजिया, मिर्ची भजिया, भेल, मीठा सहित स्वादिष्ट व्यंजन बनाकर स्टालों में बिक्री की। बाल मेला के माध्यम से छात्रों ने व्यापार व्यवसाय की मूल प्रक्रिया को करीब से समझा। कार्यक्रम में थाना प्रभारी गातापार, शाला विकास समिति अध्यक्ष मानिक यदु, सरपंच प्रतिनिधि गोकुल वर्मा, श्रवण पड़ोटी, प्रमोद जंघेल, गणेश पटेल, घनश्याम बघेल, टामिन बाई सिन्हा, शुभम शुक्ला, रूपेन्द्र साहू, जितेन्द्र साहू, हाईस्कूल प्राचार्य ममता अग्रवाल, पालक समिति सदस्य उपस्थित थे।

व्यापारियों पर बढ़ते आर्थिक बोझ को लेकर कैट ने जताई चिंता

राजनांदगांव/नवप्रदेश। ईएसआईसी नियम और ट्रेड लाइसेंस शुल्क वृद्धि से बढ़ते आर्थिक दबाव पर कैट राजनांदगांव इकाई ने प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन को पत्र भेजकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। ईएसआईसी के 10 कर्मचारी नियम पर आपत्ति जताते हुए कैट ने कहा कि 10 कर्मचारी पाए जाने पर कुल वेतन का 4 प्रतिशत ईएसआईसी शुल्क वसूला जा रहा है, जबकि दुकानों में 4 से ही कर्मचारी होते हैं। उन्होंने कहा कि दैनिक वेतन भोगियों को भी कर्मचारी संख्या में जोड़कर शुल्क थोपना अनुचित है। व्यापारियों ने कहा कि मध्यम दुकानों पर साल भर में लगभग 1 लाख रुपये का अतिरिक्त भार पड़ रहा है। कैट के पदाधिकारियों ने ईएसआईसी नियम में संशोधन की मांग करते हुए कहा कि दैनिक वेतनभोगियों को कर्मचारी संख्या में शामिल न किया जाए। ट्रेड लाइसेंस शुल्क वृद्धि पर रोक और व्यावहारिक दरें तय की जाएँ। कैट ने कहा कि यह केवल व्यापारियों की नहीं बल्कि प्रदेश की पूरी आर्थिक व्यवस्था का प्रश्न है।

ट्रेड लाइसेंस शुल्क में बढ़ोतरी

नए राजपत्र में लाइसेंस शुल्क 200 प्रतिशत से 400 प्रतिशत तक बढ़ाने पर संगठन ने कड़ा विरोध जताया। गुमटी, कपड़ा दुकान और शोरूम सभी श्रेणियों पर सीधा बोझ बढने की आशंका जताई गई है।

8 वर्ष का इंतजार खत्म, वाहन मालिकों व बस ऑपरेटरों से समन्वय स्थापित करने दिये निर्देश

दिसंबर में शुरू होगा नया हाईटेक बस स्टैण्ड : चंद्रवंशी

निरीक्षण के दौरान देखी व्यवस्था

चंद्रवंशी ने हाईटेक बस स्टैण्ड के चारों ओर घूम-घूम व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने बस स्टैण्ड परिसर के अंदर समुचित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने और बस स्टैण्ड के बाहर गार्डन व्यवस्थित कर पूरे क्षेत्र को आकर्षक बनाने कहा। परिसर में खड़े पुराने कण्डम वाहनों को तत्काल हटाने के निर्देश दिये। हाईटेक बस स्टैण्ड को चालू करने से पूर्व पेयजल व्यवस्था, शौचालय, प्रतीक्षालय और प्रकाश व्यवस्था जैसी यात्री सुविधाएँ पूर्ण रूप से चालू करने कहा गया। निरीक्षण के दौरान पार्षद योगेश चंद्रवंशी,दीपक सिन्हा, कार्यपालन अभियंता दिनेश कुमार नेताम, उप अभियंता शिवकुमार गर्ग, जल प्रदाय प्रभारी चंद्रिका सिंह ठाकुर उपस्थित रहे।

कवर्धा/नवप्रदेश। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने आज अपने अफसरों के साथ हाईटेक बस स्टैण्ड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को हाईटेक बस स्टैण्ड के रखरखाव और संचालन संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश दिये। नपा अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने बताया कि नगरवासियों का 8 वर्ष का लंबा इंतज़ार अब समाप्त होने जा रहा है। पुराना बस स्टैण्ड अब नए हाईटेक बस स्टैण्ड में स्थानांतरित किये जाने की तैयार की जा रही है। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में कवर्धा नगर पालिका की टीम तत्परता से कार्य कर रही है। उनके निर्देशानुसार घोठिया रोड सड़क मार्ग का कार्य अंतिम चरण में है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बस ऑपरेटरों व बस मालिकों से चर्चा कर दिसंबर माह के अंत तक नए बस स्टैण्ड को प्रारंभ करने का लक्ष्य निर्धारित करें। यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने देने के लिए सभी आवश्यक तैयारी समय पर पूरी की जाए। उन्होंने कहा कि नगर पालिका कवर्धा का उद्देश्य है कि नागरिकों को शीघ्र एक आधुनिक, स्वच्छ और सुविधाजनक बस स्टैण्ड की सौगात मिले।

महावीर स्वामी के नाम पर कॉलोनी में शराब दुकान खोलने का निर्णय शर्मनाक : निखिल

- **भाजपा सरकार और विधानसभा अध्यक्ष कर रहे हैं आस्था के साथ खिलवाड़**

राजनांदगांव/नवप्रदेश। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव निखिल द्विवेदी ने भाजपा सरकार और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि महावीर स्वामी कॉलोनी में शराब की दुकान खोलने का प्रस्ताव जनता की आस्था के साथ खिलवाड़ है। भाजपा और रमन सिंह 'संस्कार' की बातें करते हैं, लेकिन शहर को 'शराबधानी' बनाने का काम कर रहे हैं। महावीर स्वामी के नाम से जुड़ी कॉलोनी में शराब दुकान खोलना करोड़ों लोगों की आस्था पर सीधा प्रहार है। महावीर स्वामी अहिंसा, संयम और सदाचार के प्रतीक हैं।

भाजपा सरकार उन्हीं के नाम की पवित्र भूमि पर शराब दुकान खोलकर 'अहिंसा को नशे में डुबोने' का काम कर रही है। निखिल द्विवेदी ने कहा कि यह निर्णय न केवल समाज की धार्मिक भावनाओं के खिलाफ है, बल्कि भाजपा की दोहरी नीति को भी उजागर करता है। एक तरफ़ ये लोग धर्म और संस्कार की बातें करते हैं, लेकिन दूसरी ओर यही लोग संस्कारधानी शहर को शराबधानी बनाने पर तुले हुए हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार ने इस प्रस्ताव को तुरंत निरस्त नहीं किया, तो कालोनीवासियों और शहरवासियों के साथ मिलकर उग्र आंदोलन किया जाएगा।

महावीर स्वामी के नाम की पवित्र भूमि पर शराब दुकान का संचालन स्वीकार नहीं करेंगे। निखिल ने कहा कि रमन सिंह अपने करीबी नेताओं और ठेकेदारों को लाभ पहुँचाने के लिए जगह-जगह शराब दुकानें खुलवा रहे हैं, जिसके चलते राजनांदगांव का माहौल खराब हो रहा है। अपराध बढ़ रहे हैं और युवा वर्ग नशे की ओर धकेला जा रहा है।

आवेदन 2 तक

बालोद। कार्यालय परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना गुण्डरदेही द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र भिलाई 1 में आंगनबाड़ी सहायिका के 1 रिक्त पद पर भर्ती के लिए 2 दिसंबर तक आवेदन आमंत्रित किया गया है। परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास ने बताया कि आवेदिका को 8 वीं उत्तीर्ण और आंगनबाड़ी केन्द्र के ग्राम पंचायत का निवासी होना अनिवार्य है। आवेदिका 2 दिसंबर को शाम 5 बजे तक एकीकृत बाल विकास परियोजना गुण्डरदेही में कार्यालयीन समय में स्वयं उपस्थित होकर या पंजीकृत डाक के माध्यम से अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। जानकारी कार्यालय परियोजना गुण्डरदेही से प्राप्त की जा सकती है।

पेज 1 का शेष

हर साल बढ़ रहा 'सुपर फूड'...

जलभराव क्षेत्रों में उगाया जाता है। छत्तीसगढ़ में उगने वाला मखाना साइज में बड़ा और स्वाद में अन्य राज्यों के मखाने से बेहतर है।

शुद्ध लाभ दोगुना

एक एकड़ धान की खेती से किसानों को जहां औसतन 75 हज़ार रुपए का फायदा मिलता है। वहीं, मखाना की खेती से एक एकड़ में औसतन डेढ़ लाख रुपये तक का लाभ हो सकता है। इसे बीज के रूप में बेचने पर डेढ़ से दो लाख रुपये प्रति एकड़ और प्रोसेसिंग कर बेचने पर प्रति एकड़ तीन लाख रुपए तक का फायदा होता है।

छत्तीसगढ़ में अंतिम...

की मुख्यधारा में शामिल होने और खुद को नक्सलवाद के प्रभाव से मुक्त करने के इच्छुक हैं। उन्होंने कहा कि सरकार इन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

सीएम साय ने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस राज्य के सभी जिलों में मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और अन्य जनप्रतिनिधियों की भागीदारी के साथ मनाया जा रहा है। समारोह का राज्य स्तरीय समापन समारोह 20 नवंबर को अंबिकापुर (सरगुजा जिला) में होगा, जहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी।

अंतरिक्षयान उत्पादन ..

सात और प्रक्षेपणों का लक्ष्य बना रहा है, जिनमें एक वाणिज्यिक संचार उपग्रह और कई पीएसएलवी और जीएसएलवी मिशन शामिल हैं।

इसके अलावा इसरो का एक अन्य प्रमुख मिशन लूपेक्स है, जो इसरो का जापान की अंतरिक्ष एजेंसी जाक्सा के साथ संयुक्त अभियान है। लूपेक्स का उद्देश्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पानी की बर्फ का अध्ययन करना है। इसरो बढ़ती मिशन मांग के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए अगले तीन वर्षों में अपने अंतरिक्ष यान उत्पादन को बढ़ाकर तिगुना करने पर भी काम कर रहा है।

अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की दिशा में तेजी से काम जारी

नारायणन ने कहा कि इसरो ने एक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन पर काम शुरू कर दिया है, जिसे 2035 तक पूरा करने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा, 'पांच मॉड्यूल में से पहला 2028 तक कक्षा में स्थापित कर दिया जाएगा।' पांचों मॉड्यूल की पृथ्वी की कक्षा में स्थापना के बाद भारत अंतरिक्ष स्टेशन संचालित करने वाला तीसरा प्रमुख देश बना जाएगा। अमेरिका के नेतृत्व वाला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन का कार्यकाल खत्म होने के करीब है और चीन का तियांगोंग स्पेस स्टेशन पूरी तरह से चालू हो जा रहा है। इसरो प्रमुख ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसरो को भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को 2040 तक चांद पर भेजने और उन्हें सुरक्षित वापस लाने की दिशा में काम करने का भी निर्देश दिया है।

अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने पर फोकस

इसरो प्रमुख वी नारायणन ने कहा कि वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी वर्तमान में लगभग 2 प्रतिशत है और इसरो 2030 तक इसे 8 प्रतिशत तक बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा है। भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था वर्तमान में लगभग 8.2 अरब अमेरिकी डॉलर की है और 2033 तक इसके 44 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढने का अनुमान है, जबकि उन्होंने कहा कि वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था वर्तमान में लगभग 630 अरब अमेरिकी डॉलर है और 2035 तक 1.8 खरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकती है।

बिहार में जीत ने फिर साबित ...

नीहल कृष्णन, जो भारत को निकटता से कवर करती हैं, ने अपने विश्लेषण में लिखा कि चुनाव प्रचार में मोदी के सीधे उतरने से मुकाबला पारंपरिक क्षेत्रीय राजनीति के बजाय राष्ट्रीय नेतृत्व के जनमत परीक्षण में बदल गया। उन्होंने लिखा कि मोदी की जनसभाओं ने चुनाव के आखिरी दौर में मतदाताओं के रुझान को निर्णायक रूप से प्रभावित किया। बीबीसी वर्ल्ड की राजनीतिक विश्लेषक सोनिया जॉर्ज ने रिपोर्ट किया कि मोदी भारतीय मतदाताओं में असाधारण पकड़ बनाए हुए है और बिहार में यह पकड़ बिना किसी कमजोरी के दिखाई दी। अधिकतर राज्यों के मतदाता मोदी के वादों को गारंटी के रूप में देखते हैं।

फ्रांस 24 की रिपोर्ट में अंतरराष्ट्रीय राजनीति विशेषज्ञ फ्रेडरिक ग्रोसेट ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में चुनाव केवल चुनाव नहीं रहते, बल्कि राष्ट्रीय पहचान और विचारधारा के इर्द-गिर्द जनमत-सर्वेक्षण का रूप ले लेते हैं। बिहार इसका ताजा उदाहरण है। द टाइम्स और द इंडिपेंडेंट के अनुसार भारत में प्रधानमंत्री मोदी की विश्वसनीयता बढ़ती जा रही है। चुनाव परिणामों से स्पष्ट है कि जनता विकास की धारा के साथ बहना चाहती है, जिसकी पतवार मोदी के हाथ में है। प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस को गहन आत्ममंथन की जरूरत है।

द गार्जियन के वरिष्ठ अंतरराष्ट्रीय मामलों के विश्लेषक जूलियन बॉर्जर ने टिप्पणी की कि बिहार के नतीजे विपक्ष के लिए चेतावनी हैं। गठबंधन राजनीति पर्याप्त नहीं है, भारतीय मतदाता अब एक मजबूत और स्पष्ट नेतृत्व मॉडल को प्राथमिकता दे रहे हैं।

राजनीतिक धुरी...

अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक विशेषज्ञ यूनिवर्सिटी ऑफऑक्सफर्ड के डॉ. माइक हेनरी ने कहा, भारत में चुनावी राजनीति धीरे-धीरे लीडरशिप सेंट्रिक मॉडल की ओर बढ़ रही है और इस मॉडल में मोदी के सामने वर्तमान में कोई ठोस विकल्प नहीं दिखता।

द इकोनॉमिस्ट के राजनीतिक स्तंभकार निकोलस शैंपियन ने लिखा कि बिहार का परिणाम आने वाले वर्षों के लिए भारत की चुनावी रणनीतियों को प्रभावित करेगा। भारतीय राजनीति में मोदी का नैरेटिव अधिक प्रभावी है।

धान खरीदी केंद्र नगरी ब्लाक के घुरावड़ में सरपंच ने पूजा कर किया शुभारंभ

नगरी/नवप्रदेश। शासन के आदेशानुसार, छत्तीसगढ़ में धान खरीदी का कार्य 15 नवंबर से शुरू कर दिया गया है। इसी कड़ी में नगरी ब्लाक के अंतिम छोर स्थित ग्राम घुरावड़ में स्थित धान खरीदी केंद्र पर पूजा अर्चना कर धान खरीदी का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सहकारी समिति के कर्मचारी, जनपद सदस्य मौसमी मंडावी, सरपंच महेश नेताम सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। सभी ने सामूहिक रूप से पूजा अर्चना की और धान खरीदी केंद्र के उद्घाटन के बाद किसानों के लिए धान खरीद प्रक्रिया शुरू की गई। धान खरीदी के इस शुभारंभ के अवसर पर जनपद सदस्य मौसमी मंडावी ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा, हमारी सरकार किसानों की भलाई के लिए कृतसंकल्पित है और आज से शुरू हो रही धान खरीदी से हम उनके उत्पाद का उचित मूल्य सुनिश्चित करेंगे। इस प्रक्रिया के माध्यम से किसानों को उनके कड़ी मेहनत का सही मूल्य मिलेगा। सरपंच महेश नेताम ने भी किसानों से अपील की कि वे धान को सही समय पर और सही तरीके से बेचे, ताकि कोई भी किसान बिना परेशान हुए अपने उत्पाद का सही मूल्य प्राप्त कर सके। उन्होंने इस दौरान धान खरीदी केंद्र की सुविधाओं का भी निरीक्षण किया और केंद्र की कार्यप्रणाली की सराहना की।

भाजपा के जिला पदाधिकारियों की सूची जारी, थानसिंह, जितेंद्र महामंत्री

महासमुंद/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष एतराम साहू ने प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव व प्रदेश महामंत्री (संगठन) पवन साय के निर्देश पर जिला पदाधिकारियों की सूची जारी की है। जारी सूची के मुताबिक विपिन उबोवेजा को उपाध्यक्ष, प्रदीप चंद्राकर उपाध्यक्ष, कृष्णकुमार साहू उपाध्यक्ष, सतपाल सिंह पाली उपाध्यक्ष, हरप्रसाद पटेल उपाध्यक्ष, श्रीमती जान्हवी साहू उपाध्यक्ष, थानसिंह दीवान महामंत्री, जितेंद्र त्रिपाठी महामंत्री, हेमंत तिवारी मंत्री, मनीष बंसल मंत्री, श्रीमती कुमारी भास्कर मंत्री, श्रीमती सीता सतपथी मंत्री, श्रीमती कल्पना सिन्हा मंत्री, श्रीमती सुशील कांति पटेल मंत्री, राहुल चंद्राकर कोषाध्यक्ष, प्रीतराम सूर्ये सह-कोषाध्यक्ष, स्वप्निल तिवारी प्रवक्ता, प्रदीप साहू प्रवक्ता, नारेंद्र गिरी कार्यालय मंत्री, राजू यादव सह-कार्यालय मंत्री, नवीन साव मीडिया प्रभारी, आनंद साहू मीडिया सह-प्रभारी, हनी गंभीर सोशल मीडिया प्रभारी, नरेश नायक आईटी सेल प्रभारी नियुक्त किए गए हैं।

मजदूर दलाल के खिलाफ श्रम अधिकारी ने लिखाई एफआईआर

महासमुंद/नवप्रदेश। श्रमिकों को अधिक मजदूरी दिलाने के नाम पर पलायन कराने के मामले में श्रम अधिकारी की रिपोर्ट पर पटेवा पुलिस ने एक मजदूर दलाल के खिलाफएफआईआर दर्ज कर लिया है। उप निरीक्षक बेलारसन बघेल ने पटेवा थाने में आवेदन देकर कहा है कि 14 नवंबर को सूचना मिली कि ग्राम भिथीडीह के मनहरण यादव कुछ लोगों को अधिक मजदूरी दिलाने का लालच देकर महाराष्ट्र के ईंटभट्ठा में पलायन कराया जा रहा है। सूचना पर टीम के साथ पटेवा के पास पहुंचा, जहां कुछ मजदूर अपने परिवार के साथ महाराष्ट्र ईंट भट्ठा जाने हेतु बस में सवार थे। नाम-पता पूछने पर मजदूरों ने अपने नाम ग्राम गोपालपुर निवासी गनेश निषाद, शोभित राम, सुखवारी बिंझवार, पवित्रा बिंझवार, दुर्गेश्वरी निषाद बताए। साथ ही बताया कि मनहरण यादव एडवांस देकर अधिक मजदूरी दिलाने महाराष्ट्र के ईंट भट्ठा में काम कराने ले जा रहा था।

भानु ने कुरूद सोसायटी में किया धान खरीदी का शुभारंभ

पूरे छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर बंपर धान खरीदी

कुरुद/नवप्रदेश। सहकारी समिति कर्मचारियों की हड़ताल के बावजूद कुरुद क्षेत्र की कुछ सोसाइटियों में 15 नवम्बर को मुहर्त खरीदी को सफलता पूर्वक अंजाम दिया गया। कहीं-कहीं पर हड़ताली कर्मियों के काम पर वापस लौटने की खबर है। पहले दिन प्रशासन द्वारा की गई वैकल्पिक व्यवस्था के सहारे सैकड़ों कट्टा धान खरीदा गया है।

खरीफ फसल का धान खरीदने प्रदेश सरकार ने 15 नवम्बर की तिथि निर्धारित की थी। लेकिन सहकारी समितियों के कर्मचारी इसी अवधि में अपनी मांगे मनवाने हड़ताल पर चले गए। अधिकारियों एवं सोसाइटी अध्यक्षों के समझाने बुझाने के बावजूद अधिकांश हड़ताली कर्मचारी काम पर नहीं लौटे हैं। इसके बावजूद पहले दिन कुरुद क्षेत्र की बहुत सी सोसाइटियों में धान खरीदने की खबर मिली है। जिसके मुताबिक कुरुद समिति में विधायक प्रतिनिधि भानु चन्द्राकर, सोसाइटी अध्यक्ष प्रभात बैस, सीईओ जेपी

नंदा, प्रबंधक त्रिलोचन बांसकार ने मुहर्त पूजा कर शकुन्तला अंसारी चरमुडिया के किसान से 51 कट्टा धान खरीदा।

प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति बगौद में शनिवार को अध्यक्ष कुलेश्वर चन्द्राकार, नोडल अधिकारी रत्नदीप पांडे, दशोदा साहू, ईश्वर, हीराराम साहू, घनश्याम चन्द्राकर, झुरांगु साहू, खेमराज बंजारे, हुकुम पटेल, फेकुराम साहू, जितेन्द्र पाल,साहू, रामजोहन दीवान, दुकालू साहू, यादराम, दीपक साहू, ललित रेड्डी, सोनउ यादव, बिसहत साहू, यमन, कमलेश साहू, कमलेश चन्द्राकर, नोहर पटेल की उपस्थिति में किसान संतोष चन्द्राकर, प्रेमीन बाई एवं संतोष निर्मलकर से 364 कट्टा धान खरीदा गया। इसी तरह बगदेही में 364 कट्टा और मंदरौद में चार किसानों का 192 क्विंटल 40 किलो धान खरीदा गया। कापरेटिव बैंक कुरुद शाखा प्रबंधक टीके बैस ने एक बार फिर से अपने सहयोगी कर्मचारियों से हड़ताल खत्म कर काम पर वापस लौटने की अपील करते हुए कहा कि शासन के निर्देशानुसार हमने वैकल्पिक व्यवस्था बना ली है, सोमवार से सभी तैयारियों के साथ नियमित रूप से सभी सोसाइटियों में धान खरीदने की व्यवस्था उपलब्ध होगी।

मोखा धान खरीदी केंद्र में खरीदी का शुभारंभ, कृषकों में उत्साह

मोखा। खरीफविपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत मोखा धान खरीदी केंद्र में दिनांक 15 नवम्बर 2025 को धान खरीदी का विधिवत शुभारंभ किया गया। शुभारंभ कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ईशाप्रकाश साहू (पूर्व जनपद अध्यक्ष) थे। विशेष रूप से कौशल साहू (जिला उपाध्यक्ष), फागुराम सिन्हा, रितेश सेन 'साहिल' (मीडिया प्रभारी), श्रीमती अश्वनी साहू (सरपंच), युगल किशोर साहू, श्यामलाल सिन्हा (प्राधिकृत अधिकारी), दुलारू राम साहू, भागवत राम, नरेंद्र बागड़े, चंद्रहास पटेल (सचिव), तिलक सहरे (पटवारी), रामेश्वर ध्रुव, सुंदर साहू, उत्तम साहू, तथा अश्वनी साहू (पूर्व डायरेक्टर) की विशेष उपस्थिति रही।

गुरूर ब्लॉक के ग्राम पलारी सहकारी समिति में धान खरीदी प्रारंभ

गुरुर । गुरूर ब्लॉक। ग्राम पलारी सहकारी समिति में खरीफविपणन वर्ष 2025-26 के लिए धान खरीदी का शुभारंभ आज 15 नवंबर 2025 से विधिवत रूप से शुरू हो गया। धान खरीदी केंद्र में सुबह से ही किसानों की आवाजाही बनी रही एवं खरीदी प्रक्रिया शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। कार्यक्रम में अधिकारी, सीएमओ, प्रबंधक सहित भाजपा के वरिष्ठ नेता, जिला पंचायत सदस्य व जनपद सदस्य उपस्थित थे। उपस्थित जनों में लखन लाल, आशीष साहू, नंदकुमार, लीला राम, अशोक साहू, खेमलाल देवांगन, झुमक चौधरी, मितेश साहू, मुकेश साहू, सौरभ चौधरी, रमेश साहू सहित कई किसान एवं ग्रामीणजन शामिल रहे।

13 किसानों की टोकन के साथ धान खरीदी का शुभारंभ

कंवर। कंवर सोसायटी में आज 15 नवम्बर को खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए धान खरीदी का विधिवत शुभारंभ किया गया। प्रारंभिक चरण में 13 किसानों की टोकन प्रक्रिया पूर्ण करते हुए धान उपार्जन शुरू किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य तेज राम साहू, मंडल अध्यक्ष टुकेश्वर पाण्डेय, सरपंच बालचंद टंडन, प्राधिकृत सोसायटी अध्यक्ष छगन लाल साहू, ग्राम विकास समिति अध्यक्ष घना राम जेठमल सहित छगन साहू, त्रिलोकी गजपाल, धन्नूलाल टंडन, बिसंभर साहू, भगवानी साहू, रूपेन्द्र साहू, प्रेमानंद साहू तथा क्षेत्र के अनेक किसान बंधु उपस्थित रहे। अतिथियों ने शासन द्वारा किसानों के हित में चलाई जा रही योजनाओं एवं न्यूनतम समर्थन मूल्य पर समयबद्ध धान खरीदी व्यवस्था की सराहना की। सोसायटी प्रबंधन द्वारा किसानों को सुचारू, पारदर्शी और सुविधा युक्त खरीदी व्यवस्था का भरोसा दिया गया।

अरकार सोसायटी में पूजा अर्चना के साथ धान खरीदी प्रारंभ

अरकरार। गुरुर ब्लॉक के ग्राम अरकार स्थित धान सोसायटी में शुक्रवार, दिनांक 15 नवंबर 2025 को विधिवत पूजा-अर्चना कर धान खरीदी कार्य का शुभारंभ किया गया। शुभारंभ अवसर पर सोसायटी प्रबंधन एवं ग्राम प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सोसायटी अध्यक्ष रामकुमार शांडिल्य, सरपंच खेमलाल देवांगन, उपसरपंच मनोज कुमार ठाकुर, पूर्व जिला पंचायत सभापति केदारनाथ देवांगन, जनपद सदस्य झालेंद्र साहू, ललित चंद्राकार, बैंक मैनेजर पलारी, तोरण साहू, तख़्त राम जामरे, ओमप्रकाश साहू, कोटवार पन्ना लाल साहू, कुन्दन व्यास कोटवार, जयंत कोटवार हसदा, यशवंत साहू, तिरेंद्र साहू, पुरुषोत्तम साहू एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

धरसींवा धान खरीदी केंद्र का हुआ शुभारंभ

धरसीवां/नवप्रदेश। आज धरसींवा विधानसभा में धान खरीदी केंद्र पर, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में खरीफविपणन वर्ष 2025-26 के लिए धान खरीदी केन्द्र का भव्य शुभारंभ विधायक अनुज शर्मा के करकमलों से संपन्न हुआ। विधायक ने पूरे विधि

विधान के साथ पूजा अर्चना कर धान खरीदी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ की समृद्धि का यह सफर आज फिर एक नई उम्मीद और किसानों के अटूट विश्वास की रोशनी के साथ आगे बढ़ रहा है। कृषकों से समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन की प्रक्रिया आज से विधिवत प्रारंभ हो गई है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की गारंटी और माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के प्रभावी प्रबंधन के अंतर्गत इस वर्ष भी खरीदी प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, सुरक्षित और सुव्यवस्थित रूप में शुरू हो गई है।

पटेवा और बनपचरी में धान खरीदी केंद्रों का पूर्व विधायक ने किया शुभारंभ

महासमुंद/नवप्रदेश। पूर्व विधायक एवं भाजपा के चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक डॉ विमल चोपड़ा ने पटेवा और बनपचरी धान खरीदी केंद्र पहुंचकर धान खरीदी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर डॉ चोपड़ा ने किसानों को आश्वस्त करते

हुए कहा कि हड़ताल के कारण थोड़ी कठिनाइयां आ रही हैं, लेकिन सरकार इसे दूर करने का पूरा प्रयास कर रही है, शीघ्र ही धान खरीदी द्रुत गति से चालू होगी।

डॉ चोपड़ा ने कहा कि आज धान की आवक कम रही, जिसका मुख्य कारण है कि अभी किसान धान कटाई में व्यस्त हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि एक-दो दिनों में यह गति पकड़ेगी और कठिनाइयां दूर होंगी। इस दौरान पटेवा सोसाइटी अध्यक्ष रामेश्वरी पैकरा, लक्ष्मण पटेल, भाजपा नेता रविशंकर पैकरा, धीरेंद गिरी, नीतीश गजेंद्र, सुखराम ध्रुव, हेतराम ध्रुव, रामसिंह सिन्हा, सोसाइटी प्रभारी कुमारी नीलिमा और बनपचरी सोसाइटी अध्यक्ष टीकाराम पटेल, सुनील पटेल, खुगेश्वर पटेल, रामेश्वर पटेल, श्यामकुमार पटेल, हीरालाल पटेल, भुवन साहू, टेकलाल पटेल, देवनारायण साहू, तीरथराम दीवान, पप्पू पटेल आदि मौजूद थे।

मिरिटोला में धान खरीदी का शुभारंभ

पुरूर। आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित मिरिटोला (पुरूर) में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 हेतु धान खरीदी का शुभारंभ आज पूजा-अर्चना के साथ विधिवत रूप से किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, समिति पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि के रूप में जनपद पंचायत गुरूर की अध्यक्ष श्रीमती सुनती संजय साहू उपस्थित रहीं। साथ ही द्वारिका सिन्हा , राकेश सिन्हा , हीरामणि केजुराम तेजराम साहू , मिथलेश साहू , संजय साहू, कुंवर सिंह नागवंशी, कीर्तन साहू , महेश साहू, बिगेश्वर सिन्हा, रामस्वरूप, ललित माला, तुलसी साहू, मोहन साहू सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

धान खरीदी केंद्र में अव्यवस्था का उजागर, विधायक ओंकार ने कसावाही केंद्र में की औचक निरीक्षण

धमतरी/नवप्रदेश। आज धमतरी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कसावाही स्थित धान खरीदी केंद्र में विधायक श्री ओंकार साहू ने अचानक पहुँचकर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सामने आई अव्यवस्थाएँ चिंताजनक और सरकार की तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं।

विधायक साहू के पहुंचने पर केंद्र में न तो कोई किसान मौजूद था, न ही धान की खरीदी से संबंधित कोई गतिविधि दिखाई दी। केंद्र पूरी तरह खाली होने के बावजूद वहाँ तैनात नोडल अधिकारी यह तक नहीं बता सके कि आज कितने किसानों

के टोकन कटे हैं और कितने किसानों का धान खरीदी के लिए निर्धारित है।

विधायक साहू ने उठाए गंभीर सवाल

विधायक ओंकार साहू ने कहा कि सरकार धान खरीदी शुरू होने से पहले बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट है। कसावाही जैसे महत्वपूर्ण केंद्र में किसान अनुपस्थित हैं, धान नहीं है और नोडल अधिकारी को अपने मूल दायित्व की जानकारी तक नहीं! यह किसानों के साथ सीधा अन्याय है। उन्होंने आगे कहा कि खरीदी केंद्रों में इस प्रकार की लापरवाही यह दर्शाती है कि प्रशासनिक तैयारी अधूरी है और किसानों को जानबूझकर परेशानी में डाला जा रहा है।

धान खरीदी के प्रभारी प्रबंधक एवं ऑपरेटरों को दिया गया प्रशिक्षण

धान खरीदी में संलग्न कर्मचारियों की अनुपस्थिति पर होगी कार्रवाई

महासमुंद/नवप्रदेश। वन विभाग के ट्रेनिंग हाल में महासमुंद और बागबाहरा के सभी प्रभारी समिति प्रबंधक एवं डाटा ऑपरेटरों के प्रशिक्षण दिया गया।

कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने कहा कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शासन की महत्वपूर्ण प्राथमिकता में है। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही अथवा अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसानों की धान खरीदी को राज्य शासन ने अत्यावश्यक सेवा अधिनियम एस्मा के तहत शामिल किया है, अत: धान खरीदी में संलग्न कर्मचारी की अनुपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए एफआईआर की कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने कहा कि सभी प्रभारी प्रबंधक एवं डाटा एंट्री ऑपरेटर को दी गई जिम्मेदारी गंभीरता के साथ पूरा करें। उन्होंने कहा कि किसानों का प्रति एकड़ 21 क्विंटल की दर से धान खरीदा जाना है। इस संबंध में उन्होंने कहा कि प्रतिदिन टोकन काटा जा सकता है जो आगामी सातवें दिन के लिए लागू होगा। उन्होंने बताया कि टोकन तुहर हाथ के माध्यम से सुबह 8 बजे से 9 बजे तक टोकन काटा जा सकता है, और समिति में 9:30 बजे से शाम 5 बजे तक टोकन काट सकते हैं। उन्होंने किसानों को धान बेचने के बाद शेष रकबा समर्पण के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए और ऐसे किसानों को अधिक से अधिक रकबा समर्पण करने कहा गया है। प्रशिक्षण में धान खरीदी के संबंध में राज्य शासन के द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों का बारीकी से जानकारी दी गई एवं उनके अनुपालन के निर्देश दिए गए।

प्रशिक्षण में बताया गया कि धान आवक से पहले ही नमी का टोकन कटे हुये किसानों के द्वारा लाये गये धान का फड़ में अंदर लाने के एवं गुणवत्ता परीक्षण कर लेवें। तत्पश्चात ही फड़ में धान अंदर करावे। किसी भी स्थिति में समितियों में 05 बजे के बाद धान की खरीदी ना हो। फड़ में रखे रिजेक्टेड तथा अधिक नमी वाले धान को 05 बजे के पहले उठा लिया जावे ताकि उसी दिन स्टेकिंग कर लिया जावे। किसानों को जारी टोकन के आधार पर धान खरीदी हेतु उपार्जन केन्द्र में किसान उपस्थित होने उपरान्त ही किसानों को नया एवं पुराना बारदाना उपलब्ध कराया जाये। किसी भी स्थिति में किसानों को बारदाना खरीदी के पूर्व उपलब्ध नहीं कराया जाये। खरीदी केन्द्रों में सभी पंजी संधारित रखा जाये। टोकन रजिस्टर धान आवक रजिस्टर, बारदाना वितरण रजिस्टर, धान खरीदी रजिस्टर, तौल कांटा रजिस्टर स्टेक रजिस्टर, धान जावक रजिस्टर, निरीक्षण पंजी आदि।

कलेक्टर ने कहा कि धान खरीदी केन्द्रों में धान के बोरों की किस्मवार तथा नये पुराने बारदाने में भर्ती के आधार पर स्टेकिंग की जाये। स्टेन्सील खरीदी केन्द्रों को उपलब्ध करावे गये नये बारदाने में समिति का नाम, पंजीयन नम्बर एवं धान की किस्म की छपाई अनिवार्य रुप से किया जावे। धान के बोरो की सिलाई जूट रस्सी (सुतली) से करे। प्लास्टिक के रस्सी का उपयोग नहीं करना है। किसान से धान खरीदी करते समय किसान द्वारा खरीदी हेतु जारी कराये गये टोकन एवं उनके द्वारा प्रस्तुत ऋण पुस्तिका में दर्ज रकबे का मिलान कर लिया जाये।बचत रकबे का समर्पण किसान की सहमति लेकर किया जावे। सभी उपार्जन केन्द्र में औसत अच्छी गुणवत्त (स्वक्त) के धान के किस्सवार सैंपल किसानों के अवलोकन के लिए अनिवार्य रुप से प्रदर्शित किया जावे।

सोसायटी अध्यक्ष ने किया धान खरीदी का शुभारंभ

महासमुंद। भाजपा नेता व पिटियाझर सोसायटी अध्यक्ष रमेश साहू ने पिटियाझर मंडी परिसर में इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन की पूजा-अर्चना कर धान खरीदी का शुभारंभ किया। उन्होंने उपस्थित किसानों, हमालों व समिति कर्मचारियों से कहा कि धान खरीदी उत्सव सहकारी समिति कर्मचारियों सहित किसानों के लिए त्योहार से कम नहीं है। उन्होंने वर्तमान में आंदोलनरत समिति प्रबंधकों व कंप्यूटर ऑपरेटरों से निवेदन करते हुए कहा कि किसान हित व समिति हित को ध्यान में रखते हुए तत्काल धरना समाप्त कर काम पर लौटें।

धान खरीदी 15 नवंबर केवल घोषणा : उधोराम वर्मा

धरसीवां /नवप्रदेश। सरकार कंप्यूटर ऑपरेटर संघ जिला अध्यक्षों को गिरफ्तार कर बना रहे है दबाव ,सरकार की महत्वाकांक्षी योजना सरकार की लापरवाही की भेट चढ़ी, सरकार जोर शोर से धान खरीदी के लिए डिंडोरा पीटे वैकल्पिक व्यवस्था करने की बात कही लेकिन वास्तविकता उल्टे अलग दिखा अधिकतर जगहों पर नियुक्त कर्मचारी उपस्थित नहीं हुआ जिसके कारण टोकन कटाए किसान को बैरंग वापिस लौटना पड़ा एक तरफ सरकार की हठ धर्मियता के कारण सरकार आंदोलित कर्मचारियों से सार्थक चर्चा नहीं किए जिसका परिणाम है कि समिति प्रबंधक एवं कंप्यूटर ऑपरेटर हड़ताल करने मजबूर है ,उल्टे ये कंप्यूटर ऑपरेटर संघ

जिला अध्यक्षों को गिरफ्तार कर दबाव पूर्वक आंदोलनरत कंप्यूटर ऑपरेटर एवं समिति प्रबंधकों को धमकाकर आंदोलन तोड़ना चाहते है,भाजपा सरकार जानबूझ कर धान खरीदने में रोड़ा पैदा करवा रही है अगर ये तत्पर होते तो धन खरीदी की तैयारी 10दिन पहले करते अभी धान खरीदी चालू हो गया होता लेकिन कर्मचारी हड़ताल पर डटे हुए है ये सरकार का किसानों के प्रति सोच है ,जो किसान टोकन कटाए है वे समितियों में धान बेचने आए लेकिन अधिकतर जगहों पर वैकल्पिक व्यवस्था वाले कर्मचारी भी समितियों में नहीं पहुंचे जिससे किसान धान बेचने से वंचित हो गए,विभिन्न समितियों में टोकन कटवाने वाले किसान धान लेकर आए लेकिन कर्मचारियों की उपस्थिति नहीं होने एवं कोई तैयारी नहीं थे जिसके कारण धान खरीदी नहीं हो पाया तिल्दा ब्लॉक के बरतोरी,खोना एवं धरसीवा ब्लॉक के नीलजा एवं कुकेरा समितियों में कर्मचारी नहीं आने के कारण धान बेचने से किसान वंचित हो गए,जिला कांग्रेस अध्यक्ष उधोराम वर्मा ने मांग की है।

सांकरा आदिम जाति सेवा सहकारी समिति में धान खरीदी केंद्र का शुभारंभ

नगरी/नवप्रदेश। आदिम जाति सेवा सहकारी समिति सांकरा, पंजीयन क्रमांक 873 के अंतर्गत संचालित धान उपार्जन केंद्र में आज चारों उपार्जन केंद्रों का संयुक्त रूप से शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण कुमार सार्वा समिति के अध्यक्ष गिरवर लाल भंडारी, वन सभापति जनपद पंचायत नगरी राजेश नाथ गोसाई, नवागांव सरपंच नगीना सोम, भाजपा वरिष्ठ कार्यकर्ता रवि दुबे, नगरी मंडल महामंत्री श्रीमती सुलोचना साहू, हाई स्कूल शाला विकास समिति अध्यक्ष जन्मजय साहू, ग्राम व्यवस्था समिति उपाध्यक्ष पवन साहू सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि व संगठन पदाधिकारी शामिल हुए।इस अवसर पर वरिष्ठ कार्यकर्ता सुगनचंद साहू, नींबू चंद साहू, भीखम साहू, सहानू राम साहू, रमेश

साहू, साधु राम साहू, जनक साहू, भूषण साहू, अजब सिंह साहू, डिगेश्वर सिंह, क्षेत्र के किसान, जानकार जन एवं धान खरीदी केंद्र के समस्त दैनिक कर्मचारी उपस्थित रहे। जिसमे अतिथियों ने पूजा-अर्चना कर धान खरीदी कार्य का शुभारंभ किया और सरकार द्वारा किसानों के हित में चलाई जा रही उपार्जन प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने का आह्वान किया। शुभारंभ के साथ ही किसानों द्वारा धान तौल कराने की प्रक्रिया भी प्रारंभ हो गई है।

खरीदी केंद्र में नए शेड निर्माण का भूमिपूजन

रंजना साहू ने कहा - सरकार किसानों को उचित दाम देने के लिए प्रतिबद्ध

धमतरी/नवप्रदेश। प्राथमिक कृषि सहकारी संस्था डाही में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का विधिवत शुभारंभ किया गया। आयोजित कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। खरीदी केंद्र पहुँचते ही किसानों तथा ग्रामीणों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान खरीदी परिसर में स्वीकृत नए शेड निर्माण का भूमि पूजन भी संपन्न हुआ। अधिकारियों ने बताया कि शेड निर्माण होने से किसानों को खरीदी के दौरान सुविधा मिलेगी तथा मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों से फसल की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। समारोह में बड़ी संख्या

में किसान हितग्राही, जनप्रतिनिधि और संस्था के पदाधिकारी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि श्रीमती रंजना साहू ने कहा कि किसान हमारे अन्नदाता हैं और सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता हमेशा से किसानों का सम्मान और उनकी समृद्धि रही है। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी योजना किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य दिलाने का सबसे सशक्त माध्यम है, आज छत्तीसगढ़ में खरीदी की व्यवस्था लगातार मजबूत हो रही है, जिससे किसानों में विश्वास बढ़ा है।

न्यूज गैलरी

जनपद अध्यक्ष अंगिरा ध्रुव की अध्यक्षता में जीवन दीप समिति की बैठक सम्पन्न

धमतरी/नवप्रदेश। जीवन दीप समिति प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कंडेल कार्यकारणी सभा एवं साधारण सभा की बैठक जनपद अध्यक्ष अंगिरा ध्रुव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। जीवन दीप समिति कंडेल के सदस्यों की सहमति से विभिन्न कार्य एवं क्रय कराने की स्वीकृति प्राप्त हुई । साथ ही साथ अस्पताल आने वाले मरीजों के अच्छे इलाज की सुविधा की बात रखी गई । स्वास्थ्य सेवाओं को और प्रभावी बनाने, मरीजों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने तथा केंद्र की दैनिक कार्यप्रणाली को मजबूत करने पर विस्तृत चर्चा की गई। उक्त बैठक में सचिव डॉ ए जे खान खंड चिकित्सा अधिकारी गुजरा, श्री केशव साहू उपाध्यक्ष जनपद पंचायत धमतरी, जनपद सदस्य दिनेश्वरी साहू, श्री गिरधर सार्वा सरपंच ग्रामपंचायत कंडेल , श्री कृष्ण कुमार मरकाम विधायक प्रतिनिधि, श्री रोशन जी, हीरा लाल कुर्रे प्रभारी चिकित्सक , श्री मति स्वेता परमार ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर श्री शंभू रजक ब्लाक एकाउंटेंट एवं सोमेश साहू पी ए डी ए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कंडेल में उपस्थित रहे।

गौरव दिवस पर जनपद पंचायत बागबाहरा में जनजातीय नायकों को दी श्रद्धांजलि

बागबाहरा/नवप्रदेश। जनपद पंचायत बागबाहरा में बुधवार को जनजातीय गौरव दिवस का शानदार और गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष केशव चंद्राकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि उपाध्यक्ष तरुण व्यवहार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। विशेष अतिथि के रूप में महिला बाल विकास विभाग की सभापति मधुलिका चंद्राकर, भूमिका रामलाल सिन्हा, भूपेंद्र दीवान और भगवती राजकुमार ठाकुर मंचासीन रहे।दिवस की शुरुआत धरतीपुत्र बिरसा मुंडा, वीरनारायण और गुण्डाधुर के पूजन-वंदन से की गई। जनजातीय समाज के इन महान नायकों के शौर्य, उनके बलिदान और समाज उत्थान के योगदान को याद करते हुए कार्यक्रम में उपस्थित जनों ने उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

खेल-खेल में शिक्षा ही सीखने का सबसे बेहरतीन तरीका होता है

■ **एफएल एन मेला में 48 स्टॉल लगाकर बच्चों का किया गया आंकलन**

नगरी/नवप्रदेश। राज्य शैक्षिक एवं अनुसंधान परिषद छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार राज्य के सभी प्राथमिक विद्यालयों में 14 नवंबर को एफएल एन मेला का आयोजन किया गया। नई शिक्षा नीति के निपुण भारत अभियान के अंतर्गत बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एफएल एन मेला का आयोजन किया किया गया जिसमें विभिन्न अवधारणाओं के द्वारा बच्चों का बच्चों के द्वारा आंकलन किया गया।नगरी संकुल के इस मेले में भाषा, गणित, अंग्रेजी और बालवाड़ी के 48 स्टाल लगाए गए थे। अवधारणा स्टाल का संचालन विद्यालय के बच्चों ने किया और सभी बच्चे विभिन्न स्टाल पर जाकर गतिविधियां किया। सभी प्राथमिक शिक्षकों को लगभग 48 तरह के स्टाल के बारे में आनलाइन प्रशिक्षण देकर एफएल एन मेला की तैयारियां करवाई गई थी।मेले में विद्यार्थियों के आंकलन के बाद कमजोर बच्चों का चिन्हांकन कर उपचारात्मक शिक्षण देकर उनका अधिगम स्तर बढ़ाने के लिए प्रयास किए जाएंगे।नगर पंचायत नगरी के प्राथ.शाला दुर्गा चौक,बाँधापारा,चुरियारापारा,जंगलपारा,कोटपारा,राईसमिल पारा के सम्मिलित नेतृत्व में यह मेला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष बलजीत छाबड़ा,उपाध्यक्ष विकास बोहरा,एवं समस्त पार्षद नगर पंचायत नगरी के उपस्थिति में हुआ। नगर पंचायत अध्यक्ष,उपाध्यक्ष समेत सभी पार्षदों ने स्टॉल विजिट कर बच्चों के अवधारणा से रूबरू हुए। एफ एल एन जिला प्रशिक्षण प्रभारी कैलाश सोन ने बताया कि करके देखबो,सीख के रहिबो थीम पर आधारित यह एफ एल एन मेला बच्चों के आंकलन का बहुत ही सरल और रोचक तरीका है।विद्यार्थियों का खेल और गतिविधि के माध्यम से हिंदी,अंग्रेजी,गणित जैसे विषय में बहुत ही सरल तरीके से बिना शिक्षक के विद्यार्थियों के द्वारा ही आंकलन किया जाता है। डाइट नगरी प्राचार्य प्रकाश राय एवं एफ एल एन प्रभारी श्रीमती संगीता रणघाटी ने बताया कि पूरे जिले के 873 प्राथमिक विद्यालयों में एफएल एन मेला का आयोजन किया गया,जिसकी तैयारी हमारे जिले के शिक्षकों ने पूर्व से ही कर लिए थे।चारो विकासखंड में अधिकारियों के द्वारा उक्त मेले का मोनिटरिंग किया गया। हमारे जिले के सभी विद्यालयों के बच्चे,शिक्षक,शाला प्रबंधन समिति के सदस्य एवं पालकों ने बढ़चढ़ कर भाग लिए।कार्यक्रम में लोचन साहू,उमेश सोम,हुलास सूर्याकर,दीपनारायण दुबे,चमन साहू,जस साहू,मेनका सोम,विद्यावती सोम,अफसाना बेगम,किरणलता शांडिल्य,हेमलता निर्मलकर,जे.के.सोनी,यसवंतीनअग्रवाणी,पूर्णिमा साहू,नीतू गुप्ता,ऋतु बघेल,वंदना सोनी,अरुणा चौहान,रेवती साहू,देवंतीन ध्रुव,निरूपा लाहौरिया,खिरभान नेताम,कमला समुंद,जागेश्वर सोनबेर,ईश्वरी नेताम,फलेन्द्री निषाद,फुलबती साहू,झलप नाग,रंभबाई बिसेन आदि का सहयोग रहा।

गरियाबंद पुलिस द्वारा दो अलग-अलग प्रकरणों में

47.958 किलो ग्राम गांजा के साथ 4 आरोपियों को किया गिरफ्तार

■ **अवैध गांजा, 02 चार पहिया वाहन व 04 नग मोबाइल, कीमत 10 लाख 47 हजार 480 रुपए को पुलिस ने किया जब्त**

गरियाबंद/नवप्रदेश। गरियाबंद पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अवैध गांजा, हीरा के साथ वन्य जीवों के तस्करी पर रोकथाम एवं प्रभावी कार्यवाही हेतु समस्त थाना प्रभारियों को निर्देषित किया गया था। दिये गये निर्देष के परिपालन में समस्त थाना प्रभारियों द्वारा अपने अपने थाना क्षेत्रातंर्गत मुखबिर एवं थाना पेट्रोलिंग को सक्रिय किया गया था। दिनांक 14.11.2025 को थाना प्रभारी छुरा को मुखबिर से सूचना मिला कि एक सफेद रंग के तवेरा चार पहिया वाहन क्रमांक सी0जी0 07 एम 4128 में दो व्यक्ति ओड़िसा से ग्राम कोसमी छुरा की ओर जा रहे है। जिसकी सूचना मिलने पर थाना एवं सायबर सेल से टीम गठित कर ग्राम पीपराही मोड़ के पासे पहुँचकर घेराबंदी किया गया। मुखबिर के बताये अनुसार एक सफेद रंग का तवेरा चार पहिया वाहन आते दिखा जिसमें दो व्यक्ति बैठे थे। जिसे नाकाबंदी कर गाडी को रोकवाकर दोनो संदेहीयो का नाम पता पुछने पर अपना नाम 01.राजू रजक उर्फ झगरू पिता राममूरत रजक उम्र 45 वर्ष, निवासी पुरानी बस्ती वार्ड नम्बर 13 कोहमा, थाना स्मृति नगर, जिला दुर्ग छ0ग0 02. दिलीप साहू पिता षिवराम साहू उम्र 45 वर्ष, निवासी गदाचैक सुपेला वार्ड नम्बर 10, थाना सुपेला, जिला दुर्ग छ0ग0 बताया। चार पहिया वाहन तवेरा का विधिवत तलाषी बाद आरोपीयान के संयुक्त कब्जे से बरामद छोटे बड़े भूरे रंग से लिपटा हुआ कुल 38 पैकेट मादक पदार्थ गांजा वजन 29 किलो 408 ग्राम किमती 2,94,080 रूपये बरामद किया गया। उक्त गांजा के साथ घटना में प्रयुक्त एक सफेद रंग का चार पहिया तवेरा वाहन क्रमांक सी0जी0 07 एम 4128 किमती 2,50,000 रू. दो मोबाइल कीमती 4200 रूपये व नगदी रकम 1200 रूपया। कुल जुमला कीमती 5,49,480 रूपया को समक्ष गवाहन के कब्जा पुलिस लिया गया। मादक पदार्थ गांजा के खरीदी बिक्री के संबंध में आरोपी राजू रजक एवं दिलीप साहू से पुछताछ करने पर उक्त मादक पदार्थ गांजा को ओडिसा से खरीद कर दुर्ग में बेचना बताए। प्रकरण में संलिप्त आरोपियों की पतासाजी जारी है। जिसके विरूद्ध पृथक से एण्ड टू एण्ड कार्यवाही की जाएगी। आरोपियों का कृत्य अपराध धारा 20(बी) नारकोटिक एक्ट का अपराध घटित करना पाये जाने थाना छुरा में अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार का न्यायिक हिरासत में भेजी जाती है।

इस क्रम में दिनांक 14.11.2025 को थाना फिंगेश्वर के द्वारा मेन गेट के सामने संदिग्ध वाहनों का चेकिंग की जा रही थी। चेकिंग के दौरान कार सीजी 04 बी 0831 को रोककर पुछताछ करने पर वाहन क्रमांक सीजी 04 बी 0831 का चालक अपना नाम छम्मन साहू पिता परशु राम साहू उम्र 32 वर्ष साकिन सोनासिल्ली थाना गोबरा नयापारा जिला रायपुर छ0ग0 व कार के ड्रायवर सीट के बगल मे बैठे व्यक्ति अपना नाम किशन निषाद पिता खोरबाहरा निषाद उम्र 43 साकिन वार्ड नं0 11 शिवपारा भिलाई थाना सुपेला जिला दुर्ग के रहने वाले बताये दोनो संदेहियो से पूछताछ कर उनके चार पहिया वाहन का तलाशी लेने पर एक सफेद रंग के प्लास्टिक बोरी के अंदर 31 पैकेट भुरे रंग के सेलो टेप से लिपटा हुआ कुल वजन 18.550 किलो ग्राम किमती 2,78000 रूपये एंव घटना मे प्रयुक्त चार पहिया वाहन क्रमांक सीजी 04 बी 0831 किमती 2,00,000 रूपये व दो नग मोबाइल किमती 20,000 रूपये कुल जुमला किमती 4,98,000 रूपये को दोनो आरोपीयों के कब्जे से गवाहों के समक्ष जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया।

पीआईसी में लौहपुरुष पटेल की प्रतिमा लगाने और घड़ी चौक बनाने का लिया निर्णय

■ **विष्णु के सुशासन और अजय के विकास रथ को निरंतर गति देंगे : ज्योति**

कुरुद/नवप्रदेश। नगर पालिका कुरूद अध्यक्ष कक्ष में नगरपालिका बनने के बाद द्वितीय पी.आई.सी. बैठक संपन्न हुई। अध्यक्ष महोदया ज्योति भानु चन्द्राकर के अध्यक्षता मे 13 बिंदुओं वाली नगर विकास के एजेण्डा एवं अन्य विषय मे विकास कार्यो के लिए पालिका निधि से नगर को सुंदर बनाने एवं व्यवस्थित कुरूद बनाने संबंधी जैसे महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया, बैठक मे उपाध्यक्ष सहित सभी सभापतिगण बैठक में सम्मिलित होकर नगर विकास के लिए सर्व सम्मति से निर्णय लिए गए।

बैठक में मुख्य रूप से न पा अध्यक्ष ज्योति भानु चन्द्राकर ने सभी कुरूद नगरवासियों को बधाई देते हुए कहा कुरूद नगर में विष्णु के सुशासन और अजय के विकास रथ को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए हम सब तेज गति से काम करते रहेंगे।अध्यक्ष ज्योति भानु चन्द्राकर के विशेष पहल पर बायपास सिरसा चौक के चौराहे पर आकर्षक छोटा नगर घड़ी चौक सहित भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल जी के प्रतिमा लगाने का निर्णय किया गया, इसी प्रकार सांधा चौक से लेकर कारगिल चौक और बायपास मेघा रोड तक पेड़ों के चबूतरो मे मरम्मत-पेंटिंग कार्य, रोड डिवाइडरो मे मरम्मत- पेंटिग कार्य और शासकीय दीवारों में पेंटिंग कार्य, मेन रोड के सभी प्रसाधनो को सर्व सुविधा युक्त बनाने जैसे महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये। इसके साथ ही अध्यक्ष निधी से अब्दुल कलाम गार्डन को आकर्षक और सुंदर परिसर बनाने का निर्णय लिया गया। और कुरूद नगर की यातायात सुविधा को बेहतर बनाने के उद्देश्य से नगर के सभी चौक चौराहों में ट्रैफिक रोड डिवाइडर ख़रीदने के लिए निर्णय किया गया।

जनजातीय गौरव: सर्व आदिवासी समाज तहसील नगरी ने मनाई भगवान बिरसा मुंडा की जयंती

नगरी/नवप्रदेश। सर्व आदिवासी समाज तहसील नगरी में 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस भगवान बिरसा मुंडा जयंती मनाई गई । समाज प्रमुखों के द्वारा समाज को दिशा निर्देश करते हुए अपनी बात रखी गई । तत्पश्चात सर्व आदिवासी समाज तहसील नगरी द्वारा श्री मान जिलाधीश महोदय जी के नाम से नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया , की 11 नवंबर को एकलव्य आवासीय विद्यालय पथर्रीडीही में आदिवासी छात्र हिमांशु नेताम ग्राम भालूचुवा निवासी के द्वारा 11 नवम्बर 2025 को विद्यालय परिसर में आत्महत्या हुई, यह विद्यालय प्रशासन की लापरवाही और विद्यार्थीयों के सुरक्षा के प्रति असंवेदनशीतला का परिणाम है, छात्रो की सुरक्षा एवं मानसिक स्वास्थ हेतू स्थायी निगरानी समिति गठित की जाएं एकलव्य विद्यालयों में स्थानीय आदिवासी युवाओं की नियुक्ति को प्राथमिकता दी जाय।

अतः शासन प्रशासन से निवेदन है कि यह आत्महत्या की उच्चस्तरीय जांच कराकर, प्राचार्य, वार्डन एवं संबधित शिक्षक जो दोषि हो उस पर कठोर कार्यवाही किया जाय और भविष्य में इस प्रकार की घटना का पुनर्रावृत्ति न हो इसका भी ध्यान रखा जाय, उचित कार्यवाही नही होने पर सर्व आदिवासी समाज द्वारा उग्र आंदोलन किया जायेगा । साथ ही शासन प्रशासन से 7 सूत्रीय मांगों के साथ महामहिम राष्ट्रपति के नाम से नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया।

ग्राम मांढर के आत्मनिर्भर संकल्प भारत की बैठक में विधायक अनुज शर्मा व मोतीलाल साहू मुख्य वक्ता के रूप शामिल हुए

■ **आत्मनिर्भर भारत-यह देश को अपने पैरों पर खड़ा करने वाला संकल्प है: अनुज**

धरसीवां/नवप्रदेश। आज धरसींवा विधानसभा के ग्राम मांढर में विधानसभा स्तरीय आत्मनिर्भर संकल्प भारत बैठक आयोजित किया गया जिसमें धरसींवा विधायक अनुज शर्मा व मोतीलाल साहू मुख्य वक्ता के रूप में सम्मिलित हुए और कार्यकर्ताओं और जनता के बीच नई ऊर्जा का संचार किया।

इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत एक ऐसा विचार है जो भारत को आर्थिक, सामाजिक और तकनीकी रूप से स्वावलंबी बनाने का संकल्प है। आत्मनिर्भरता का अर्थ है कि एक राष्ट्र अपनी आवश्यकताओं को स्वयं पूरा करने में सक्षम हो और बाहरी सहायता पर निर्भर न रहते हुए अवश्यकतानुसार राष्ट्र के माँगो को पूरा कर सके। भारत जैसे विशाल और विविधता से भरे देश के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि हम अपनी जरूरतों को स्वयं पूरा करने का प्रयास करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान आत्मनिर्भर भारत अभियान की शुरुआत की थी। इसका मुख्य उद्देश्य था देश को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना, ताकि भविष्य में किसी भी संकट का सामना किया जा सके। इस अभियान के अंतर्गत सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में सुधार लाने के लिए कई नीतिगत निर्णय लेकर कई योजनाओं को प्रारंभ किया गया हैं। कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, रक्षा और उद्योग के क्षेत्र में विशेष रूप से आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया जा रहा है। यह अभियान 'लोकल फॉर वोकल' को भी प्रोत्साहित करता है, जिसका तात्पर्य है कि हमें देश में बने उत्पादों को प्राथमिकता देते हुए उन्हें वैश्विक बाजार में अलग पहचान देना।

प्रधानमंत्री मोदी जी ने स्पष्ट किया है कि भारत जब आत्मनिर्भरता की बात करता है, तो आत्मकेंद्रित व्यवस्था की वकालत नहीं करता, बल्कि दुनिया के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए उसकी मदद करना चाहता है। हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी का संकल्प हैं की 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने का7 इस संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना हमारा लक्ष्य है7

इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा , मोतीलाल साहू ,जिला एवं जनपद सदस्य, मंडल अध्यक्ष, युवा मोर्चा सहित सम्माननीय जन उपस्थित रहे।

नवविवाहिता पहुंची थाने, ससुराल वालों पर लगाई प्रताड़ना और परेशान करने के आरोप

■ **पति और सास-ससुर के खिलाफ एफआईआर दर्ज**

राजिम/नवप्रदेश। राजिम क्षेत्र में एक नवविवाहिता ने अपने पति और सास-ससुर के खिलाफ दहेज प्रताड़ना, गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी का गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर मामले की जांच में जुट गई है।

दरअसल, ग्राम परसदाजोशी निवासी पीड़िता मंजू उर्फसोनिया निषाद (24 वर्ष) ने अपनी शिकायत में बताया कि उसकी शादी फरवरी 2025 में सामाजिक रीति-रिवाजों के साथ रेखू राम निषाद से हुई थी। शादी के बाद से ही उसका पति, सास ढेलाबाई निषाद और ससुर नाथू निषाद कम दहेज लाने को लेकर उसे प्रताड़ित करने लगे।

11 नवंबर की रात घटी घटना

पीड़िता के अनुसार ससुराल वाले उसे रोजाना मायके से दहेज नहीं लाई हो कहकर प्रताड़ित करते थे और घरेलू काम-काज को लेकर ताने मारते थे। पीड़िता ने बताया कि 11 नवंबर 2025 की रात करीब 10.30 बजे वह अपने पति को बुलाने दूसरे कमरे में गई, तब उसके पति ने उससे गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान सास और ससुर भी वहां पहुंच गए और उन्होंने भी गाली-गलौज कर उसे धक्का-मुक्की की।

पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि मारपीट के दौरान पति और ससुर ने उसका गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की, जिससे उसके गले, हाथ और पीठ में चोट लगी। घटना के बाद उसने तुरंत अपने मायके फोन कर घटना की जानकारी दी। परिवार की सलाह पर वह अगले दिन 12 नवंबर 2025 को अपने माता-पिता के साथ थाना राजिम पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई।

जांच में जुटी पुलिस

पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी पति रेखू राम निषाद, सास ढेलाबाई निषाद और ससुर नाथू निषाद के खिलाफ धारा 85, 296, 115(2), 351(3), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पीड़िता ने आरोपियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

शरारती तत्वों ने आधार केन्द्र का लैपटॉप किया क्षतिग्रस्त

महासमुंद/नवप्रदेश। तहसील कार्यालय परिसर में शरारती तत्वों ने आधार केन्द्र में रखे लैपटॉप को तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया। सिटी कोतवाली में इसकी लिखित शिकायत की गई है। मिली जानकारी के अनुसार तहसील कार्यालय में संचालित आधार केन्द्र में कार्यरत विकास कुमार साहू ने सिटी कोतवाली पुलिस में शिकायत की है कि, 8 नवंबर की शाम आधार केन्द्र बंद करने से पहले केन्द्र का लैपटॉप को बैग में रखा और लकड़ी का बक्से के अंदर रखकर ताला लगाकर चाबी को ऑफिस में टेबल के दराज में रख दिया। और घर चला गया। रविवार अवकाश होने के कारण 10 नवंबर की सुबह कार्यालय समय पर काम पर आया तो लैपटॉप चालू करना चाहा तो चालू नहीं हुआ। जिसे कम्प्यूटर बनाने वालों को दिखाया तो उन्होंने अंदर से क्षतिग्रस्त होना बताया। विकास ने पुलिस को बताया कि सीसीटीवी कैमरे में खिड़की के रास्ते दो लोगों को अंदर आते देखा गया है।

पुल निर्माण मांग को लेकर सैंकड़ों ग्रामीण,स्कूली बच्चों ने नेशनल हाईवे में किया चक्काजाम

■ **शहर से 4 किलोमीटर की दूरी को 15 किलोमीटर घूमकर जाने को मजबूर**

■ **इलाज के लिए अस्पताल और स्कूल जाने वाले को अधिक परेशानी**

महासमुंद/नवप्रदेश। जिले के बसना ब्लॉक के 7 गांव के आक्रोशित सैंकड़ों ग्रामीणों ने कुड़ेकेल में पुल निर्माण की मांग को लेकर आज नेशनल हाईवे 53 पर चक्का जाम कर दिया। जिससे हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लगी रही। ढ़ाई घंटे नेशनल हाईवे पर आवागमन बाधित रहा। प्रशासन की ओर से नायब तहसीलदार के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने चक्का जाम समाप्त किया।बसना में शनिवार को ग्राम कुड़ेकेल, परसकोल, बिछिया, पोटापारा, मूढ़पाहर, जमड़ी, अरेकेल के महिला - पुरूष समेत बच्चों ने कुड़ेकेल में जर्जर हो चुके पुल निर्माण की मांग को लेकर नेशनल हाईवे 53 पर धरना देकर बैठ गए। ओर जमकर नारेबाजी करते रहे। जिससे नेशनल हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लगी रहीं। करीब ढ़ाई घंटे तक ग्रामीण नेशनल हाईवे पर डटे रहा। ग्रामीणों की मांग है कि कुड़ेकेल पुल का निर्माण किया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि 2005 में बनाया गया।

कुड़ेकेल पुल घटिया निर्माण के कारण पूरी तरह जर्जर हो चुका है और 2021 से इसे बंद कर दिया गया है। ग्रामीणों का कहना है शहर से गांव की दूरी करीब 4 किलोमीटर होता और घूम कर जाने पर वही दूरी 10 से 15 किलोमीटर घूमकर शहर आना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना विधानसभा चुनाव के दौरान गांव वालों ने चुनाव का बहिष्कार किया था लेकिन प्रशासन आश्वस्त किया था कि चुनाव के बाद पुल का निर्माण किया जाएगा। लेकिन चुनाव के दो साल बाद भी पुल का निर्माण नहीं किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि लंबी दूरी घूमकर जाने में सब से अधिक परेशानी छात्रों और बुजुर्गों को होती है। बीमार लोगों को अस्पताल जाने में भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

न्यूज गैलरी

कृषि महाविद्यालय के छात्रों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

भाटापारा/नवप्रदेश। दाऊ कल्याण सिंह कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र आलेसुर भाटापारा के चतुर्थ वर्ष के समस्त छात्र-छात्राएं, ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम के अंतर्गत स्थानीय शिवम उद्योग पोहा मिल का भ्रमण किया। पोहा मिल के मालिक संदीप भट्टर एवं मैनेजर जितेंद्र वर्मा के मार्गदर्शन में सभी छात्र-छात्राओं ने पोहा मिल का भ्रमण कर मिल व पोहा उत्पाद से संबंधित समस्त जानकारियों को प्राप्त किया। मैनेजर जितेंद्र वर्मा ने पोहा उत्पादन व विपणन संबंधित सम्पूर्ण जानकारियों से छात्रङ्कछात्राओं को अवगत कराया। यह कार्यक्रम कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एचएल. सोनबोईर, ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम के कॉर्डिनेटर डॉ. शरद श्राफ एवं कृषि अभियांत्रिक के सहायक प्रध्यापक डॉ. (इंजी) मनीषा साहू के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

संयंत्र द्वारा किए गये वृक्षारोपण की भौतिक सत्यापन व जांच की मांग

सिमगा/नवप्रदेश। अखिल भारतीय असंगठित कामगार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पप्पू अली ने क्षेत्रीय पर्यावरण

संरक्षण मंडल रायपुर से ग्राम पौंसरी स्थित मेसर्स लाला पाईप फैक्ट्री द्वारा किए गये वृक्षारोपण की भौतिक सत्यापन एवं विधिवत जांच करने की मांग की है। अली ने बताया कि आरटीआई से प्राप्त जानकारी के अनुसार सिमगा समीपस्थ ग्राम पौंसरी स्थित मेसर्स लाला पाईप स्पंज आयरन द्वारा 4000 वृक्ष रोपित किए जाने की जानकारी दी गयी है लेकिन वास्तव में 4000 वृक्षारोपण नहीं किया गया है। जिससे पर्यावरण प्रभावित हो रहा है। साथ ही प्रबंधन द्वारा पर्यावरण नियमों का उल्लंघन हो रहा है। उक्त मामले की शिकायतकर्ता पप्पू अली व स्थानीय जनप्रतिनिधि के समक्ष भौतिक सत्यापन करने व विधिवत जांच करने तथा गड़बड़ी पाए जाने पर संयंत्र के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की मांग की गयी है। अली ने कहा कहा कि उचित कार्यवाही नहीं होने की स्थिति में 30 दिन के बाद प्रकरण की शिकायत नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में याचिका दाखिल की जाएगी। जिसकी जवाबदारी क्षेत्रीय कार्यालय छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल रायपुर की होगी ।

चंदादेवी तिवाड़ी का निधन

भाटापारा/नवप्रदेश। स्थानीय राम सप्ताह चौक निवासी नगर के प्रतिष्ठित छाजूलाल बीजेलाल तिवाड़ी फर्म के संचालक स्व. प्रेमशंकर तिवाड़ी की धर्मपत्नी

चंदादेवी तिवाड़ी का 70 वर्ष की आयु में निधन हो गया।वे प्रकाश तिवाड़ी, प्रदीप तिवाड़ी (बंटी) एवं प्रमोद तिवाड़ी (पिंटु) की माताजी थी।उनका अंतिम संस्कार दोपहर बाद संपन्न हुआ,जिसमें काफी बड़ी संख्या में सामाजिक जन,व्यवसाई गण शामिल हुए।उनके निधन पर आदि गौड ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष हरगोपाल शर्मा ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

नपा अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने तरेंगा धान खरीदी केंद्रों का किया शुभारंभ

भाटापारा/नवप्रदेश। भाटापारा विधानसभा अंतर्गत तरेंगा एवं धुर्राबँधा धान खरीदी केंद्रों में इस वर्ष की धान खरीदी प्रक्रिया का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा की उपस्थिति में संपन्न हुआ। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी तथा राज्य के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेशभर में आज से धान खरीदी की प्रक्रिया आरंभ हो गई है।

सशक्त किसान, समृद्ध प्रदेश की संकल्पना के अनुरूप, किसानों की मेहनत और उन पर विश्वास का सम्मान करते हुए प्रति क्विंटल ?3100 की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी सुनिश्चित की गई है।

किसानों की सुविधा, पारदर्शिता और सुगमता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए तरेंगा एवं धुर्राबँधा केंद्रों में सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुव्यवस्थित रूप से की गई हैं, ताकि अन्नदाताओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। समयबद्ध और सुचारू खरीदी व्यवस्था क्षेत्र के कृषकों को राहत प्रदान करेगी तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाएगी। इस अवसर पर तरेंगा से धनेश साहू (सरपंच प्रतिनिधि), राकेश रात्रे, टोपेश्वर साहू, महादेव साहू, बजरंग साहू, मनोज भोई, आनंद देवांगन, जन्तराम चेलक, विनोद वर्मा, श् लखन वर्मा, टेकराम टीका, हरिचरण यदु, समिति प्रबंधक शिव यादव तथा धान खरीदी प्रभारी अजय दुबे सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

राजा जायसवाल ने लेवई धान खरीदी केंद्र का किया शुभारंभ

भाटापारा। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी का अभियान 15 नवम्बर शनिवार से शुरू हो गया हैं इसी कड़ी में जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 05 अंतर्गत लेवई सोसायटी में जिला पंचायत सभापति राजा जायसवाल ने पूजा- अर्चना की उन्होंने किसानों को गुलाब माला से स्वागत कर मुँह मीठा कराया और धान तौलकर खरीदी प्रक्रिया का शुरवात की ।खरीदी कार्य शुरू होते ही किसानों में उत्साह का माहौल देखने को मिला अधिकारियों ने बताया कि शासन के निर्देशों के अनुरूप खरीदी कार्य पूरी पारदर्शिता एवं सुव्यवस्थित से किया जाएगा। राजा जायसवाल ने अपने उध्बोधन में कहा कि विष्णु देव सरकार द्वारा किसानों की फसल की खरीदी 3100 सौ के भाव से प्रति एकड़ 21क्विंटल सुनिश्चित की गई है आज किसानों का उत्सव का दिन है हमारा राज्य किसानों से समृद्ध है हमारी सरकार किसानों की हितों का पूरा ध्यान रख रही हैं ।

सरस्वती शिशु मंदिर में झूलते बिजली के तार दुर्घटना को दे रहे आमंत्रण

डोंगरगांव/नवप्रदेश। क्षेत्र में बिजली व्यवस्था पहले से ही अव्यवस्थित है, लेकिन अब विभाग की लापरवाही लोगों की जान पर भारी पड़ती दिखाई दे रही है। ग्राम पंचायत खुज्जी स्थित सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में लगा बिजली मीटर पिछले कई दिनों से बोर्ड से निकलकर खुले में खतरनाक तरीके से झूल रहा है। विद्यालय प्राचार्य द्वारा लिखित शिकायत और वहां रजिस्टर में शिकायत दर्ज कराने के बावजूद अब तक विभाग द्वारा कोई कार्यवाही न किया जाना गंभीर लापरवाही माना जा रहा है।

विद्यालय परिसर में प्रतिदिन सैकड़ो बच्चे आवागमन करते हैं, ऐसे में झूलता बिजली मीटर किसी भी बड़े हादसे को जन्म दे सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि विभाग को बार-बार फोन करने और कार्यालय में जाकर शिकायत दर्ज कराने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा। गौरतलब है कि तीन चार वर्ष पहले भी स्कूल में एक बच्चे की विद्यालय के कक्ष से लगे शटर के ऊपर लटके सर्विस वायर में करंट आ जाने से मासूम बच्चे की चिपक कर मौत हो चुकी है। इसके बावजूद सुरक्षा मानकों और समय पर मरम्मत को लेकर विभाग की लापरवाही चिंता का विषय बनी हुई है। ग्रामीणों का आरोप है कि हाल ही में पदस्थ हुए जे.ई. न तो फोन रिसीव करते हैं और न ही मौके पर स्थिति देखने पहुंचते हैं, जिसके कारण उपभोक्ताओं में भारी आक्रोश है।

स्थानीय नागरिकों ने बिजली विभाग के उच्च अधिकारियों से तत्काल संज्ञान लेकर विद्यालय परिसर के झूलते मीटर की मरम्मत, सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि विभाग की उदासीनता किसी अनहोनी का इंतज़ार करती प्रतीत हो रही है, जिसे रोकना आवश्यक है।

सरस्वती शिशु मंदिर खुज्जी

हमने इसकी शिकायत एक महीने पहले जाकर विद्युत वितरण केंद्र खुज्जी में उनके रजिस्टर में दर्ज कराया था जिसके उपरांत आज तक उनके यहां से ना कोई स्टाफ देखने आया ना ही झूलते मीटर की कोई सुध ली

पिछले कई दिनों से लगातार मैं नई पदस्थ जे ई चन्द्रवशी मैडम को कॉल कर रहा हूं उनके द्वारा कॉल रीसीव भी नहीं किया जाता और एक दो बार जाने पर ऑफिस में वो नहीं मिली।

शाला विकास समिति अध्यक्ष सरस्वती शिशु मंदिर ।

शिक्षा संकाय द्वारा मनाई गई भगवान बिरसा मुंडा की जयंती

नवापारा राजिम/नवप्रदेश। सेठ फूलचंद अग्रवाल स्मृति महाविद्यालय के शिक्षा संकाय द्वारा भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती मनाई गयी। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्राचार्य डॉ. शोभा गावरी, उप प्राचार्य डॉ. मनोज मिश्रा, सहायक प्राध्यापक नयना पहाड़िया, प्रीति शाह, डॉ. सारिका साहू, चंद्रहास साहू, अखिलेश शर्मा, डॉ. संतोष शर्मा, ज्ञान प्रकाश साहू उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य डॉ. शोभा गावरी एवं उप प्राचार्य डॉ. मनोज मिश्रा ने सरस्वती माता के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर व दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। बिरसा मुंडा एक भारतीय आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी और लोक नायक थे, जिन्हें आदिवासी समाज के द्वारा धरती आबा (पृथ्वी के पिता) के रूप में पूजा जाता है। उन्होंने 19वीं सदी के अंत में ब्रिटिश शासन के खिलाफ मुंडा विद्रोह का नेतृत्व किया, जिसका उद्देश्य यूरोपीय लोगों को खदेड़कर एक स्वतंत्र मुंडा राज्य की स्थापना करना था। उन्होंने धार्मिक और सामाजिक सुधारों को भी बढ़ावा दिया और शराब, जादू टोना जैसी सामाजिक बुराइयों को छोड़ने के लिए प्रेरित किया।

इस कार्यक्रमों में कविता, भाषण, अमर गाथा, पोस्टर इत्यादि में क्रमशः खिलेश्वरी, खुशबू लता साहू, गोपेश साहू, लालचंद, निशा ध्रुव, ऐश्वर्या साहू, पूनम देवी, राहुल, रश्मि, सोनल सोनकर ने प्रस्तुति दी।

स्वप्निल भाजपा के जिला प्रवक्ता नियुक्त

पिथौरा/नवप्रदेश। भाजपा जिला कार्यकारणी घोषित भाजयुमो प्रदेश

कार्यसमिति सदस्य स्वप्निल तिवारी को जिला भाजपा का प्रवक्ता नियुक्त किया गया है उनकी नियुक्ति से पूरे जिले भर के भाजपा कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में खुशी व्याप्त है भाजपा के युवा नेताओं ने नियुक्ति पर खुशी जाहिर करते हुवे कहा है कि पार्टी के जिला संगठन में युवा वर्ग की प्रभावी भूमिका नजर आयेगी। जिला भाजपा अध्यक्ष एतराम साहू ने अपनी टिम का ऐलान किया है जिसमे पिथौरा के तेजतर्रार भाजयुमो नेता स्वप्निल तिवारी को प्रवक्ता बनाया गया है स्वप्निल लंबे समय से पार्टी संगठन में सक्रिय रहे है और पार्टी द्वारा सौपे गये विभिन्न दायित्वों का निर्वहन कर चुके है तिवारी पूर्व में युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष,युवा मोर्चा जिला कोषाध्यक्ष, युवा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य जैसे अन्य कई दायित्वों का निर्वहन करते रहे है साथ ही विभिन्न सामाजिक धार्मिक संगठनों में सक्रिय रहते हुवे तिवारी ने क्षेत्र में अपनी एक अलग ही पहचान बनाई है वर्तमान में सर्व ब्राह्मण समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष व श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिला अध्यक्ष भी है।

धान खरीदी का शुभारंभ: तराजू-बांट की पूजा-अर्चना से हुआ

भाटापारा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का महाअभियान शनिवार से औपचारिक रूप से शुरू हो गया है। यह अभियान राज्य के सभी जिलों में 31 जनवरी तक चलेगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में धान खरीदी के लिए सम्पूर्ण चाक-चौबंद और पारदर्शी व्यवस्था की गई है। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए इस साल राज्य में 2739 धान खरीदी केंद्र बनाए गए हैं, जहां किसानों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। वहीं, भुगतान की सुविधा सुगम बनाने हेतु माइक्रो एटीएम भी स्थापित किए गए हैं। खरीदी के पहले दिन प्रदेश में 18639 क्विंटल धान की खरीदी की गई।

इसी कड़ी में भाटापारा विधानसभा के टिकूलिया एवं लेवई में भाजयुमो प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अविनाश शर्मा ने धान खरीदी केन्द्रो में पहुंच कर धान खरीदी का शुभारंभ: इलेक्ट्रानिक मशीन की पूजा-अर्चना एवं धान खरीदी के पहले दिन किसानों का स्वागत फूल-मालाओं के साथ कर प्रारम्भ किया.कार्यक्रम को अविनाश शर्मा ने सम्बोधित कर कहा की पारदर्शी प्रक्रिया से हो खरीदी और समय पर भुगतान लक्ष्य उल्लेखनीय है कि - छत्तीसगढ़ सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि हर किसान बिना किसी परेशानी के अपना धान बेच सके, समय पर भुगतान पाए और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी एवं सम्मानजनक हो।

इसी कड़ी में जिला पंचायत सभापति श्रीकांत जायसवाल ने लेवई में कहा की धान खरीदना सरकार का ध्येय नहीं बल्कि, किसान के श्रम का सम्मान सुनिश्चित करना है और यही भावना इस पूरे अभियान की सबसे बड़ी शक्ति है।

बछड़े को चाकू से घायल करने वाले को समाज से किया बाहर

भाटापारा/नवप्रदेश। हटरी बाजार में गत दिवस एक बछड़े को चाकू से घायल करने के आरोप में गिरफ्तार इमरान कुरैशी को मुस्लिम समाज ने समाज से बहिष्कृत करते हुए समाज से बाहर कर दिया,यह निर्णय मुस्लिम समाज की हुई बैठक के बाद सामाजिक जनों की उपस्थिति में लिया गया।

मुस्लिम जमात खाने में समाज की बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए इंतजामिया कमेटी के सेकेट्री हाजी अब्दुल रशीद चौहान ने बताया कि 13 नम्बर की जुमेरात गाय के बछड़े को घायल करने की घटना घटित हुई थी और इस घटना के बाद पुलिस ने इमरान कुरैशी पिता मो तुराब को आरोपी बनाए जाने के बाद पूरे शहर समाज की हो रही बदनामी को ध्यान में रखते हुए मुस्लिम समाज की जनरल मीटिंग जमात खाने में हुई और बैठक में इस घटना की सभी ने निंदा करते हुए इसे अक्षम्य अपराध बताया तथा इस घटना के आरोपी इमरान कुरैशी सहित उसके पूरे परिवार को पूर्ण रूप से समाज से पूर्ण रूप बहिष्कृत करते हुए समाज से बाहर कर दिया। हाजी अब्दुल रशीद चौहान ने बताया कि सबसम्मती से लिए गए उक्त निर्णय के बाद उक्त परिवार से कोई संबंध नहीं रखेगा।

बैठक में प्रमुख रूप से मो यूसुफमेमन, मो सलीम खान,हसन भाई अहमद,शरीफ खान,अब्दुल कादिर, मो शमी,शेख गुलाम,मो रफीक, इकबाल अहमद, कसीम अशरफी, मो हारून,मो सलीम मौलाना,मो हसन, मोइन खान,मो जमील,अय्यूब बाठिया ,फैज रजा,नदीम भट्टी,समा खान सहित काफी तादाद में मुस्लिम समाज के लोग उपस्थित थे।

बिरनपारा दुगली में तेंदुए का आतंक, बछड़े को बनाया शिकार

नगरी/नवप्रदेश। नगरी विकास खण्ड के दुगली

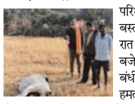

परिक्षेत्र के पुरानी बस्ती दुगली में बीती रात लगभग 12:30 बजे तेंदुए ने खेत में बंधी एक बछिया पर हमला कर उसे अपना शिकार बना लिया। यह बछिया बिरनपारा दुगली निवासी पशुपालक हीरालाल मरकाम पिता धनशाय मरकाम की थी।घटना की सूचना पर वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुँची और पंचनामा तैयार कर बछिया का पोस्टमार्टम किया। मौके पर उपसरपंच चंद्रभान नेताम, शंभूराम मरकाम सहित ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने रात्रि में लगातार तेंदुए की सक्रियता पर चिंता जताई और वन विभाग से रात में गश्त बढ़ाने तथा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है। जिसमे स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में वन्यजीवों की बढ़ती आवाजाही को देखते हुए तत्काल प्रभाव से सुरक्षा के उपाय किए जाने आवश्यक हैं।

मकबाहरा में तीन दिवसीय सेक्टर प्रशिक्षण का समापन

बागबाहरा/नवप्रदेश। एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा मकबाहरा में आयोजित तीन दिवसीय सेक्टर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन हुआ। यह प्रशिक्षण स्थानीय उद्यमियों को रिया (रेशा) और सूक्ष्म वन उपज के क्षेत्र में उद्यम स्थापना एवं मूल्य संवर्धन के लिए सक्षम बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को एमएफपी से जुड़े संभावित संभावनाओं, उत्पाद विकास, प्रसंस्करण , ब्रांडिंग, विपणन रणनीति और वित्तीय प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। प्रतिभागियों को यह भी बताया गया कि स्थानीय संसाधनों का उपयोग कर किस प्रकार बेहतर उत्पाद तैयार कर उन्हें बाजार में प्रतिस्पर्धी रूप से

स्थापित किया जा सकता है।प्रशिक्षण के समापन पर प्रतिभागियों ने इस आयोजन को ग्रामीण क्षेत्र में उद्यमिता को बढ़ावा देने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया और कहा कि ऐसे कार्यक्रम से रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त होते हैं। प्रशिक्षण के अंतिम दिन प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। प्रतिभागियों ने इस पहल को उपयोगी बताते हुए कहा कि इस प्रकार के व्यावहारिक प्रशिक्षण से उन्हें अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने की दिशा में नई प्रेरणा मिली है। यह कार्यक्रम जिले में सूक्ष्म वन उपज क्षेत्र में उद्यमिता विकास को बढ़ावा देने और स्थानीय समुदायों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ है।

50 बिस्तरीय अस्पताल का होगा उन्नयन

कुरूद/नवप्रदेश। विकासखण्ड कुरूद में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार हेतु वर्तमान संचालित 50 बिस्तरीय सिविल अस्पताल का उन्नयन कर 100 बिस्तर सिविल अस्पताल में हुआ है। जिसके नवीन अस्पताल भवन का भूमि पूजन कार्यक्रम अतिथियोंकी गरिमामयी उपस्थिति में दिनांक 17नवंबर सोमवार को प्रातः 11.00 बजे स्वामी विवेकानन्द इन्डोर स्टेडियम कुरूद परिसर में किया जाएगा।

सिविल अस्पताल कुरूद के100 बिस्तर के नवीन भवन के भूमिपूजन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्याम बिहारी जायसवाल मंत्री- लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास एवं बीस सूत्रीय क्रियान्वयन विभाग,अति विशिष्ट अतिथि श्रीमती रूपकुमारी चौधरी सासंद लोकसभा क्षेत्र महासमुन्द, अध्यक्षता अजय चन्द्राकर वरिष्ठ विधायक, एवं पूर्व केबिनेट मंत्री छ.ग. शासन विशिष्ट अतिथि अरूण सार्वा अध्यक्ष जिला पंचायत, धमतरी, दीपक महस्के अध्यक्ष छ.ग. मेडि. सर्विसेस कॉर्पोरेशन लि. राज्य मंत्री दर्जा, गौकरण साहू माननीय उपाध्यक्ष, जिला पंचायत धमतरी,

श्रीमती ज्योति भानु चन्द्राकर जअध्यक्ष नगर पालिका कुरूद), श्रीमती गीतेश्वरी साहू,अध्यक्ष जनपद पंचायत होंगे।

*लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग जिला धमतरी (छ.ग.) द्वारा इस भूमिपूजन कार्यक्रम में कुरूद विधानसभा के वरिष्ठ जनों एवं गणमान्य नागरिको को आमंत्रण कर इस अवसर पर मुख्य रूप से अपनी सहभागिता निभाने का आग्रह किया है।

जनजातीय दिवस | सांसद देवेंद्र प्रताप ने कहा, 2047 तक विकसित और आत्मनिर्भर भारत बनाने में सभी अपना योगदान दें

जल, जंगल, जमीन को लेकर अंग्रेजों के साथ पहली लड़ाई आदिवासियों से हुई : सांसद

भटगांव/नवप्रदेश। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर बिलाईगढ़ के आदिवासी बाहुल्य गांव बोड़ा में जिला स्तरीय कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह, अतिथि एवं कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने छत्तीसगढ़ महतारी, भगवान बिरसा मुंडा, शहीद वीर नारायण सिंह के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया। साथ ही राज्यगीत अरपा पैरी के धार का गायन किया गया और पीएम मोदी के जनजातीय दिवस का लाइव प्रसारण किया गया। कार्यक्रम स्थल को रंगोली से सजाया गया था। मुख्य अतिथि का स्वागत जनजातीय समाज के लोगों ने पारंपरिक गीत और नृत्य के साथ किया,

जिसमें अन्य बालिकाओं ने भी नृत्य में शामिल हुई। बोड़ा में जनजातीय दिवस को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान दोपहर सामूहिक भोजन की भी व्यवस्था आदिवासी विकास विभाग द्वारा की गई थी। इसमें जिले एवं बिलाईगढ़ क्षेत्र के आदिवासी समाज के लोग, आसपास गांवों के ग्रामीण, पत्रकारगण प्रशांत प्रधान, राजू निराला, बसंत सोनी, राजकुमार जांगड़े आदि उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि की आसंदी से राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप ने कहा कि हमारे देश के आदिवासियों के इतिहास को छुपाया गया था, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने उजागर किया है। अंग्रेज व्यापारी बनकर आये थे, उनकी निगाह देश के जल, जंगल जमीन पर थी और जल, जंगल जमीन छीनने की कोशिश में अंग्रेजों का पहली लड़ाई आदिवासियों के साथ हुआ था। छत्तीसगढ़ में सभी रियासत आदिवासियों की थी। आज से 150 साल पहले झारखण्ड क्षेत्र में बिरसा मुंडा ने जन्म लिया, उन्होंने अपनी शिक्षा के दौरान ईसाई धर्म से संचालित स्कूल के मिशनरी शिक्षा और संस्कृति को त्यागकर जनजाति परम्परा, बैगा पुजारी से मुलाक़ात किया तो मिशनरी के द्वारा किए जा रहे धर्म परिवर्तन का पता चला। बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों से लड़ा, जिसके कारण उन्हें रांची के जेल में उन्हें रखा गया और जहर देने के कारण उनकी मृत्यु हुई। 1875 में ही जन्म लिए सरदार वल्लभ भाई पटेल ने बिरसा मुंडा के नक्शे कदम पर चलकर हमारे देश भारत के 565 रियासतों का विलय कराया था, जिसमें राजा चक्रधर सिंह ने 8 अगस्त 1947 को रायगढ़ रियासत को विलय किया था। इसी प्रकार हैदराबाद, भोपाल, जूनागढ़, कश्मीर में सैन्य बल, जनमत आदि के माध्यम से देश में विलय कराया, आज विलय नहीं होता तो नासूर पाकिस्तान को देश के रियासत को अपनी ओर करने का मौका मिलता। हमारे देश के बहादुर रानी दुर्गावती, छत्तीसगढ़ के शहीद वीर नारायण सिंह आदि ने देश की सेवा में बलिदान दिया है। सांसद देवेंद्र प्रताप ने कहा कि पीएम मोदी ने देश को 2047 तक विकसित भारत बनाने का लक्ष्य रखा है।

न्यूज गैलरी

सिद्धार्थ शेष बने सीए

रायपुर/नवप्रदेश। समता कालोनी निवासी सिद्धार्थ शेष ने चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) की परीक्षा उत्तीर्ण कर परिवार सहित मराठी समाज का नाम रोशन किया है। सिद्धार्थ महाराष्ट्र मंडल के आजीवन सभासद शशांक और प्रीति शेष के पुत्र हैं। अपनी इस कामयाबी पर सिद्धार्थ ने कहा कि इस सफलता में सबसे बड़ा योगदान मेहनत, अनुशासन, दृढनिश्चय, अटूट विश्वास और धैर्य का है। इनके बिना सफलता संभव नहीं थी। सिद्धार्थ के मुताबिक सितंबर 2025 में वे सीए में सफलता प्राप्त करके, दोनों ग्रुप क्लियर करके चार्टर्ड अकाउंटेंट बने। देर रात तक पढ़ाई करके और लगातार प्रयास करके ही इस मुकाम तक पहुंच सके। सिद्धार्थ की इस सफलता पर महाराष्ट्र मंडल के अध्यक्ष अजय मधुकर काले, सचिव चेतन दंडवते और कार्यकारिणी ने शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

एसआईआर निगरानी के लिये कांग्रेस ने बनाया कंट्रोल रूम

रायपुर/नवप्रदेश।छत्तीसगढ़ प्रदेश में हो रही एस.आई.आर (ैचमबपंस प्दजमदेपअम त्मअपेपवद) कार्यक्रम के निगरानी हेतु छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज जी के निर्देशानुसार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, राजीव भवन, रायपुर में प्रदेशस्तरीय कंट्रोल रूम का गठन किया गया है, जो निम्नानुसार है-संयोजक सलाम रिजवी, सदस्यगण चंद्रवती साहू, पल्लवी सिंह, पूजा देवांगन, लक्ष्मी देवांगन, साक्षी सिरमौर, दीप्तेश चटर्जी, अशोक चतुर्वेदी, गीता सिंह, प्रेमलता बंजारे, कविता वर्मा, प्रेरणा साहू, डिम्पल खान, दिनेश निर्मलकर, अनिल मित्तल, जयप्रकाश साहू, सादिक अली, मोहसिन खान है।गठित कंट्रोल रूम के संयोजक एवं सदस्यों से आग्रह है कि, एस.आई.आर कार्यक्रम के सुचारू संचालन हेतु समस्त जिला /शहर नगर/ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों, ब्लाक प्रभारियों, विधायक / विधायक प्रत्याशियों सहित वरिष्ठ नेताओं एवं एआईसीसी द्वारा गठित एस.आई.आर समिति के संयोजक, सह-संयोजक एवं सदस्यों से समन्वय स्थापित कर कार्यक्रम को सफल बनाने की दिशा में समुचित कार्यवाही करेंगे।

8.50 करोड़ के संदिग्ध ट्रांजेक्शन मामले में 3 गिरफ्तार

राजनांदगांव/नवप्रदेश। जिला खैरागढ़ हुईखदान-गंडई पुलिस को साइबर धोखाधड़ी संबंधी इनपुट प्राप्त हुआ था। जिस पर कार्रवाई करते हुए ऑनलाइन साइबर फ्रॉड से अर्जित करोड़ों रुपए के लेनदेन में संलिप्त तीन म्यूल खाता धारकों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि समन्वय पोर्टल से मिली सूचना के परीक्षण में पाया कि बैंक ऑफ महाराष्ट्र शाखा खैरागढ़ के तीन खातों में ऑनलाइन ठगी से अर्जित अवैध धनराशि जमा की गई है। जिसमें यज्ञदत्त यादव 29 वर्ष निवासी खजरी थाना घुमका राजनांदगांव, भोजराम वर्मा 29 वर्ष और नारद रजक 28 वर्ष निवासी नवागांव कला थाना खैरागढ़ के खातों में कुल 8,65,16,376 रुपए का ट्रांजेक्शन पाया गया। आरोपियों ने अपने बैंक खातों का उपयोग अवैध धन के हेरफेर के लिए किया। इस पर थाना खैरागढ़ में धारा 317(2), 317(4), 318 (4), 61(2)(श्वद्ब) बीएनएस तथा 66-डी के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई। मामले की निगरानी व खोजबीन के लिए विशेष टीम गठित की गई। कार्रवाई के दौरान सभी तीनों खाता धारकों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उन्होंने साइबर धोखाधड़ी में संलिप्तता स्वीकार की। आरोपियों को गिरफ्तार कर 15 नवंबर को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। प्रकरण में अन्य की संलिप्तता के संबंध में जांच जारी है।

बंधक जमीन का सौदा कर 7 लाख की धोखाधड़ी

राजनांदगांव/नवप्रदेश। बैंक में बंधक जमीन का विक्रय सौदा कर 7 लाख रुपए की धोखाधड़ी कर ली गई। गौरी नगर निवासी प्रार्थी ने मामले की शिकायत दर्ज कराई। जिसके बाद कोतवाली पुलिस ने आरोपी पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि प्रार्थी शेख आरीफ ने डोंगरगढ़ के पलांदुर में रहने वाले खेलावन वर्मा से जमीन का सौदा किया था। खेलावन की जमीन खैरझिटी में मौजूद है, जिसका सौदा 15 लाख रुपए में हुआ। इकरारनामा बनाकर आरोपी खेलावन वर्मा ने प्रार्थी से 7 लाख रुपए एडवांस लिए और 5 महीने बाद शेष राशि लेकर रजिस्ट्री की बात कही। लेलेकिन निर्धारित समय के बाद भी आरोपी ने जमीन का पंजीयन नहीं कराया। प्रार्थी ने जब उक्त जमीन की पतासाजी की तो जमीन पूर्व से ही बैंक में बंधक होना पाया। जिसके बाद उन्होंने धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपी खेलावन वर्मा पर मामला दर्ज कर लिया है।

70 लाख खर्च फिर भी अंधेरे में उसलापुर स्टेशन रोड

बिलासपुर/नवप्रदेश। बिलासपुर रेल मंडल प्रशासन ने उसलापुर रेलवे स्टेशन बिल्डिंग, प्लेटफार्म और सर्कुलेटिंग एरिया के सौंदर्याकरण पर लगभग 17 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। सड़क पर रोशनी की व्यवस्था के लिए रेलवे प्रशासन ने 70 लाख रुपए से अधिक खर्च किए हैं। इसके बावजूद शाम ढलते ही स्टेशन पहुंचने वाली मुख्य सड़क और सर्कुलेटिंग एरिया से कॉलोनियों को जाने वाली पूरी सड़क अंधेरे में डूब जाती है। इस गंभीर समस्या के कारण यात्रियों और आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

डीकेएस हॉस्पिटल में होगा गठिया-वात का इलाज खुलेगा रूमेटोलॉजी विभाग

■ 17 नवंबर को वॉक-इन इंटरव्यू, असिस्टेंट प्रोफेसर की होगी भर्ती

रायपुर/नवप्रदेश। डीकेएस सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में रूमेटोलॉजी और एंडोक्राइनोलॉजी दोनों विभाग जल्द शुरू होने वाले हैं। रूमेटोलॉजी विभाग के लिए मौखिक सहमति मिल चुकी है और दोनों विभागों की औपचारिक मंजूरी 17 नवंबर को होने वाली जनरल बॉडी की बैठक में मिलने की पूरी संभावना है। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री, स्वास्थ्य सचिव, चिकित्सा शिक्षा विभाग तथा अस्पताल प्रबंधन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

अस्पताल प्रबंधन ने दोनों विभागों के संचालन के लिए 17 नवंबर को असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर वॉक-इन इंटरव्यू आयोजित किया है। विभागों के लिए 10-10 बेड वाले वार्ड स्थापित करने का प्रस्ताव भी बनाया गया है। इन विभागों के शुरू होने से गठिया-वात, हार्मोन असंतुलन, डायबिटीज और रूमेटिक संबंधी बीमारियों के मरीजों को बेहतर और विशेषज्ञ उपचार मिल सकेगा।

डायबिटीज और जोड़ों के दर्द के बढ़ते मरीज, नई यूनिट की जरूरत मजबूत

राजधानी सहित पूरे प्रदेश में डायबिटीज के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। अब 10 वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों में भी टाइप-2 डायबिटीज के मामले सामने आ रहे हैं, जबकि कम उम्र के बच्चे टाइप-1 यानी जेनेटिक डायबिटीज से जूझ रहे हैं। वहीं जोड़ों तथा हड्डियों के दर्द के मरीजों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। अभी ऐसे मरीजों का इलाज हड्डी रोग और सामान्य चिकित्सा विभाग के डॉक्टर कर रहे हैं, जबकि रूमेटोलॉजी एक सुपर स्पेशलिटी विभाग है, जिसके लिए एमडी मेडिसिन के बाद डीएम या डीएनबी करना अनिवार्य है।

स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया ने 22 सितंबर को अस्पताल का निरीक्षण किया था। इसी दौरान अस्पताल प्रशासन ने दोनों विभाग शुरू करने की मांग रखी थी, जिसके बाद सचिव ने विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर भेजने के निर्देश दिए थे। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में राज्य के किसी भी सरकारी मेडिकल कॉलेज में रूमेटोलॉजिस्ट या एंडोक्राइनोलॉजिस्ट विशेषज्ञ उपलब्ध नहीं हैं।

आसमान की ऊंचाइयों में कैरियर बनाने का सपना अब हो रहा है साकार

रायपुर/नवप्रदेश। युवाओं का आसमान में उड़ान भरने का सपना अब तेजी से साकार हो रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के विशेष प्रयासों का परिणाम है कि जशपुर जिले के पी.एम.श्री जवाहर नवोदय विद्यालय को थर्ड सीजी एनसीसी एयर स्क्वाड्रन की स्वीकृति प्राप्त हुई है। इसी क्रम में यहां के एनसीसी कैडेट्स अब जगदलपुर में अगले चरण का उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। विद्यालय के पांच कैडेट्स आकाश बंजारे, आर्यन निकुंज, अथर्व भगत, अंश कुमार भगत और उत्कर्ष यहां पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इनके कोच कमलेश विश्वकर्मा है।

विभिन्न उड़ान कोर्सों का दिया जा रहा है प्रशिक्षण

पहले जशपुर में पहली बार रायपुर के बाहर बेस फ्लाइंग ट्रेनिंग का प्रथम चरण सफलतापूर्वक आयोजित हुआ था। अब दूसरे चरण के लिए जगदलपुर को चयनित किया गया है। आगामी चरण अंबिकापुर, बिलासपुर और दुर्ग-भिलाई में प्रस्तावित हैं। यह सभी आयोजन रायपुर ग्रुप तथा मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ एनसीसी निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में संचालित किए जा रहे हैं। प्रशिक्षण सिंगल इंजन ट्वीन सीटर वायरस एसडब्ल्यू 80 विमान से विभिन्न उड़ान कोर्सों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस माइक्रोलाइट विमान में उड़ान भरना कैडेट्स के लिए न केवल हवाई प्रशिक्षण का पहला अवसर है, बल्कि सीमित समय और नियंत्रित वातावरण में उनके निर्णय लेने के कौशल को विकसित करने का महत्वपूर्ण साधन भी है।

कैडेट्स राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जुड़ने दे रहे हैं संदेश

प्रशिक्षण कार्यक्रम में सेना, भारतीय वायुसेना, जिला प्रशासन तथा पुलिस विभाग का सतत सहयोग मिल रहा है। साथ ही कैडेट्स को एनसीसी के मूलमंत्र एकता और अनुशासन को आत्मसात करते हुए राज्य के भविष्य, विकास और राष्ट्रनिर्माण की मुख्यधारा से जुड़ने का संदेश भी दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने जेएनवी के एयर एनसीसी के लिए चयनित 25 विद्यार्थियों को एनसीसी कैडेट्स का बैच लगाकर पंजीयन की थी शुरुआत-

मुख्यमंत्री ने विगत दिवस पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय के एयर एनसीसी के लिए चयनित 25 मेधावी विद्यार्थियों को एनसीसी कैडेट्स का बैच? लगाकर पंजीयन की शुरुआत की थी। इनमें 13 बालिकाएं और 12 बालक शामिल हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने एनसीसी दिवस समारोह के दौरान इच्छा व्यक्त की थी कि छत्तीसगढ़ में केवल रायपुर में ही एयर एनसीसी और उड़ान का प्रशिक्षण दिया जाता है, जबकि जगदलपुर, बिलासपुर, अंबिकापुर और जशपुर जैसे स्थानों पर भी हवाई पट्टियों की सुविधा उपलब्ध है। मुख्यमंत्री की इस पहल के सकारात्मक परिणामस्वरूप मार्च माह में जशपुर आगडीह हवाई पट्टी को 3 सीजी एयर एनसीसी स्क्वाड्रन के लिए स्वीकृति प्रदान की गई ।और एक माइक्रोलाइट विमान को प्रशिक्षण हेतु जशपुर भेजा गया।

शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम का होगा कायाकल्प

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के क्रिकेट फैंस के लिए खुशखबरी है। राजधानी रायपुर अब जल्द ही टेस्ट क्रिकेट की दुनिया में अपनी दस्तक दे सकता है। राज्य सरकार ने नवा रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम को 30 साल की लंबी लीज पर छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ को सौंप दिया है। साय कैबिनेट की बैठक में लिए गए इस फैसले ने रायपुर में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट का भविष्य तय कर दिया है।

बता दें कि वनडे और टी-20 मैचों की सफल मेजबानी के बाद अब रायपुर का ये खूबसूरत स्टेडियम टेस्ट क्रिकेट के लिए तैयार हो रहा है। इस मैदान पर भारत बनाम दक्षिण अफ्रिका का वनडे मुकाबला खेला जाएगा। राज्य शासन से 30 साल की लीज मिलने के बाद छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ ने स्टेडियम के कायाकल्प का पूरा खाका तैयार कर लिया है। अब तक संघ सिर्फ मैदान की देखरेख करता था, लेकिन अब पूरा स्टेडियम संघ के पास होने से यहां बड़े बदलावों की तैयारी है।

मॉर्डन सुविधाएं जोड़ने की तैयारी-छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के डायरेक्टर विजय शाह ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम रायपुर को लेकर कई सारी योजनाएं हमारे दिमाग में थी। हम जल्द ही बीसीसीआई के रोटेशन प्रणाली में शामिल हो जाएंगे, जिससे लगातार मैचों की अगुवाई का असवर मिलते रहेगा। उन्होंने बताया कि वह स्टेडियम को नए रूप में तैयार करना चाहते हैं। स्टेडियम के एक्टीरियर और इंटिरयर को आज के जमाने के अनुसार मॉर्डन टच देना चाहते हैं। आगे कहा कि स्टेडियम को बने लगभग 25 साल हो गए हैं। स्टेडियम में प्रैक्टिस विकेट्स, स्विमिंग पूल और जिम की कमी है, जिसे दूर करते हुए अंतराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं दी जाएंगी।

: खेल मंत्री अरुण साव-डिप्टी सीएम एवं खेल मंत्री अरुण साव ने कहा कि स्टेडियम को राज्य सरकार ने लीज में देने का निर्णय लिया है।

पुनर्निमित दिव्यांग बालिका विकास गृह की विधिवत पूजा

■ महाराष्ट्र मंडल ने बहुप्रतीक्षित आपुलकी प्रकल्प की ओर बढ़ाया एक और कदम

रायपुर/नवप्रदेश। महाराष्ट्र मंडल के दिव्यांग बालिका विकास गृह के पुनर्निर्माण के बाद शनिवार शाम को सचिव चेतन गोविंद दंडवते ने उपाध्यक्ष गीता को पति श्याम दलाल के साथ यजमान बनाते हुए पूजा की। पूजा के बाद हवन में मंडल अध्यक्ष अजय मधुकर काले सहित समुचित कार्यकारिणी, विभिन्न समितियों के पदाधिकारी और सभासदों ने हिस्सा लिया। इस आयोजन के बाद महाराष्ट्र मंडल ने अपने बहु प्रतीक्षित आपुलकी प्रकल्प की ओर एक कदम और बढ़ा दिया है। बताते चलें की महाराष्ट्र मंडल ने समता कॉलोनी स्थित दिव्यांग बालिका विकास गृह का पुनर्निर्माण करते हुए यहां पर अस्थि बाधित दिव्यांग बच्चियों, मुक- बधिर दिव्यांग बच्चियों सहित वरिष्ठ नागरिकों के डे केयर सेंटर की व्यवस्था की गई है। जिसे आपुलकी प्रकल्प नाम दिया गया है।

हाल ही में कलेक्टर गौरव सिंह और वित्त सचिव मुकेश बंसल ने महाराष्ट्र मंडल में अध्यक्ष अजय काले को दिए सौजन्य भेंट में मंडल की आपुलकी योजना पर दिलचस्पी दिखाई थी और इसे छत्तीसगढ़ शासन के नए सियान गुड़ी योजना के साथ जोड़कर शुरू करने की बात कही थी। सौजन्य भेंट के बाद कलेक्टर गौरव सिंह अतिशीघ्र दिव्यांग बालिका विकास गृह के नवनिर्मित भवन का दौरा कर सियान गुड़ी योजना के तहत वरिष्ठ नागरिकों के दिनभर रहने की व्यवस्था का निरीक्षण करने के बाद योजना के क्रियान्वयन को लेकर आवश्यक दिशा- निर्देश देने की बात कही थी।

अब उम्मीद की जा रही है कि दिसंबर प्रथम सप्ताह तक महाराष्ट्र मंडल का आपुलकी प्रकल्प शासन की सियान गुड़ी योजना के साथ शुरू हो जाएगा।

पीएमश्री स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी विद्यालय अभनपुर -सफलता की नई पहचान

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर जिले में अभनपुर के पी.एम. श्री स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय छत्तीसगढ़ शासन की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था का उज्ज्वल उदाहरण बनकर उभर रहा है। विद्यालय द्वारा शैक्षणिक, सह-पाठ्यक्रम तथा अधोसंरचना विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करते हुए नई उपलब्धियाँ हासिल की हैं। शासन द्वारा संचालित सरस्वती सायकल योजना, मध्यान्ह भोजन, महतारी दुलार योजना सहित अन्य योजनाओं का लाभ बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को मिल रहा है, जिससे उनके शैक्षणिक भविष्य को मजबूती मिली है।

प्रतियोगिताओं में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन

विद्यालय के विद्यार्थियों ने राज्य, जिला एवं संभाग स्तर की विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में विद्यालय ने संभाग स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त किया। स्केटिंग प्रतियोगिता 2025 में छात्र गगन देवांगन ने राज्य स्तरीय सफलता अर्जित कर राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित होकर विद्यालय को नई पहचान दिलाई।

आधुनिक अधोसंरचना और शैक्षणिक सुविधाएँ

विद्यालय में लगभग 5000 पुस्तकों से युक्त समृद्ध पुस्तकालय, पूर्ण सुसज्जित विज्ञान प्रयोगशाला तथा 25 कंप्यूटरों से सुसज्जित आधुनिक कंप्यूटर लैब उपलब्ध है। ये सुविधाएँ विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक के साथ सीखने और नवाचार की दिशा में आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करती हैं। विद्यालय परिसर में स्वच्छता एवं हरियाली पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जिसके अंतर्गत कई पौधों का रोपण कर उनकी नियमित देखभाल की जाती है।

विशेषज्ञ एवं प्रशिक्षित शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका

विद्यालय में विषय विशेषज्ञ एवं प्रशिक्षित शिक्षक कार्यरत हैं, जो नियमित रूप से विभिन्न प्रशिक्षण, वेबिनार और कार्यशालाओं के माध्यम से अपनी शिक्षण पद्धतियों को और अधिक उन्नत करते रहते हैं। शिक्षकों की मेहनत, ईमानदारी और समर्पण से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो रहा है।

स्टेशन परिसर में ऑटो चालकों की लूट 3 किमी. के लिए 80 से 100 रुपए की मांग

रायपुर/नवप्रदेश। रेलवे स्टेशन परिसर में खड़े रहने वाले ऑटो चालक यात्रियों से मनमाना किराया वसूल रहे हैं। यहां प्री-पेड बूथ होने के बाद भी ऑटो चालक यात्रियों से तय रेट से ज्यादा किराया ले रहे हैं। कई ऑटो चालक किराए को लेकर यात्रियों से अभद्रता भी कर रहे हैं। ऑटो चालक यात्रियों के ट्रेन से उतरते ही परिसर में उन्हें घेर लेते हैं और ज्यादा किराए की डिमांड करते हैं। तीन किलोमीटर दूरी तक जाने के लिए ऑटो वाले 80 से 100 रुपए की मांग करते हैं। वहीं सात किलोमीटर की दूरी के लिए 200 से 225 रुपए तक किराया मांगते हैं। यात्रियों की शिकायत मिलने पर जब इसकी पड़ताल की तो ऑटो चालकों द्वारा यात्रियों से ज्यादा किराया वसूल किए

यह है रेट लिस्ट

स्थान	दिन	रात
अग्रसेन चौक	60	75
आंबेडकर चौक	60	75
अवंती बाई चौक	100	120
अनुपम नगर	120	150
डीडी नगर	120	150
इंद्रप्रस्थ कॉलोनी	200	240
उरकुरा	190	230
टाटीबंध	130	150
तेलीबांधा	100	120
बुढ़ापारा	100	120

अरपा रिवर वैली इंटरनेशनल स्कूल में IIMUN का आयोजन

रायपुर/नवप्रदेश। अरपा रिवर वैली इंटरनेशनल स्कूल में दिनांक 14/11/2025 को IIMUN आयोजन समारोह उद्घाटन बड़े उत्साह के साथ किया गया। आयोजन का आगाज विशिष्ट अतिथियों, विद्यालय प्रबंधन तथा छात्र पालकों के द्वारा मां सरस्वती की छायाचित्र पर पुष्पहार एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। कश्मीर से आई हुई सुश्रीअंबर फातिमा ने IIMUN का परिचय देते हुए उसके उद्देश्य पर प्रकाश डाला। विद्यालयीन छात्राओं द्वारा विभिन्न राज्यों की लोकगीतों पर आधारित मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया।

एडमिरल आर. हरि कुमार ने अपने उद्बोधन में सर्वप्रथम बाल दिवस के अवसर पर बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि IIMUN विद्यार्थियों को शिक्षा में श्रेष्ठ बनाने के अलावा उनके व्यक्तित्व को निखारने में विशेष भूमिका निभाता है एवं आत्मनिर्भर बनने के लिए उनका रास्ता प्रशस्त करता है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि नगर विधायक श्री अमर अग्रवाल जी ने अपने उद्बोधन में स्वामी विवेकानंद के कथन को दोहराते हुए कहा कि भारत पूरे विश्व का प्रतिनिधित्व कर सकता है, विद्यालय में इस तरह के IIMUN जैसे आयोजन इस कड़ी में मील का पत्थर साबित होगा। जीवन में कुछ भी असंभव नहीं है।

न्यूज गैलरी

नवी मुंबई एयरपोर्ट से इंडिगो और अकासा एयर शुरू करेंगी उड़ान, दिल्ली-बेंगलुरु समेत जुड़ेंगे कई शहर

मुंबई। भारतीय एयरलाइन कंपनी इंडिगो और अकासा एयर ने नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से घरेलू उड़ानों को विस्तार देने की घोषणा की है। इंडिगो एयरलाइन देश के 10 शहरों को जोड़ेगी, जबकि अकासा एयर ने चार भारतीय शहरों के लिए उड़ान का फैसला लिया है। इंडिगो 25 दिसंबर से एनएमआईए से उड़ानें शुरू करेगी। एयरलाइन दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद, अहमदाबाद, लखनऊ, नॉर्थ गोवा (मोपाह), जयपुर, नागपुर, कोचिन और मैंगलोर समेत 10 शहरों को सीधे जोड़ेगी। इंडिगो ने एक बयान में कहा कि एयरलाइन की योजना एनएमआईए में अपने परिचालन का विस्तार करने की है। आने वाले समय में और अधिक शहरों के लिए सीधी उड़ानें शुरू की जाएंगी।अकासा एयर भी एनएमआईए से सबसे पहले उड़ानें शुरू करने वाली एयरलाइंस में शामिल हो गई है। चार भारतीय शहरों से सीधे जुड़ते हुए अकासा एयर 25 दिसंबर को दिल्ली और नवी मुंबई के बीच अपनी पहली उड़ान संचालित करेगी। इसके बाद नवी मुंबई को गोवा, दिल्ली और कोच्चि (26 दिसंबर से प्रभावी) और अहमदाबाद (31 दिसंबर से प्रभावी) से जोड़ने वाली नियमित उड़ानें शुरू होंगी।एयरलाइन ने जानकारी दी कि उड़ानों की बुकिंग अकासा एयर की वेबसाइट, एंड्रॉइड और आईओएस ऐप और कई प्रमुख ट्रैवल एजेंटों के माध्यम से शुरू हो गई है।कंपनी ने कहा कि अकासा एयर एनएमआईए से अपने परिचालन का धीरे-धीरे विस्तार करेगी और साप्ताहिक उड़ानों की संख्या (300 घरेलू और 50 अंतरराष्ट्रीय तक) बढ़ाएगी। अपनी व्यापक नेटवर्क रणनीति के तहत, एयरलाइन वित्त वर्ष 2027 के अंत तक 10 पार्किंग बेस तक विस्तार करने की भी योजना बना रही है, जिसका उद्देश्य प्रमुख मध्य पूर्वी और दक्षिण पूर्व एशियाई बाजारों में अंतरराष्ट्रीय विस्तार पर केंद्रित है।बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले महीने नवी मुंबई एयरपोर्ट (एनएमआईए) के पहले चरण का उद्घाटन किया था। यह एयरपोर्ट भारत की सबसे बड़ी ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा परियोजना है, जिसे सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के अंतर्गत विकसित किया गया है। इसे मुंबई महानगर क्षेत्र के दूसरे इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रूप में बनाया गया है, जो छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट (सीएसएमआईए) के साथ मिलकर काम करता है। इसे भारत की वित्तीय राजधानी से हवाई यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है।

एलआईसी ने कार्यालय को पेपरलेस बनाने की दिशा में भी आगे कदम बढ़ाए

44वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में लगा एलआईसी का स्टाल

मुंबई। 14 नवम्बर 2025 को 44वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में एलआईसी के स्टॉल का उद्घाटन जे.पी.एम.बजाज, क्षेत्रीय प्रबंधक, उत्तर क्षेत्र द्वारा किया गया। इस अवसर पर एलआईसी के वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। 14 दिनों की अवधि में चलने वाले इस मेले में निगम की विभिन्न योजनाओं तथा एजेंट के रूप में भर्ती के लिए उपलब्ध करियर अवसरों की जानकारी दी जाएगी।

एलआईसी की ई-सेवाओं एवं अन्य ऑनलाइन सेवाओं के बारे में भी जानकारी साझा की जाएगी। एलआईसी ने कार्यालय को पेपरलेस बनाने की दिशा में भी आगे कदम बढ़ाए हैं। बदलते परिवेश में निगम ने विभिन्न साधनों को अपनाकर पॉलिसी सर्विसिंग को और अधिक आसान एवं सुलभ बना दिया है। पॉलिसीधारक विभिन्न ऑनलाइन माध्यमों से

प्रीमियम जमा कर सकते हैं। ग्राहक अपनी पॉलिसियों से संबंधित जानकारी एलआईसी की वेबसाइट 222.द्यद्बष्द्ध्रठ्ठस्रद्बड्ड.द्बठ्ठ पर जाकर वर्चुअल असिस्टेंट 'एलआईसी मित्र' के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा वे 022-68276827 नंबर पर डायल करके आईवीआरएस के माध्यम से भी यह जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। सभी पॉलिसीधारक एलआईसी के व्हाट्सएप नंबर 8976862090 पर भी अपनी पॉलिसियों से संबंधित सूचनाएँ और सेवाएँ प्राप्त कर सकते हैं। इस वर्ष एलआईसी अपना 69वाँ स्थापना दिवस मना रहा है। देश की प्रमुख वित्तीय संस्थाओं में से एक होने के नाते, इसने बड़ी संख्या में लोगों की बीमा आवश्यकताओं को पूरा किया है। एलआईसी ने बीमायोग्य जनसंख्या की बदलती प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर नवीन उत्पाद बाजार में प्रस्तुत किए हैं। बीमा के साथ-साथ, एलआईसी अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का भी निर्वहन एलआईसी गोल्डन जुबली फाउंडेशन के माध्यम से करता है, जो शिक्षा, चिकित्सा और अन्य सामाजिक सेवाओं में योगदान देता है। एलआईसी राष्ट्र-निर्माण परियोजनाओं में भी महत्वपूर्ण योगदान देता रहा है। एलआईसी का ध्येय वाक्य 'योगक्षेमं वहाम्यहम्' (श्रीमद भगवद गीता से), जिसका अर्थ है 'आपका कल्याण हमारी जिम्मेदारी है', निगम के उद्देश्य को पूर्णत- अभिव्यक्त करता है।

30 नवंबर, 2025 के बाद 'एमकैश' भेजने और क्लेम करने की सुविधा को बंद कर दिया जाएगा

एसबीआई ग्राहक ध्यान दें : 30 नवंबर से बंद हो रही है सर्विस, योनो लाइट पर नहीं मिलेगी सुविधा

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपनी एक महत्वपूर्ण डिजिटल सुविधा को बंद करने का ऐलान किया है। बैंक ने घोषणा की है कि 30 नवंबर, 2025 के बाद 'एमकैश' भेजने और क्लेम करने की सुविधा को बंद कर दिया जाएगा।

यह सुविधा बैंक के OnlineSBI और YONO Lite प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध नहीं होगी। इसका मतलब है कि ग्राहक अब बिना लाभार्थी (Beneficiary) को जोड़े पैसे भेजने के लिए इस खास सर्विस का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया mCASH एक ऐसी सर्विस थी, जिसके जरिए कोई भी एसबीआई इंटरनेट बैंकिंग ग्राहक, किसी को लाभार्थी के रूप में रजिस्टर्ड किए बिना भी फंड ट्रांसफर कर सकता था। इसके लिए सिर्फ प्राप्तकर्ता के मोबाइल नंबर या ईमेल आईडी की जरूरत होती थी। प्राप्तकर्ता को एक

एसएमएस या ईमेल के जरिए 8 अंकों का पासकोड और एक सुरक्षित लिंक मिलता था। इस लिंक के जरिए या State Bank mCASH मोबाइल ऐप से वह पैसा क्लेम कर सकता था, चाहे उसका खाता किसी भी बैंक में हो।एसबीआई ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर एक संदेश जारी किया है, जिसमें कहा गया है- 30 नवंबर के बाद ऑनलाइनएसबीआई और योनो लाइट में एमकैश (भेजना और दावा करना) फैसिलिटी उपलब्ध नहीं होगी। कृपया थर्ड पार्टी के लाभार्थियों को फंड ट्रांसफर करने के लिए यूपीआई, आईएमपीएस, एनईएफटी, आरटीजीएस आदि जैसे वैकल्पिक लेनदेन माध्यमों का उपयोग करें।

अब क्या हैं विकल्प? बैंक ने ग्राहकों से थर्ड पार्टी को फंड ट्रांसफर करने के लिए अन्य सुरक्षित और अधिक उपयोग किए जाने वाले डिजिटल पेमेंट विकल्पों का इस्तेमाल करने का आग्रह किया है। ग्राहक अब द्भष्टड्ढद्ध की जगह यूपीआई जैसे विकल्पों का उपयोग कर सकते हैं, जिसमें BHIM SBI Pay या किसी अन्य क्कद्ब ऐप के जरिए आसानी से मोबाइल नंबर या VPA का उपयोग करके पैसे भेजे जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, वे तुरंत पैसे ट्रांसफर करने के लिए आईएमपीएस या फिर एनईएफटी और आरटीजीएस जैसी सेवाओं का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

थोक महंगाई दर आने वाले समय में एक सीमित दायरे में रह सकती है : एनालिस्ट

नई दिल्ली। अक्टूबर में थोक महंगाई दर के आंकड़े नकारात्मक रहने पर इंडस्ट्री बॉडी ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें कम होने के कारण थोक महंगाई दर आने वाले समय में एक सीमित दायरे में रह सकती है।

पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के सीईओ और महासचिव डॉ. रंजीत मेहता ने कहा, हमें उम्मीद है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में कमजोरी, खाद्यान्नों के पर्याप्त बफर स्टॉक और अच्छी खरीफ फसल के कारण थोक महंगाई दर आने वाले समय में सीमित दायरे में रहेगी।सरकारी क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपने अनुमान में कहा है कि अगर 43 दिनों के शटडाउन के बाद अमेरिकी सरकार के फिर से खुलने के बाद मांग में सुधार होता है, तो अंतरराष्ट्रीय कमोडिटी कीमतों और तेल की कीमतों में कुछ बढ़ोतरी हो सकती है।

बैंक ने कहा कि वैश्विक आपूर्ति में अपेक्षा से अधिक सरप्लस भी आगे चलकर तेल की कीमतों पर दबाव डाल सकता है। इससे आने वाले महीनों में ईंधन में महंगाई कम रह सकती है। भारत में थोक मुद्रास्फीति दर या महंगाई दर अक्टूबर में कम होकर -1.21 प्रतिशत हो गई है, जो कि सितंबर में 0.13 प्रतिशत थी। वहीं, अक्टूबर 2024 में 2.8 प्रतिशत थी।पीएचडीसीसीआई के अध्यक्ष राजीव जुनेजा ने कहा कि यह गिरावट मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों, कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस, बिजली, खनिज तेलों और बेसिक मेटल की मैन्युफैक्चरिंग आदि की कीमतों में कमी के कारण हुई।मैन्युफैक्चरिंग उत्पादों में थोक महंगाई दर अक्टूबर में -0.07 प्रतिशत रही है। इसकी 22 श्रेणियों में से सात में कीमतों में गिरावट दर्ज की गई, जिनमें केमिलकल, बेसिक मेटल और मोटर वाहन शामिल हैं। वहीं, कपड़ा, खाद्य उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक्स और विद्युत उपकरण जैसी 11 श्रेणियों में कीमतों में वृद्धि हुई। चार श्रेणियों में कोई बदलाव नहीं हुआ। अक्टूबर में थोक महंगाई दर के नकारात्मक जोन में रहने की वजह खाद्य उत्पादों, कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस, इलेक्ट्रिसिटी और मिनरल ऑयल एवं अन्य की कीमतों में कमी आना है।बीते महीने खाद्य उत्पादों में थोक महंगाई दर -5.04 प्रतिशत रही है, जो कि सितंबर में -1.99 प्रतिशत थी।

खेल, मनोरंजन

दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 30 रनों से हराया बढ़त लेने के बावजूद हारी मेजबान टीम

स्पोर्ट्स डेस्क। दक्षिण अफ्रीका ने भारत को पहले टेस्ट मैच में हराकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। दक्षिण अफ्रीका ने भारत के सामने 124 रनों का लक्ष्य रखा था, लेकिन भारतीय टीम दूसरी पारी में 93 रन पर ढेर हो गई। दक्षिण अफ्रीका ने कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट मैच में भारत को 30 रनों से हराया। भारतीय टीम ने पहली पारी में 30 रनों की बढ़त ली थी, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने गेंदबाजों के दम पर वापसी की और भारत को हराकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली। दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी 153 रन पर ऑलआउट हुई थी और उसने 123 रनों की बढ़त लेकर भारत के सामने 124 रनों का लक्ष्य रखा था। भारत की बल्लेबाजी दूसरी पारी में बेहद खराब रही और टीम दूसरे ही सत्र में 93 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत के लिए सबसे ज्यादा रन वाशिंगटन सुंदर ने बनाए जो 31 रन बनाकर आउट हुए। अक्षर पटेल अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे और उन्होंने केशव महाराज पर लगातार चौके-छक्के लगाकर भारत को जीत दिलाने की कोशिश भी की, लेकिन खराब शॉट खेलकर वह पवेलियन लौट गए और फिर केशव ने मोहम्मद सिराज को आउट कर भारत की पारी ढेर कर दी। भारत के लिए कप्तान शुभमन गिल दूसरी पारी में भी बल्लेबाजी नहीं करने उतरे। भारत के लिए वाशिंगटन और अक्षर के अलावा रवींद्र जडेजा ने 18, ध्रुव जुरेल ने 13, ऋषभ पंत ने 2, केएल राहुल ने 1 और कुलदीप

यादव ने 1 रन बनाए। जसप्रीत बुमराह खाता खोले बिना नाबाद लौटे। दक्षिण अफ्रीका के लिए सिमोन हार्मर ने चार विकेट लिए, जबकि मार्को यानसेन और केशव महाराज ने दो-दो विकेट लिए। वहीं, एडेन मार्करम को एक विकेट मिला। भारत को अक्षर पटेल के रूप में बड़ा झटका लगा है। अक्षर अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे और उन्होंने केशव महाराज के ओवर में 16 रन बना लिए थे, लेकिन ऊंचा शॉट खेलने के चक्कर में अपना विकेट गंवा बैठे। अक्षर 17 गेंदों पर एक चौका और दो छक्कों की मदद से 26 रन बनाकर आउट हुए। भारत को अब जीत के लिए 31 रन बनाने हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की पारी लड़खड़ा गई है। भारत ने 124 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सात विकेट 77 रन पर गंवा दिए हैं। भारत को अब 47 रन और बनाने हैं। एडेन मार्करम ने वाशिंगटन सुंदर को आउट कर भारत को छठा झटका दिया है। वाशिंगटन 92 गेंदों पर 31 रन बनाकर आउट हुए। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की स्थिति अच्छी नहीं चल रही है। टीम को हालांकि अब जीत के लिए 52 रन बनाने हैं। भारत को रवींद्र जडेजा के रूप में पांचवां झटका लगा है। जडेजा को हार्मर ने अपना शिकार बनाया। जडेजा वाशिंगटन सुंदर के साथ मिलकर अच्छी साझेदारी निभा रहे थे, लेकिन 18 रन बनाकर आउट हो गए। भारत ने 64 रन बना लिए हैं और अब उसे 60 रन और बनाने हैं।

केएल राहुल ने टेस्ट क्रिकेट में पूरे किए 4,000 रन

नईदिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज केएल राहुल ने दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन बड़ी उपलब्धि हासिल की। उन्होंने अपने टेस्ट करियर में 4,000 रन पूरे कर लिए हैं। अपनी पारी का 15वां रन बनाते ही राहुल ने ये उपलब्धि हासिल की। 33 साल के राहुल क्रिकेट के सबसे बड़े प्रारूप में भारतीय टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक माने जाते हैं। ऐसे में आइए उनके आंकड़ों पर नजर डालते हैं। राहुल ने अपने 66वें टेस्ट में 4,000 रन पूरे किए हैं। साल 2014 में टेस्ट डेब्यू करने वाले इस स्टार खिलाड़ी ने खुद को एक बहुमुखी बल्लेबाज के रूप में विकसित किया है। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने लगभग 36 की औसत से बल्लेबाजी की है। इस दौरान उन्होंने

11 शतक और 20 अर्धशतक जड़े हैं। उनके 3,500 से अधिक रन सलामी बल्लेबाज के रूप में आए हैं, जो उनकी निरंतरता और कौशल को दर्शाते हैं।राहुल ने घरेलू सरजमीं पर 43 की औसत से 1,350 से ज्यादा टेस्ट रन बनाए हैं। बाहर के मैचों में उनकी औसत 33.84 की रही है, जहां उन्होंने 9 शतकों की मदद से 2,640 रन जड़े हैं। खास बात यह है कि राहुल ने भारत के लिए बतौर सलामी बल्लेबाज 10 टेस्ट शतक लगाए हैं। इस मामले में उनसे आगे सिर्फ सुनील गावस्कर (33), वीरेंद्र सहवाग (22) और मुरली विजय (12) हैं।राहुल ने साल 2014 में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के खिलाफ अपने टेस्ट करियर का आगाज किया था। वह अब तक 66 मैच खेल चुके हैं, जिसकी 115 पारियों में 36 से ज्यादा की औसत से 4,000 से ज्यादा रन बनाने में सफल रहे हैं। इस दौरान उन्होंने 11 शतक और 20 अर्धशतक जड़े हैं।

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम को लगा बड़ा झटका पहले टेस्ट से बाहर हुए जोश हेजलवुड

नईदिल्ली। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम और इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बीच एशेज सीरीज का पहले टेस्ट पर्थ में खेला जाना है। इससे पहले कंगारू टीम को बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड हैमस्ट्रिंग स्ट्रेन के कारण टीम से बाहर हो गए हैं। शेफील्ड शील्ड मैच के दौरान असहज महसूस करने पर उन्हें तुरंत मैच से हटाया गया। बाद में हुई स्कैन रिपोर्ट में उनकी चोट की पुष्टि हुई, जिसके चलते वे शुरुआती टेस्ट में टीम का हिस्सा नहीं बन पाएंगे।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बयान जारी कर कहा, हेजलवुड की आज दोबारा स्कैनिंग की गई, जिसमें हैमस्ट्रिंग स्ट्रेन की पुष्टि हुई। बुधवार को हुई शुरुआती स्कैन रिपोर्ट में कोई स्ट्रेन नहीं दिखा था, लेकिन फॉलो-अप इमेजिंग में चोट सामने आई। शुरुआती स्कैन कभी-कभी लो-ग्रेड मसल इंजरी को कम आंक देते हैं। इसी कारण हेजलवुड अब पर्थ नहीं जाएंगे और पहले एशेज टेस्ट से बाहर हो गए हैं। शॉन एबॉट और पैट कमिंस भी पहले टेस्ट मैच से बाहर हैं। ऐसे में ब्रेंडन डॉगेट को डेब्यू का मौका मिल सकता है। 31 वर्षीय डॉगेट ने इस सीजन शेफील्ड शील्ड में शानदार प्रदर्शन किया है, जहां उन्होंने मामूली हैमस्ट्रिंग चोट से उबरने के बाद 14.69 की औसत से 13 विकेट झटके हैं। उनकी निरंतरता और फिटनेस चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित कर रही है। कमिंस दूसरे टेस्ट मैच में टीम में वापसी कर सकते है।

10 साल बाद साथ लौटे हनी सिंह और पारुल गुलाटी, एक्ट्रेस बोलीं- उनमें पहले जैसी एनर्जी

फिल्मी दुनिया में जब दो कलाकार लंबे समय बाद दोबारा साथ आते हैं, तो वह पल फैंस के लिए भावनात्मक बन जाता है। खासकर तब, जब उन कलाकारों की पुरानी साझेदारी ने लोगों पर गहरी छाप छोड़ी हो। इस कड़ी में अभिनेत्री पारुल गुलाटी और मशहूर रैपर व सिंगर यो यो हनी सिंह लगभग एक दशक बाद फिर से एक साथ नजर आएंगे। दोनों कपिल शर्मा की नई फिल्म किस किस को प्यार करूं 2 के खास गाने फुर्र में साथ दिखाई देंगे। पारुल गुलाटी ने बताया कि इतने साल बाद हनी सिंह से मिलना उन्हें भावुक कर गया। उन्होंने कहा, जब मैं इतने सालों बाद हनी सिंह से मिली, तो सचमुच ऐसा लगा जैसे समय थम गया हो। हम दोनों तुरंत पुराने प्रोजेक्ट जोरावर के दिनों में वापस चले गए। हमें रिहर्सल, हंसी-मजाक, और सेट पर मस्ती भरे पल याद आने लगे। पारुल ने कहा, हनी सिंह के साथ दस साल बाद दोबारा काम करने पर मुझे एक अपनापन महसूस हुआ। उनमें पहले जैसी एनर्जी है, लेकिन एक कलाकार के तौर पर उनमें काफी निखार आया है। उनका म्यूजिक के प्रति जुनून, काम के प्रति समर्पण, और उनकी खास शैली आज भी उतनी ही मजबूत है।पारुल ने कहा कि हनी सिंह के साथ गाने की शूटिंग करते हुए ऐसा लगा कि उनकी एक लंबी यात्रा, फिर से

शुरुआती पड़ाव पर वापस आ गई है। ऐसा एहसास हुआ कि जिंदगी एक पूरा चक्कर लगाकर फिर उसी खुशी भरे मोड़ पर पहुंच गई हो, जहां से हमने शुरुआत की थी।पारुल और हनी सिंह की जोड़ी इससे पहले 2016 की पंजाबी एक्शन फिल्म जोरावर में देखने को मिली थी। यह फिल्म हनी सिंह की एक्टिंग डेब्यू थी और उस समय दर्शकों ने इस नई जोड़ी को खूब पसंद किया था। यही वजह है कि उनका दोबारा साथ आना दर्शकों के बीच उत्सुकता पैदा कर रहा है।किस किसको प्यार करूं 2 का नया गाना फुर्र रिलीज हो गया है। इस गाने में हनी सिंह और पारुल गुलाटी के अलावा, कपिल शर्मा, आयशा खान और त्रिधा चौधरी नजर आ रही हैं। गाने को लोग खूब पसंद कर रहे हैं।

सनी देओल की जाट 2 के लिए मशहूर निर्देशक राजकुमार संतोषी ने उठाई जिम्मेदारी

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल की फिल्म जाट इसी साल अप्रैल, 2025 में रिलीज हुई थी। फिल्म में रणदीप हुड्डा विलेन के किरदार में नजर आए थे। बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक प्रदर्शन करने के बाद

निर्माता इसके सीक्वल पर विचार कर रहे हैं। अपडेट यह भी है कि इस बार निर्देशन की जिम्मेदारी गोपीचंद मनेनी को नहीं, बल्कि मशहूर निर्देशक राजकुमार संतोषी को सौंपी गई है। इसके लिए उन्हें मोटी फीस भी दी गई है। आइए जानते हैं अपडेट। रिपोर्ट के मुताबिक, एक सूत्र ने जाट 2 पर कहा, जाट के निर्माता इस एक्शन फिल्म को फ्रैंचाइजी में बदलने के लिए उत्साहित हैं, और उन्हें सनी का आशीर्वाद मिला है। चूंकि निर्देशक गोपीचंद अन्य परियोजनाओं में व्यस्त हैं, इसलिए उन्होंने इस एक्शन से भरपूर फिल्म के निर्देशन के लिए राजकुमार को चुना है। निर्माताओं और सनी को विश्वास है कि जाट की दुनिया में संतोषी के शामिल होने से फिल्म की सफलता और भी बढ़ जाएगी। चर्चा है कि राजकुमार को जाट 2 के निर्देशन के लिए मोटी फीस मिली है। सूत्र ने कहा, राजकुमार को सीक्वल के निर्देशन के लिए 15 करोड़ रुपये की भारी-भरकम रकम दी गई है, और यह अब तक की उनकी सबसे बड़ी रकम है। कागजी कार्रवाई एक महीने में पूरी होने की उम्मीद है। सबकुछ ठीक रहा तो अगले साल 2026 में फिल्म फ्लोर पर उतर आएगी। बता दें कि सनी की आगामी फिल्में बॉर्डर 2 और लाहौर- 1947 हैं।

खबरों की मरम्मत

जहां-जहां पांव पड़े संतन के....

वैसे तो बिहार विधानसभा चुनाव से छत्तीसगढ़ का कोई लेना देना नहीं है लेकिन छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जो कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव भी हैं ने बिहार में एनडीए की जीत के लिए अपना ज्ञान बघारते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बधाई देकर उड़ता तीर ले लिया है। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह ने इस पर तंज कसा है कि जिस प्रदेश में भूपेश बघेल कांग्रेस का प्रचार करने जाते हैं वहां कांग्रेस हार जाती है। भूपेश बघेल ने बिहार की जिन सीटों पर प्रचार किया था वहां कांग्रेस निपट गई और जहां-जहां पांव पड़े संतन के वहां-वहां बंटाधार वाली कहावत चरितार्थ हो गई। अब भाजपाई दुआ कर रहे हैं कि कांग्रेस हाईकमान भूपेश बघेल को बंगाल विधानसभा चुनाव के काम पर लगाए ताकि वहां भी बची खुची कांग्रेस का काम तमाम हो।

हर मर्ज की एक दवा है हमारे गुरु जी

गुरु जी का ज्ञानी होना उन्हें कोल्हू का बैल बना दे रहा है। सरकार जहां चाहे वहां जोत देती है। बेचारे उफभी नहीं कर पाते। चुनाव आयोग ने छत्तीसगढ़ में भी एफआईआर कराना शुरु किया है। इसके लिए थोक के भाव में शासकीय शिक्षकों को बीएलओ बनाकर उन्हें मतदाता सूची की गहन जांच पड़ताल के काम पर लगा दिया है। विद्यार्थियों की छमाही परीक्षा सिर पर है ऐसे में उन स्कूलों के बच्चों का भविष्य अंधकारमय होना तय है जहां पहले से ही शिक्षकों का टोटा है और अब उसमें भी आधे इधर आओ आधे उधर जाओ की तर्ज पर स्कूलों के मात्र एक या दो शिक्षकों के भरोसे छोड़ दिया गया है।

छत्तीसगढ़ की जीवन रेखा भगवान भरोसे

मुंबई और कोलकाता की तरह छत्तीसगढ़ में भी लोकल ट्रेनें यहां की जीवन रेखा बन गई हैं। जिन में प्रतिदिन हजारों दैनिक रेल यात्री सफर करते हैं। किन्तु जिस तरह कोलकाता और मुंबई में लोकल ट्रेनों को प्राथमिकता दी जाती है और सुपरफास्ट एक्सप्रेस को भी रोककर पहले लोकल ट्रेनों को निकाला जाता है वैसा छत्तीसगढ़ में नहीं होता। यहां तो लोकल ट्रेन को रोककर मालगाड़ी को क्रासिंग दी जाती है। नतीजतन लोकल ट्रेनों का घंटों लेट चलना आम बात हो गई है। लगता है लोकल ट्रेनों का कोई माई बाप ही नहीं है। वे भगवान भरोसे चल रही हैं। अब तो दैनिक रेल यात्री संघ को ही फिर से संगठित होकर रेलवे प्रबंधन के खिलाफमोर्चा खोलना होगा क्योंकि सीधी ऊंगली से तो घी निकलने वाला नहीं है।

बड़बोलापन महंगा पड़ा पोंगा पंडित को

प्रवचन कर्ता श्रद्धालुओं को तो ज्ञान देते हैं कि - ऐसी वाणी बोलिये न मन का आपा खोए, औरों को शीतल करे आपहु शीतल होए.. लेकिन पर उपदेश कुशल बहुतेरे वाली उक्ति को चरितार्थ करते हुए खुद जो मुंह में आज बोल देते हैं। नतीजतन ताली की जगह गाली मिलती है। ऐसे ही मध्यप्रदेश के एक पोंगा पंडित कथित कथावाचक आशुतोष चैतन्य अपनी चेतना को बैठे और तखतपुर में तखत पर बैठकर सतनामी समाज के लोगों पर अत्यंत आपत्ति जनक टिप्पणी कर दी। फलस्वरूप अब वे जेल की हवा खा रहे हैं। हालाकि अब उन्होंने माफी मांग ली है लेकिन अब पछताए का होत है जब चिड़िया चुग गई खेत।

ऐसे में कैसे हो पाएगी धान की खरीदी

धान का कटोरा इस बार भी लबालब भरा है। छत्तीसगढ़ की विष्णु देव साय सरकार ने पूर्व घोषित तिथि 15 नवंबर से पूरे प्रदेश में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की प्रक्रिया प्रारंभ करा दी है। धान खरीदी केन्द्रों में किसानों का स्वागत भी हुआ किंतु कई केन्द्रों में बोहनी भी नहीं हुई। दरअसल धान उपार्जन समितियों के प्रबंधकों और कर्मचारियों की हड़ताल के चलते धान खरीदी प्रभावित हुई। सरकार ने वैकल्पिक व्यवस्था करते हुए अन्य विभागों के कर्मचारियों को धान खरीदी के काम पर लगाया है लेकिन उनकी अनुभव हीनता के कारण धान खरीदी व्यवस्था गड़बड़ा रही है। दुर्ग जिले में 87 समितियों में धान खरीदी होनी थी लेकिन सिर्फ 35 केन्द्रों में ही खरीदी हो पाई। जिससे किसान परेशान हुए। यदि हड़ताल न टूटी तो धान खरीदी कैसे हो पाएगी यह सवाल किसानों के सामने मुंह बाए खड़ा है।

समेकित कर भी नहीं पटा रहे माननीय

माननीय मंत्रियों, विधायकों और आला अफसरों को सरकार आलीशान बंगले निशुल्क मुहैया कराती है। उन्हें सिर्फपानी और सफाई का मामूली समेकित कर का भुगतान ही अपनी जेब से करना पड़ता है लेकिन वे इसका भी भुगतान नहीं कर रहे हैं। राजधानी रायपुर के लगभग एक हजार सरकारी बंगलों में रह रहे माननीयों ने पिछले दस सालों से समेकित कर नहीं पटाया है। उन पर लगभग दस करोड़ का भुगतान बकाया है। जिसकी वसूली के लिए नगर निगम को पसीने छूट रहें हैं। सही बात है बिल्ली के गले में घंटी बांधना भला आसान काम थोड़े न है।

- कैलाश यादव, चन्द्रशेखर राव, हरिओम चौहान, हेमंत धोटे, रंजन पांडेय, शाहीन कुरैशी।

19 को किसानों के खाते में आएंगी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त

- ई-केवाईसी पूरी नहीं की तो अटक सकती है किस्त

रायपुर/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से जुड़े करोड़ों किसानों के लिए बड़ी राहत की खबर आई है। केंद्र सरकार ने 21वीं किस्त जारी करने की तारीख घोषित कर दी है। योग्य किसानों के बैंक खातों में दो हजार रुपये की अगली किस्त 19 नवंबर 2025 को जमा कर दी जाएगी। हालांकि सरकार ने स्पष्ट किया है कि जिन किसानों ने अब तक अपनी ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी नहीं की है, उनके खाते में किस्त अटक सकती है। इसलिए समय रहते ई-केवाईसी अपडेट कराना अनिवार्य है।

जिन किसानों ने रिकॉर्ड अपडेट नहीं किया, उन्हें नहीं मिलेगा लाभ

योजना का लाभ उन्हीं किसानों को मिलेगा जिनकी जमीन का विवरण पोर्टल पर दर्ज है, जिनका बैंक खाता आधार से जुड़ा है और जिन्होंने समय पर अपनी पहचान की पुष्टि करा ली है। सरकार आधार सत्यापन के माध्यम से यह सुनिश्चित करती है कि सहायता राशि सही व्यक्ति तक पहुंचे और फर्जी लाभार्थियों को रोका जा सके।

घर बैठे ऐसे करें ई-केवाईसी

सरकार ने किसानों की सुविधा के लिए मोबाइल फेन से ही ई-केवाईसी पूरी करने की सुविधा उपलब्ध कराई है। किसान तीन तरीकों से प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं

- ओटीपी आधारित पहचान

- अंगुली छाप आधारित पहचान

- चेहरे की पहचान आधारित प्रक्रिया

इनमें चेहरे की पहचान सबसे आसान और तेज़ मानी जा रही है। किसान मोबाइल पर आवश्यक एप डाउनलोड कर अपना पंजीकृत मोबाइल नंबर और आधार नंबर दर्ज कर पहचान पूरी कर सकते हैं। कुछ ही क्षणों में प्रक्रिया पूरी हो जाती है, जबकि स्थिति अगले 24 घंटे में पोर्टल पर दिखाई देती है।

पोर्टल पर ऐसे मिलती रहेगी जानकारी

किसान अपनी किस्त की स्थिति, ई-केवाईसी और पात्रता की जानकारी योजना के पोर्टल पर किसान कॉर्नर के माध्यम से देख सकते हैं। यह सुविधा किसानों को पारदर्शी और त्वरित सेवा प्रदान करती है। किस्त जारी होने में अब अधिक समय नहीं बचा है। ऐसे में किसानों के लिए जरूरी है कि वे तुरंत अपनी ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी कर लें, ताकि 19 नवंबर को आने वाली किस्त बिना किसी बाधा के उनके खाते में पहुंच सके।

सीएससी और डाक भुगतान बैंक से भी सुविधा

ग्रामीण इलाकों के किसानों के लिए नजदीकी लोक सेवा केंद्र पर भी ई-केवाईसी कराई जा सकती है। वहीं जिनका बैंक खाता अभी तक आधार से नहीं जुड़ा है, वे डाक भुगतान बैंक के माध्यम से घर बैठे आधार आधारित खाता खुलवा सकते हैं।

धान खरीदी की पुख्ता व्यवस्था

पहले दिन 20 हजार क्विंटल की हुई खरीदी : उप मुख्यमंत्री अरुण साव

- कांग्रेस ने किसानों को दिया धोखा, धान खरीदी केंद्रों की निगरानी केवल राजनीतिक दिखावा :साव
- छत्तीसगढ़ के कांग्रेस नेताओं की विश्वसनीयता खत्म, ऐसे में बिहार की जनता कैसे भरोसा करती इन पर : साव

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में धान खरीदी की पुख्ता व्यवस्था की गई है। प्रदेश में 15 नवंबर से सुचारु रूप से धान खरीदी प्रारंभ हुई है। और पहले ही दिन अलग अलग सहकारी सोसायटी में 20 हजार क्विंटल धान की खरीदी हुई है। ये बातें उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने नवा रायपुर निवास कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा के दौरान कही। आगे साव ने कहा कि, प्रदेश के किसान पूरी तरह से निश्चिंत रहे, सरकार ने धान खरीदी की पुख्ता व्यवस्था की है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि,धान खरीदी में किसानों को किसी भी प्रकार से दिक्कत ना हो। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद अधिकारी पूरी तत्परता से व्यवस्था संचालन में जुटे है।

साव ने कांग्रेस के खरीदी केंद्रों के निगरानी पर पलटवार करते हुए कहा कि, कांग्रेस ने किसानों के साथ धोखा किया है, वो क्या निगरानी करेंगे। दो साल का पुराना बोनस देने का वादा किया था, लेकिन पांच साल के सरकार में नहीं दिया। चार किस्त में देते थे, और चौथी किस्त में कटौती करते थे। छत्तीसगढ़ के किसान कांग्रेसियों की नियत अच्छी तरह से जानते है।

साव ने बिहार में छत्तीसगढ़ के कांग्रेस नेताओं के प्रचार वाले विधानसभा में हार पर कहा कि, आज कांग्रेस की विश्वनीयता समाप्त हो गई है। छत्तीसगढ़ के कांग्रेसी विशेष रूप से जनता से बार-बार नकारे गए हैं। ऐसे में दूसरे राज्य की जनता इन पर कैसे भरोसा करेगी। जबकि छत्तीसगढ़ के हम भाजपा कार्यकर्ता और वरिष्ठ नेता वहां के संगठन के लोगों के साथ मिलकर उनके सहयोग से प्रचार में गए और ऐतिहासिक परिणाम बिहार में आया है। बिहार की जनता ने विकास और सुशासन को चुना है।

उप मुख्यमंत्री साव ने सुकमा में तीन नक्सलियों के न्यूट्रलाइज होने पर सुरक्षाबलों की सराहना की है। उन्होंने कहा कि, छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ निर्णायक लड़ाई चल रही है। हमारे सुरक्षा बल के जवान लगातार जंगलों में ऑपरेशन चला रहे है। और निश्चित रूप से मार्च 2026 में सशस्त्र नक्सलवाद समाप्त हो जाएगा। सुरक्षा बल के जवानों को बधाई देता हूं। वे दुर्गम इलाकों में जाकर नक्सल उन्मूलन का काम कर रहे हैं।

खैरागढ़ महोत्सव 19 से

खैरागढ़/नवप्रदेश। इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ में 19 से 21 नवंबर तक खैरागढ़ महोत्सव 2025 का आयोजन होने जा रहा है। एशिया के पहले संगीत विश्वविद्यालय के रूप में पहचाने जाने वाले इस संस्थान में तीन दिनों तक शास्त्रीय संगीत, नृत्य, लोककला और अंतरराष्ट्रीय प्रस्तुति का ऐसा अनूठा संगम होगा, जो छत्तीसगढ़ की संस्कृति को नई पहचान देगा। आयोजन विश्वविद्यालय और संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा संपत्र होगा।

पहले दिन 19 नवंबर को उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि: मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष डॉ। रमन सिंह करेंगे। अति विशिष्ट अतिथि राजस्व व उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा आमंत्रित हैं। विशिष्ट अतिथियों में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रियंका खम्हन ताम्रकार और जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह शामिल रहेंगे। उद्घाटन दिवस पर अंतरराष्ट्रीय संगीत प्रस्तुति, तबला वादन, उपशास्त्रीय गायन और छत्तीसगढ़ी लोकगीतों की रंगारंग झांकी दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेगी। खैरागढ़ महोत्सव न केवल एक सांस्कृतिक आयोजन है, बल्कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध परंपराओं, कला-वारसा, लोक आत्मा और आधुनिक सांगीतिक प्रयोगों का एक सशक्त मंच है।

21 नवंबर को समापन समारोह का आयोजन होगा। इसमें मुख्य अतिथि राज्यपाल रमेन डेका होंगे। अध्यक्षता कुलपति प्रो। डॉ। लवली शर्मा द्वारा की जाएगी। अति विशिष्ट अतिथियों में उपमुख्यमंत्री अरुण साव और रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल को आमंत्रित किया गया है। विशिष्ट अतिथि खैरागढ़ विधायक यशोदा वर्मा उपस्थित रहेंगी। अंतिम दिवस पर उस्ताद सिराज अली खान का सरोद वादन, पं। संजू सहाय का तबला, शमा भाटे का कथक नृत्य और कविता वासनिक का लोकसंगीत उत्सव होगा।

नाट्य-नृत्य संगम की प्रस्तुति 20 को होगी : महोत्सव के दूसरे दिन 20 नवंबर को मुख्य अतिथि सांसद संतोष पाण्डे होंगे। अध्यक्षता कुलपति प्रो। डॉ। लवली शर्मा करेंगी। विशिष्ट अतिथि नगर पालिका की अध्यक्ष गिरिजा चंद्राकर, आर्यव्रत सिंह, मनीष पारख, अमित बरडिया और हरीश चंद जैन शामिल हैं।

पुलिस कस्टडी में मौत, 8 दिन बाद भी नहीं हुआ अंतिम संस्कार

परिजनों ने की एक करोड़ के मुआवजे की मांग

बलरामपुर/नवप्रदेश। बलरामपुर में पुलिस कस्टडी में चोरी के आरोपी की मौत के 8 दिन बाद भी शव का अंतिम संस्कार नहीं हो सका है। उमेश सिंह के परिजन सहमत नहीं हुए। परिजन अपनी मांगों को लेकर सीतापुर में धरना दिया था।

परिजनों ने दोबारा पोस्टमॉर्टम कराने और एक करोड़ रुपये मुआवजा देने की मांग रखी है। एसडीएम से चर्चा के बाद कोई सहमति नहीं बनीं तो परिजनों ने फिलहाल शव का अंतिम संस्कार नहीं किया है। फिलहाल उमेश का शव सरगुजा के सीतापुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के मरच्यूरी में रखा गया है।

क्या है पूरा मामला: बता दें कि बलरामपुर में स्थित धनंजय ज्वेलर्स में पिछले दिनों 50 लाख रुपए की चोरी हुई थी, जिस मामले में पुलिस ने उमेश सहित नौ लोगों को पकड़ा था और इसके बाद यह घटना हुई थी। हालांकि इस घटना के तत्काल बाद पुलिस ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी किया और बताया कि उसने आठ लोगों को गिरफ्तार किया है और उनसे कई जेवरात भी जप्त किया गया है। वही एक आरोपी को प्रेस विज्ञप्ति में फरार बताया गया।

पुलिस कस्टडी में मौत हुई मौत : रविवार को बलरामपुर साइबर सेल की टीम के द्वारा हिरासत में लिए गए सरगुजा जिले के सीतापुर थाना क्षेत्र स्थित ग्राम पंचायत नकना निवासी उमेश सिंह की मौत हो गई। परिवार वालों का कहना है कि पुलिस की पिटाई की वजह से उमेश की मृत्यु हुई है और जब उसकी मौत हो गई तब पुलिस वालों ने परिवार वालों को सूचना दिया कि उसकी तबीयत खराब है आप देखने के लिए अस्पताल लिए लेकिन जब वह अस्पताल पहुंचे तब उसकी मौत हो चुकी थी वही परिजनों के अस्पताल पहुंचने के बाद भी उसके लाश को उन्हें नहीं दिखाया गया और उनकी सहमति के बिना शव का पोस्टमार्टम कराया गया। परिजनों का यह भी आरोप है कि हिरासत में लेने के बाद पुलिस के जवानों ने लोहे का पंजा हाथ में लगाकर उसके साथ मारपीट की थी और उसके मुंह से खून निकल रहा था वही एक दूसरे युवक के कान से भी खून निकलने लगा था।

कथा वाचक चैतन्य महाराज की गिरफ्तारी के दौरान हंगामा

- पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफदर्ज किया केस

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की 'न्यायधानी' बिलासपुर में कथावाचक आशुतोष चैतन्य महाराज ने सतनामी समाज को लेकर एक आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। भागवत कथा के दौरान उन्होंने सतनामी समाज के लिए किए आपत्तिजनक बातें कही, जिसके बाद अब कथावाचक आशुतोष चैतन्य महाराज को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं गिरफ्तारी के दौरान कोर्ट परिसर में दोनों पक्षों के द्वारा हंगामा मचाया गया था। इस मामले पुलिस ने कार्रवाई करते हुए केस दर्ज किया है।

आशुतोष चैतन्य महाराज की गिरफ्तारी के दौरान हंगामा

दरअसल, कल कथावाचक को कोर्ट में पेश करते समय न्यायालय परिसर में सतनामी समाज के लोगों ने आशुतोष चैतन्य महाराज के लिए मुर्दाबाद के नारे लगाए थे। वहीं हिंदू संगठन के लोगों ने बचाव किया था। इस दौरान ही दोनों पक्षों में वाद-विवाद की स्थिति बन गई थी। वहीं अब स्स्क्ष रजनेश सिंह के निर्देशों के बाद दोनों पक्षों के खिलाफ पुलिस ने सिविल लाइन थाने में केस दर्ज किया है।

आशुतोष चैतन्य महाराज ने मांगी माफी

सतनामी समाज द्वारा कड़े विरोध को देखते हुए आशुतोष चैतन्य महाराज ने एक वीडियो जारी किया और सतनामी समाज के खिलाफ बोले गए आपत्तिजनक बोल के संबंध में माफी मांगी थी।

जानें पूरा मामला

बिलासपुर जिले के तखतपुर क्षेत्र के टिकरी पारा में श्रीमद् भागवत कथा महापुराण का आयोजन किया जा रहा है। इस कथा के दौरान कुछ दिनों पहले कथावाचक आशुतोष चैतन्य महाराज ने सतनामी समाज को लेकर कई अपशब्द कहे। उनकी कथा का वीडियो यूट्यूब चैनल पर भी अपलोड किया गया। वीडियो सामने आने के बाद सतनामी समाज को लोग भड़क उठे। बड़ी संख्या में सतनामी समाज के लोगों ने इकट्ठा होकर तखतपुर थाने का घेराव किया। साथ ही प्रदर्शन के दौरान कथावाचक की गिरफ्तारी की मांग और जमकर नारेबाजी की। समाज के लोगों का कहना था कि व्यासपीठ से की गई ऐसी बातें धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने वाली हैं।

मुख्यमंत्री से शिकायत के बाद रजिस्ट्री शून्य की कार्यवाही तेज

गरियाबंद नगर पालिका क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग

जीवन एस साहू,

गरियाबंद/नवप्रदेश। पिछले कुछ वर्षों के दौरान जिले में अवैध प्लाटिंग के खेल में करोड़ों का वारा न्यारा होता रहा,जिला मुख्यालय सहित ब्लॉक मुख्यालयों के आस पास ग्रामीण क्षेत्रों साथ ही नगर सीमा क्षेत्र की कृषि भूमि पर अवैध प्लाटिंग और अनाधिकृत कालोनी निर्माण की बाढ़ आ गई। कुछ लोगों ने एक अदद आशियाने का सपना लेकर और कुछ लोगो ने निवेश के नाम पर बगैर सोचे समझे इन कृषि भूखंडों में अपनी जमा पूंजी लगा दी, अब मामला शिकायतों और कानूनी कार्यवाही के दायरे में फंस चुका है।

आपको बता दें कि अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय गरियाबंद में 11 जून 2021 एवं 09 मई 2022 तक अवैध प्लाटिंग के कुल 13 प्रकरण दर्ज किये गये थे, इन प्रकरणों में से 01 प्रकरण को पूर्व पीठासीन अधिकारी द्वारा नगर पालिका गरियाबंद क्षेत्र के अंतर्गत आने से 16 अक्टूबर 2024 को खारिज किया गया था। तब से ये एक प्रकरण कार्यालय नगर पालिका परिषद में लंबित था। नगर के एक वरिष्ठ पत्रकार ने मुख्यमंत्री से शिकायत की तब जाकर पालिका प्रशासन की नींद खुली। वरिष्ठ पत्रकार का सवाल है कि क्या इस तरह के स्थानीय मामलों की शिकायत अब मुख्यमंत्री तक करने पर ही कार्यवाही की जायेगी, स्थानीय स्तर पर की गई शिकायतों का कोई महत्व नहीं होगा ? हालांकि इसी सप्ताह वरिष्ठ पत्रकार के द्वारा कलेक्टर गरियाबंद से भी उपरोक्त भूखंडों के अंतरण शीघ्र शून्य करने की मांग की गई है।

जिले में बहुत से भू-माफिआओं ने अवैध प्लाटिंग में करोड़ो का वारा न्यारा किया, कौड़ियों की कीमत पर एकड़ के भाव कृषि भूमि खरीदी और प्लाटिंग के बाद वर्ग फ़ीट के हिसाब से करोड़ों में बेची। किसी ने इसके लिये चढ़ावे का खेल खेला और किसी ने छत्तीसगढ़ के रायपुर निवासी एक मंत्री के नाम का सहारा लिया।

इस मामले में एक से दो वर्ष पूर्व हल्का पटवारी प.ह.न.10 तहसील गरियाबंद के प्रतिवेदन के अनुसार नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड नं 15 में अनेक खसरा नंबरों का बँटाकन कर अवैध प्लाटिंग की गई है, सीधे शब्दों में भू-राजस्व संहिता के जानकार इसे अवैध कालोनी करार देते हैं।

गरियाबंद नगरीय क्षेत्र में अवैध कालोनियों के विरुद्ध कार्यवाही में विलंब और ढुलमुल प्रशासनिक रवैये को देखते हुये एक वरिष्ठ पत्रकार द्वारा इस मामले की शिकायत सीधे मुख्यमंत्री से की गई। शिकायत के अनुसार नगर पालिका परिषद गरियाबंद क्षेत्रांतर्गत भू माफिआओं द्वारा खसरा नं 166/2,209/1,208,207,166/1,160,159,158,145,146,147,133,135 पर अवैध प्लाटिंग कर मकानों का निर्माण किया जा रहा है।

गरियाबंद पालिका प्रशासन द्वारा दो से तीन वर्ष पूर्व भु माफिआओं के विरुद्ध नोटिस जारी कर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर ली गई थी। मुख्यमंत्री से शिकायत के बाद अब उपरोक्त भूखंडों पर किये गये अंतरण शून्य करने की कार्यवाही को लेकर पत्राचार किया जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नं. 74 सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया से मुद्रित कर रजबंधा मैदान प्रेस काम्पलेक्स रायपुर से प्रकाशित, RNI NO.CHHHIN/2012/41806
(पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी) फोन : 0771-3526755, 6262188999, Gmail: navpradesh@gmail.com